फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 77 संख्या: 30 प्रभात जयपुर, सोमवार 31 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

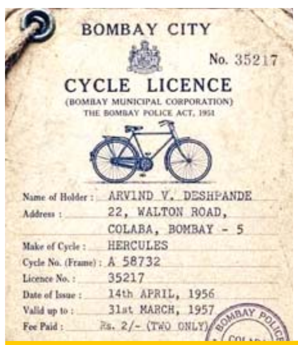

When one needed permit to cycle!

By the 1970s, the BMC scrapped cycle license. The irony? They were spending more on making brass tokens than earning from the rupee 2 tax

The Walker's License

"Walking license" existed, which documented a "brisk" pace, fixed routes, and permitted distances for individuals, acting as a "paper trail" for everyday life

भारत दुनिया को विविधता में एकता का बोध कराता है- भागवत

आरएसएस प्रमुख ने न्यूयॉर्क के सम्मेलन में धर्म को संतुलन कायम रखने वाला सिद्धांत बताया

- **इस कार्यक्रम में अमेरिका के 39 राज्यों तथा 853 शहरों के 6000 प्रतिनिधियों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के 250 छात्रों तथा 250 से अधिक संगठनों ने भाग लिया।**
- **समारोह में आये 30 देशों के 180 धार्मिक नेताओं ने स्पष्ट रुप से कहा कि धर्म का उपयोग नफरत, अपमान व हिंसा को उचित ठहराने के लिये नहीं किया जा सकता।**

न्यूयॉर्क, 30 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने आज यहां कहा कि हर राष्ट्र का एक संदेश, मिशन और नियति होती है। भारत की नियति दुनिया को विविधता में एकता का बोध कराना है। विविधता एकता को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे सजाती है।

न्यूयॉर्क के मैनहैटन में अहैड फोरम की ओर से आयोजित यूनिवर्सल वननैस सेलिब्रेशन में मोहन भागवत ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि हर देश का एक संदेश होता है, हर देश का एक मिशन होता है और हर देश की एक नियति होती है जिसे उसे पूरा करना होता है। भारत की नियति क्या है? भारत का काम है विविधता में एकता को खुद समझना और समय-समय पर दुनिया को भी इसका एहसास कराना। उन्होंने कहा कि विविधता का उत्सव मनाया जाना चाहिए। उसका सम्मान होना चाहिए और उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही लोगों को एकता की भावना को भी अपने भीतर बनाए रखना चाहिए।

मोहन भागवत ने भारतीयों से अपने आचरण के माध्यम से विविधता में एकता का संदेश देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मनुष्यों के शरीर, पहनावे और उपासना पद्धितयां अलग हो सकती हैं। इसके बावजूद एक स्थायी तत्व सभी को जोड़ता है। उन्होंने इसकी तुलना एक ही धागे से जुड़े माला के अलग-अलग मोतियों से की। उनके अनुसार यही आत्मतत्व सभी के बीच एकता का आधार है।

भागवत ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख हासिल करना नहीं है। भारतीय परंपरा में जीवन का उद्देश्य सत्य की खोज और मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ना बताया गया है। इसमें दुनिया के कल्याण के लिए काम करना भी जोड़ा गया है।

उन्होंने धर्म को संतुलन कायम रखने वाला सिद्धांत बताया और उसकी व्याख्या की। उनके अनुसार धर्म केवल रिलिजन या उपासना का विषय नहीं है। यह व्यक्ति, समाज और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने की व्यवस्था है।

उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में अमेरिका के 39 राज्यों और 853 शहरों से आए 6,000 प्रतिनिधियों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के 250 से अधिक छात्रों और 250 से अधिक संगठनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 30 देशों के 180 धार्मिक नेताओं ने भविष्य के प्रति जिम्मेदारी तय करने के लिए पांच सूत्रीय कार्ययोजना की घोषणा की।

धार्मिक नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि धर्म का इस्तेमाल नफरत, अपमान, अमानवीय व्यवहार या हिंसा को उचित ठहराने के लिए नहीं किया जा सकता। 'एक विश्व, एक मानवता' के आ ान के साथ पारित प्रस्ताव में किसी भी समुदाय की गरिमा और सुरक्षा के लिए खड़े होने की प्रतिबद्धता जताई गई।

प्रधानमंत्री मोदी को उज़्बेकिस्तान का सर्वोच्च राजकीय पुरस्कार मिला

नई दिल्ली, 30 अगस्त। उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्ज़ियोयेव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के सर्वोच्च राजकीय पुरस्कार 'ओलिय दराजाली दोस्तलिक' (सर्वोच्च मैत्री सम्मान) से सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उज़्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान पाना उनके लिए बहुत ही गर्व के पल है। उन्होंने कहा, यह सम्मान 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है और मैं सभी भारतवासियों की तरफ से उज़्बेकिस्तान के लोगों का, यहां की सरकार का और मेरे मित्र आदरणीय राष्ट्रपति जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

- **मोदी ने उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति को विश्वास दिलाया कि भारत इस मित्रता को पूरा निभाएगा।**

प्रधानमंत्री ने सम्मान को बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि भारत अपनी जिम्मेदारियों से कभी पीछे नहीं हटेगा और इस मित्रता को पूरी तरह निभाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर वैश्विक दक्षिण की संयुक्त आवाज बनेंगे और उसके कल्याण तथा पूरी मानवता के हित में समर्पण के साथ काम करेंगे।

प्रधानमंत्री ने सम्मान को दोनों देशों की सदियों पुरानी मित्रता और साझा विरासत को समर्पित करते हुए कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र सरकार ग्लेशियल झीलों पर अर्ली वॉर्निंग सिस्टम लगायेगी

नेपाल -तिब्बत बॉर्डर पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद इस कार्य में तेजी आई

- **एक सरकारी अधिकारी के अनुसार दुनिया में करीब 1.5 करोड़ लोग जीएलओएफ, अर्थात झीलों के फटने से आने वाली बाढ़ के खतरे वाले क्षेत्र में रहते हैं। इनमें से आधे से ज्यादा लोग भारत, पाकिस्तान, पेरु और चीन में हैं।**

नई दिल्ली, 30 अगस्त। केंद्र सरकार इंडियन हिमालयन रीजन की उन 188 अहम झीलों के पास अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने की कोशिशें तेज कर रही है, जिनमें ग्लेशियर झील के फटने से बाढ़ आने का खतरा है। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ में 600 से अधिक लोगों की मौत के बाद इस काम में तेजी लाई गई है। एक सरकारी अधिकारी ने वैज्ञानिक अध्ययनों का हवाला देते हुए बताया कि 1990 से 2018 के बीच ग्लेशियल झीलों की संख्या में 53 प्रतिशत और उनके सतही क्षेत्रफल में 51 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इन झीलों के बढ़ते आकार और संख्या से निचले इलाकों में रहने वाली आबादी के लिए खतरा बढ़ रहा है।

अधिकारी ने बताया कि दुनिया में करीब 1.5 करोड़ लोग जीएलओएफ, यानी झीलों के फटने से आने वाली बाढ़ के खतरे वाले क्षेत्रों में रहते हैं। इनमें आधे से ज्यादा लोग भारत, पाकिस्तान, पेरू और चीन में हैं।

हाल के वर्षों में ग्लेशियर झील के फटने से आने वाली बाढ़ की जिन घटनाओं ने भयानक रूप लिया, उसमें 4 अक्टूबर 2023 को सिक्किम के साउथ ल्होनक ग्लेशियल झील फटने से आई बाढ़ और नेपाल में 16 अगस्त 2024 को थ्यानबो ग्लेशियल झील के फटने की घटनाओं ने खतरे को उजागर किया। नेपाल के खुम्बू क्षेत्र में थामे गांव तबाह हो गया था।

अधिकारी के बताया कि, ये घटनाएं बताती हैं कि जीएलओएफ अलग-अलग और स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि हिंदूकुश हिमालय में क्रायोस्फियर से जुड़ी आपदाओं के बढ़ते पैटर्न का हिस्सा हैं।

मेघालय में भाजपा के ऑपरेशन लोटस की चर्चा

शिलांग, 30 अगस्त। शिलांग की पहाड़ियों में राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या मेघालय में राजनीतिक समीकरण बदलने जा रहे हैं? क्योंकि मेघालय में भी अब ऑपरेशन लोटस शुरू हो गया है। दरअसल, भाजपा के सीनियर विधायक अलेक्जेंडर लालू हेक ने कुछ समय पहले दावा किया था कि कई मौजूदा विधायक भाजपा में शामिल होने की योजना बना रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायकों के सिंगल नाम का पैनल देने पर संगठन ने नाराजगी दिखाई

प्रस्तावित बैठक टाल कर विधायकों को तीन नाम का पैनल लाने के निर्देश दिये

- **भाजपा संगठन टिकट का अंतिम फैसला केवल विधायक या स्थानीय नेता की पसंद के आधार पर नहीं करना चाहती है। हर वॉर्ड के स्थानीय सामाजिक समीकरण, संगठन के फीड बैक दावेदार की सक्रियता, सर्वे व जीत की संभावना को भी कसौटी बनाया जा रहा है।**
- **विधायकों को रात में दुबारा बुलाया गया तथा देर रात प्रत्याशियों के नाम पर मंथन चलता रहा।**

जयपुर, 30 अगस्त। राजस्थान में निकाय चुनाव के टिकटों को लेकर भाजपा में पिछले कई दिनों से चल रहा महामंथन रविवार को अंतिम दौर में पहुंचा, लेकिन टिकटों की खींचतान और नेताओं के बीच मतभेद भी खुलकर सामने आ गए। जयपुर संभाग की बैठक में कई विधायक एक-एक नाम का पैनल लेकर पहुंचे तो संगठन ने नाराजगी जताते हुए उन्हें वापस भेज दिया और प्रत्येक वॉर्ड के लिए तीन-तीन नामों का पैनल तैयार कर रात 8 बजे बाद दोबारा बैठक में आने को कहा। दिन में प्रस्तावित बैठक इसके चलते टल गई और देर रात तक टिकटों पर मंथन चलता रहा।

वहीं भरतपुर संभाग में टिकट को लेकर नेताओं के बीच विवाद की चर्चा रही तो चुनाव संचालन समिति प्रभारी अशोक परनामी को सफाई देनी पड़ी। दूसरी ओर भाजपा मुख्यालय से विजय रथ रवाना होने से पहले पूर्व सांसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छड़ी मुबारक के विसर्जन के बाद अमरनाथ यात्रा का समापन

पहलगाम, 30 अगस्त। पहलगाम में लिद्दर नदी में रविवार को पवित्र छड़ी मुबारक का विसर्जन किया गया, जिससे इस साल की अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक और आध्यात्मिक समापन हुआ। विसर्जन समारोह पूरे धार्मिक

- **इस समारोह के लिये सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई।**

उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। हफ़्तों तक चली प्रार्थनाओं, अनुष्ठानों और पवित्र गुफा की यात्रा के बाद यह वार्षिक तीर्थयात्रा पूरी हुई।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और विसर्जन समारोह के शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए लिद्दर नदी के किनारे राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की माउन्टेन रेस्क्यू टीमों को अलर्ट पर रखा गया था। भगवान शिव का प्रतीक मानी जाने वाली छड़ी मुबारक अमरनाथ यात्रा के पारंपरिक समापन में अहम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नामांकन के आखिरी दिन भी प्रत्याशियों के नाम जारी नहीं कर पाईं दोनों पार्टियां

चर्चाएं हैं कि इस बार परिसीमन में वार्डों की संख्या घटी है, ऐसे में दोनों पार्टियों को बगावत और पुराने दावेदारों की नाराजगी का डर सता रहा है

-कार्यालय संवाददाता-

- **बताया जा रहा है कि, जिन-जिन प्रत्याशियों को टिकट देना तय होगा, उन्हें व्यक्तिगत रुप से सूचना देकर नामांकन दाखिल कराया जाएगा, पार्टी सिंबल भी ऐन मौके पर नामांकन के समय ही दिया जायेगा।**

जयपुर, 30 अगस्त। राजस्थान में करीब 2 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद होने जा रहे नगरीय निकाय चुनाव इस बार खासे रोचक होते जा रहे हैं। सोमवार, 31 अगस्त को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है, लेकिन कांग्रेस और भाजपा ने अभी तक अपने प्रत्याशियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। ऐसे में चुनाव मैदान में उतरने के इच्छुक दावेदारों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं।

हालांकि भाजपा-कांग्रेस के पार्टी कार्यालयों में पिछले करीब एक सप्ताह से पार्षद पद के टिकटों को लेकर लगातार मंथन और जद्दोजहद चल रही है। चर्चाएं हैं कि इस बार टिकट के लिए दावेदारों की लंबी कतार के चलते अंतिम सूची को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

इसका प्रमुख कारण यह है कि जयपुर सहित अधिकांश प्रमुख निकायों में पिछली बार के वार्डों की संख्या घटाकर परिसीमन के नाम पर कम की गई है। जयपुर में पिछली बार ग्रेटर नगर निगम में 150 तथा हैरिटेज नगर निगम में 100 वार्ड थे। इस बार चुनाव में कुल 150 वार्ड ही रखे गए हैं। ऐसे में करीब 100 निवर्तमान पार्षद और उनके वार्डों में चुनाव लड़ चुके दावेदार इस बार टिकट की दौड़ से सीधे तौर पर बाहर हो जाएंगे। वार्डों की संख्या में इस बदलाव ने दोनों दलों के सामने पुराने चेहरों और नए दावेदारों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती भी खड़ी कर दी है।

लंबे अंतराल के बाद हो रहे इन चुनावों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होने के साथ स्थानीय स्तर पर निर्दलीय और अन्य दावेदार भी कई वार्डों में समीकरण बिगाड़ सकते हैं।

चर्चाएं हैं कि दोनों प्रमुख दलों की ओर से जिन उम्मीदवारों को पार्षद का टिकट देना तय होगा, उन्हें व्यक्तिगत रूप से सूचना देकर नामांकन दाखिल कराया जा सकता है। इन प्रत्याशियों को पार्टी सिंबल भी नामांकन के समय ही दिए जाने की संभावना है।

पार्षद प्रत्याशियों के नाम भले ही अभी सामने नहीं आए हों, लेकिन राजधानी जयपुर में चुनावी माहौल दिखाई देने लगा है। चांदपोल और संसार चंद्र रोड पर चुनाव प्रचार सामग्री का बाजार सज चुका है। दुकानों पर भाजपा, कांग्रेस, बसपा, आम आदमी पार्टी, एआईएमआईएम, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सहित विभिन्न दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों के झंडे, बैनर, दुपट्टे, बिल्ले, स्टिकर और टी-शर्ट बिकने लगे हैं। लाउडस्पीकर और इलेक्ट्रॉनिक चुनाव चिन्ह भी प्रचार के लिए तैयार हैं। प्रचार सामग्री कारोबारियों का कहना है कि सोशल मीडिया, रील्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में प्रचार का तरीका जरूर बदला है, लेकिन जमीन पर चुनावी रंग जमाने के लिए झंडे, दुपट्टे, स्टिकर और टी-शर्ट की मांग अब भी बनी हुई है।

भारत से राहत सामग्री का चौथा विमान काठमांडू पहुंचा

नई दिल्ली, 30 अगस्त। भारत का चौथा विमान रविवार को राहत सामग्री की चौथी खेप लेकर काठमांडू पहुंचा और आपदाग्रस्त नेपाल के लोगों की मदद के लिए राहत सामग्री यहां की सरकार को सौंपी।

विदेशमंत्री डॉ एस जयशंकर ने एक्स पर लिखा, "11 टन राहत सामग्री

- **राहत सामग्री के साथ टनल टेक्निकल टीम व फॉरेंसिक विशेषज्ञ टीम भी भेजी गई है।**

लेकर भारत की चौथी उड़ान काठमांडू पहुंच गई है। यह उड़ान नेपाल में चल रहे बचाव और राहत कार्यों में मदद के लिए जरूरी सामान और तकनीकी क्षमताएं लेकर आई है।"

इसमें सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए उपकरणों के साथ एक टनल टेक्निकल टीम, डीएनए एनालिसिस के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईएसआई ने संपर्क का तरीका बदला, अश्लील एप्स का उपयोग शुरु

पारंपरिक सोशल मीडिया मंचों के सुरक्षा एजेन्सियों की निगरानी में आने के बाद आतंकियों ने यह रास्ता अपनाया

- **आधिकारियों के अनुसार अश्लील सामग्री वाली वैबसाइट पर वास्तविक समय में संवाद की सुविधा होती है। ये मंच उपयोगकर्ताओं को आसपास के लोगों से संपर्क या मुलाकात करने के नाम पर संचालित होते हैं।**

श्रीनगर, 30 अगस्त। सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी समूहों द्वारा ऑनलाइन गेमिंग मंचों के दुरुपयोग का खुलासा करने के बाद आतंकियों और उनके आकाओं की एक नयी चाल का पता लगाया है। रविवार को अधिकारियों ने जानकारी दी कि आतंकी अब गुप्त रूप से संवाद करने के लिए अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट और विशेष एन्क्रिप्टेड ऐप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इन गुप्त माध्यमों का इस्तेमाल आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई जम्मू-कश्मीर में अपने भर्ती किए गए लोगों तक निर्देश पहुंचाने के लिए कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनका उद्देश्य पारंपरिक सोशल मीडिया मंचों पर सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचना है।

अधिकारियों ने बताया कि इन अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट पर वास्तविक समय में संवाद की सुविधा होती है। ये मंच उपयोगकर्ताओं को आसपास के लोगों से संपर्क या मुलाकात कराने के नाम पर संचालित होते हैं, जिनका इस्तेमाल आतंकी आका संदेश भेजने और गतिविधियों के समन्वय के लिए कर रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने कई तरह के विशेष डिजिटल उपकरणों को जांच के दायरे में रखा है। अधिकारियों के अनुसार, आतंकी आका डेटा को एन्क्रिप्टेड नोड के जरिये भेजने और उपयोगकर्ताओं की पहचान छिपाने के लिए टोर आधारित मैसेजिंग ऐप्लिकेशन, जैसे कोटेक्स और कोनियन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारत में कोनियन के एपीके (एंड्रॉयड पैकेज किट) तक पहुंच पर प्रतिबंध हैं। एपीके फाइल वह फाइल प्रारूप है, जिसका इस्तेमाल एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम मोबाइल ऐप को वितरित और स्थापित करने के लिए करता है।

इसके अलावा, आतंकी संगठन गोपनीयता पर केंद्रित मंचों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जैसे फ्रांस आधारित एक ऐप, जो बिना सिम कार्ड या फोन नंबर के एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड संदेश भेजने की सुविधा देता है। इससे उपयोगकर्ताओं की पहचान करना मुश्किल हो जाता है।

एजेंसियां वियतनाम आधारित ऐप की भी निगरानी कर रही हैं। इसके साथ ही वे मूनचैट जैसे गुमनाम मंचों पर भी नजर रख रही हैं। मूनचैट के कुछ संस्करण पीजीपी-एन्क्रिप्टेड हैं, जिनके चीनी मूल के होने का संदेह है और ये पारंपरिक पंजीकरण प्रक्रिया को दरकिनार करते हैं।

इनमें से कई अश्लील ऐप भारत में प्रतिबंधित हैं, लेकिन उन्हें वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल कर अवैध तरीके से डाउनलोड किया जा रहा है। वीपीएन इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) पते को छिपाकर और ऑनलाइन गतिविधियों को एन्क्रिप्ट कर इंटरनेट पर एक सुरक्षित और गोपनीय कनेक्शन बनाता है। इससे ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखना और डेटा तक पहुंच बनाना अधिक मुश्किल हो जाता है।

अधिकारियों ने कहा कि आतंकी समूह जम्मू-कश्मीर में युवाओं को भर्ती करने और उन्हें कट्टरपंथ की ओर ले जाने के लिए अश्लील वेबसाइट पर उपलब्ध एन्क्रिप्टेड त्वरित संदेश सेवा का तेजी से इस्तेमाल कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि पारंपरिक सोशल मीडिया के इस्तेमाल से अलग अब आतंकी आका इन मंचों के जरिये संभावित लोगों से संपर्क कर रहे हैं। निगरानी से बचने के लिए ये मंच सुरक्षा के स्तर के मामले में एक-दूसरे से अलग होते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस चलन के तहत आतंकी अब व्हाट्सऐप, फेसबुक मैसेंजर और सिग्नल जैसे आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले सोशल मीडिया ऐप से दूरी बना रहे हैं।

सुरक्षा अधिकारियों ने पाया कि घाटी में आतंकी आका और भर्ती किए गए लोग ऐसे विशेष ऐप का इस्तेमाल कर रहे थे, जो धीमी 2जी या एज नेटवर्क गति पर भी काम करते हैं। इनमें से कुछ ऐप पर पंजीकरण के लिए उपयोगकर्ता को फोन नंबर या ईमेल तक उपलब्ध कराने की जरूरत नहीं होती।

सुरक्षा बलों द्वारा विदेशी कंपनियों से जारी वर्चुअल सिम कार्ड के इस्तेमाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीतापुरा के दो केन्द्रों पर नीट पीजी का री-एग्ज़ाम 5 सितम्बर को

जयपुर, 30 अगस्त। सीतापुरा स्थित आईऑन डिजिटल ज़ोन के दो परीक्षा केंद्रों पर बिजली आपूर्ति बाधित होने से रविवार को नीट पीजी-2026 की परीक्षा पूरी नहीं हो सकी। प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए नेशनल बोर्ड ऑफ

- **बिजली आपूर्ति में व्यवधान के कारण इन केन्द्रों पर रविवार को परीक्षा पूरी नहीं हो सकी।**

एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने 5 सितंबर 2026 को दोपहर 3 बजे जयपुर में री-एग्ज़ाम कराने का निर्णय लिया है। परीक्षा केंद्र की जानकारी अलग से जारी की जाएगी और अभ्यर्थियों को नए रिवाइज्ड एडमिट कार्ड दिए जाएंगे।

आईऑन डिजिटल जोन के परीक्षा केंद्र संख्या 41682 और 41683 पर आंतरिक बिजली आपूर्ति में खराबी के कारण परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित हुई। कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कार्य ही सफलता की बुनियाद है। –पाब्लो पिकासो

क्या सोशल मीडिया हमें असामाजिक बना रहा है?

इस बात पर सहज ही गर्व किया जा सकता है कि हम मानव सभ्यता के इतिहास में सबसे अधिक सामाजिक लोग हैं। मेरा आशय यह है कि हममें से जो लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हैं, उनके दुनिया भर में फैले हुए अनगिनत मित्र हैं। उनसे हमारा संपर्क बस एक क्लिक की दूरी पर है। दिन हो या रात, देश हो या परदेश, हमारा संपर्क इन अपनों से बना ही रहता है। हमारे पास सैकड़ों मित्र हैं, हजारों फॉलोअर्स हैं और हम चाहें तो लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकते हैं।

लेकिन क्या यह संपर्क, यह मैत्री, यह अपनापन वास्तविक है? क्या यह आभासी संपर्क जरूरत पड़ने पर वास्तविक संपर्क में भी बदलता है? क्या इस आभासी मैत्री को वास्तविक मैत्री और अपनेपन का पर्याय समझा जा सकता है? इससे भी आगे एक सवाल है–क्या इस आभासी अपनेपन ने वास्तविक अपनेपन को विस्थापित कर दिया है? क्या इस आभासी पटल पर हुए मेल-जोल ने वास्तविक मेल-मिलाप को कम कर दिया है?

सोशल मीडिया के आलोचक प्राय: उस पर ऐसे ही आरोप लगाते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा करना उसके प्रति ज्यादती होगी। उसके सकारात्मक पक्ष की अनदेखी नहीं की जा सकती। सोशल मीडिया ने भौगोलिक दूरियों को पाटकर हमारी पारिवारिकता और मैत्री को सुदृढ़ बनाया है। मीलों दूर बैठे किसी मित्र या परिजन के सुख-दुख में हम भागीदार बन सकते हैं। आपदा या संकट के समय भी यह माध्यम उपयोगी सिद्ध होता है। अपने संकट की खबर दूसरों तक पहुँचाकर और उनके सहयोग की आकांक्षा कर बहुत से लोग संबल पाते हैं। सूचनाओं के प्रसार और नागरिक सहभागिता के माध्यम के रूप में भी इसकी उपादेयता असंदिग्ध है। आज जब अधिकांश अखबार स्थानीय होकर रह गए हैं, पारिवारिक शोक-प्रसंग की सूचना सोशल मीडिया के माध्यम से ही अपनों तक पहुँच पाती है और वह भी त्वरित गति से तथा नि:शुल्क।

समस्या तब शुरू होती है जब हम आभासी दुनिया के मित्रों को वास्तविक मित्र और यहाँ मिलने वाले लाइक्स को वास्तविक सराहना मान बैठते हैं। तब हम जो नहीं है, उसे ही मानकर एक अनावश्यक भ्रांति के शिकार हो जाते हैं। किसी शुभ अवसर पर बधाई और शुभकामना भेजकर तथा किसी शोक-प्रसंग पर एक रस्मी 'विनम्र श्रद्धांजलि' लिखकर हम यह भ्रम पाल लेते हैं कि हमारा अपना संसार बहुत बड़ा है। बहुत बार तो एक-दो शब्द लिखने की भी जहमत नहीं उठाई जाती; एक इमोजी को ही पर्याप्त समझ लिया जाता है।

असल में, हममें से बहुतों ने डिजिटल उपस्थिति को ही संबंधों के वास्तविक निर्वहन का पर्याय समझ लिया है। हम मित्र के घर जाने के बजाय उसकी पोस्ट पर पहुँच जाते हैं, हालचाल पूछने के बजाय उसकी तस्वीर पर दिल बना देते हैं और कभी-कभी तो किसी की जिंदगी के बारे में जानने का अर्थ ही उसकी टाइमलाइनदेख लेना समझ लेते हैं। हमारे पास एक-दूसरे के बारे में बहुत जानकारी है, लेकिन क्या एक-दूसरे के लिए समय भी उतना ही है?

सोशल मीडिया सूचनाओं और विचारों का भी वाहक है। सामान्यत: यह न केवल ठीक, बल्कि उपयोगी भी लगता है। लेकिन दिक्कत तब पैदा होती है जब हम अपने विचारों को लेकर इतने अधिक कट्टर हो जाते हैं कि उनसे भिन्न विचार हमें सहन ही नहीं होते। असहमति, जो किसी भी स्वस्थ समाज में विचार-विनिमय की पहली शर्त है, हमें अब कई बार दुश्मनी का प्रमाण लगने लगती है। इसकी परिणति कभी लड़ाई-झगड़े और कटु विवाद में होती है तो कभी बरसों पुराने मित्रों को 'अमित्र' करने या ब्लॉक करने में। लगता है, हमने अपने से भिन्न विचार के अस्तित्व को ही अस्वीकार करना अपनी आदत बना लिया है। जिन मंचों को सहिष्णुता और सद्भाव के प्रसार का माध्यम बनना था, वे कटुताओं और शत्रुताओं के प्रसार के माध्यम बन गए हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों के आईटी सेल्स ने इस स्थिति को और विकट बनाया है। ट्रोलिंग इनका नया हथियार है और इसका बेधड़क इस्तेमाल, विशेषकर महिलाओं के खिलाफ होता है। इस इलाके में पहले एक ही दल का वर्चस्व था, लेकिन अब उनके खेल में उन्हें मात देने वाले अनेक प्रतिद्वंद्वी आ गए हैं। नतीजा यह कि विषाक्तता में लगातार वृद्धि हो रही है। ट्रोल का उद्देश्य संवाद करना नहीं होता। वह सामने वाले को समझना नहीं, चिढ़ाना चाहता है; तर्क का उत्तर तर्क से नहीं, व्यक्तिगत आक्षेप से देता है। स्क्रीन के पीछे बैठे-बैठे वह वो सब कह देता है जो शायद सामने बैठकर कहने का साहस न कर पाए। यह भी सोशल मीडिया का एक विचित्र चमत्कार है–इसने कुछ लोगों को चेहरा छिपाकर निर्भीक (और बेशर्म तथा अशिष्ट भी) होने की सुविधा दे दी है।

तकनीक ने हमारी उँगलियों को बहुत तेज कर दिया है, लेकिन जरूरी नहीं कि हमारे विवेक को भी उतना ही तेज़ किया हो। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देने में कुछ सेकंड लगते हैं; सोचने में समय लगता है। इसलिए हम पढ़ने से पहले प्रतिक्रिया देते हैं, समझने से पहले साझा करते हैं और सोचने से पहले फैसला सुना देते हैं। किसी की तस्वीर देखते ही, बगैर यह जाने कि तस्वीर लगाने का उद्देश्य क्या है, हम श्रद्धांजलि लिख देते हैं।

अब तो विचारवानों को यह सोचना पड़ रहा है कि सोशल मीडिया हमें विवेक संपन्न बना रहा है या विवेकशून्य? और यह कटुता अब केवल राजनीति तक सीमित नहीं रही। कला, साहित्य, फिल्म और खेलकूद-सब इसके घेरे में आ चुके हैं। किसी रचना या कलाकार से असहमति अब कई बार उसके व्यक्तित्व पर हमले का बहाना बन जाती है। विचार का जवाब विचार से देने की जगह व्यक्ति को ही कटघरे में खड़ा कर देना हमारी नई आदत बनती जा रही है। इससे भी अधिक त्रासद यह देखना है कि नाम के कारण जो माध्यम 'सोशल' अर्थात सामाजिक है, वहाँ बहुतों का व्यवहार विशुद्ध रूप से असामाजिक पाया जाता है। संदेश पढ़कर जवाब न देना; जहाँ कृतज्ञता ज्ञापित करना अपेक्षित हो, वहाँ मौन साध लेना; खुद किसी को कोई प्रतिक्रिया न देना, लेकिन दूसरों से ऐसी अपेक्षा करते रहना; बिना अनुमति तस्वीरें या निजी संवाद साझा कर देना; तस्वीरों में अशिष्ट बदलाव करके उन्हें सार्वजनिक कर देना; किसी को परेशान करने या नुकसान पहुँचाने के लिए उसकी निजी जानकारी सार्वजनिक कर देना; दूसरों की परेशानी का उपहास करना–क्या ये सामाजिक व्यवहार के लक्षण हैं? यहाँ तक कि किसी ऐसे व्यक्ति के निधन पर, जिससे हम जीवन भर असहमत रहे हों, कटु टिप्पणी कर देना भी अब असामान्य नहीं रह गया है। क्या हमारी असहमति इतनी बड़ी हो सकती है कि मृत्यु भी हमें मनुष्य बने रहने से रोक दे?

तकनीक ने हमारी उँगलियों को बहुत तेज कर दिया है, लेकिन जरूरी नहीं कि हमारे विवेक को भी उतना ही तेज़ किया हो। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देने में कुछ सेकंड लगते हैं; सोचने में समय लगता है। इसलिए हम पढ़ने से पहले प्रतिक्रिया देते हैं, समझने से पहले साझा करते हैं और सोचने से पहले फैसला सुना देते हैं। किसी की तस्वीर देखते ही, बगैर यह जाने कि तस्वीर लगाने का उद्देश्य क्या है, हम श्रद्धांजलि लिख देते हैं। कोई बहुत श्रम करके अच्छा लेख लिखता है, हम उसे पढ़े बिना लाइक कर देते हैं। इसका उलट भी होता है। हमारे बहुत से प्रिय केवल इस बात पर मुँह फुला लेते हैं कि उन्होंने अपनी तस्वीर पोस्ट की थी और हमने उसे लाइक क्यों नहीं किया। कोई उनसे पूछे–हर तस्वीर लाइक करने के लिए ही होती है क्या?

और टैग! इस दुनिया की सबसे बड़ी असामाजिकताओं में से एक है टैग करना। बहुत से लोगों को अपनी पोस्ट में जब तक वे दर्जनों लोगों को टैग न कर दें, चैन नहीं पड़ता। मानो टैग न किया तो सामाजिक जीवन में हमारी उपस्थिति ही प्रमाणित नहीं होगी। फॉलोअर्स और हाइलाइट इसके नए अवतार हैं। अब सामाजिक होने के लिए सामाजिक होना पर्याप्त नहीं; उसका आँकड़ा भी चाहिए।

हमें जरा ठहरकर सोचना होगा कि जैसे असल जीवन में शिष्टाचार जरूरी है, वैसे ही सोशल मीडिया पर भी शिष्टाचार का निर्वहन अपेक्षित है। हमें दूसरों के प्रति वैसा ही सम्मान रखना और वैसा ही व्यवहार करना सीखना होगा जैसा हम दूसरों से अपने लिए चाहते हैं। हमें औरों के विचारों का सम्मान करना होगा, भले ही उनसे हमारी कितनी ही असहमति क्यों न हो। हमें यह जिद छोड़नी होगी कि हम सही हैं और शेष सब गलत। इसके बजाय अपनी सोच में यह खुलापन लाना होगा कि क्या पता हम गलत हों और दूसरा सही। सोशल मीडिया पर सारी समस्याएँ और विवाद सुलझा लेने की आकांक्षा पर भी हमें नियंत्रण रखना होगा। इतना पर्याप्त होना चाहिए कि हम शालीनता से अपनी बात कह सकें। यह आग्रह क्यों हो कि सामने वाला उससे सहमत भी हो जाए? असहमति को सहन कर पाना भी तो सामाजिक होने की एक अनिवार्य शर्त है।

भले ही इस माध्यम का नाम सामाजिक माध्यम है, यह समझना होगा कि सामाजिक होने का अर्थ सार्वजनिक होना नहीं है। अगर किसी ने ऐसा कुछ पोस्ट किया है जिससे हम सहमत नहीं हैं तो जरूरी नहीं कि वहीं तत्काल प्रतिक्रिया देकर बदमजगी पैदा करें। हम अलग से, अपनी वॉल पर, उस विषय पर विस्तार से अपनी बात कह सकते हैं। हर असहमति को सार्वजनिक टकराव में बदल देना कोई विवशता नहीं है। माध्यम भले ही आभासी हो, हमें यथार्थ में संवेदनशील और सहिष्णु होना होगा। आखिर स्क्रीन के दूसरी तरफ भी एक मनुष्य है–अपनी भावनाओं, कमजोरियों, गरिमा और निजता के साथ। यह याद रहे तो शायद सोशल मीडिया थोड़ा अधिक सामाजिक हो सके।

अंत में, हम सबको यह सोचना होगा कि अगर हम सोशल मीडिया के किसी प्लेटफॉर्म पर हैं तो क्यों हैं? वहाँ हमारे अधिकार क्या हैं और कर्तव्य क्या हैं? कुछ लिखने और उसे पोस्ट कर देने से पहले थोड़ा ठहरकर सोच लेने में कोई हर्ज नहीं है। और अगर फिर भी चूक हो जाए तो अपनी बात वापस लेने और उससे कोई आहत हुआ हो तो क्षमा माँग लेने में भी कोई हर्ज नहीं। सोशल मीडिया हमें असामाजिक बना रहा है या नहीं, इसका फैसला शायद सोशल मीडिया नहीं करेगा। असली फैसला तो हमें ही करना है–कि इस आभासी दुनिया में रहते हुए हम कितने अच्छे मनुष्य बने रह पाते हैं।

आखिर सोशल मीडिया हमें कैसा मनुष्य बना रहा है, इसका फैसला उसका एल्गोरिद्म नहीं, हमारी उँगलियाँ करेंगी।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

'वन्दे मातरम्' भारत माता की प्राण प्रतिष्ठा पूर्ण करता है

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

जिस दिन से वन्दे मातरम् को राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 के अंतर्गत कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है, उस दिन से वन्दे मातरम् के गायन का विरोध करने वाले समूहों द्वारा यह व्यापक रूप से कहा जाता रहा है कि वन्दे मातरम् का समर्थन करने वाले लोग भी इसका पूर्ण संस्करण नहीं गा सकते। यह आरोप काफी हद तक सही है। लेकिन जो लोग वन्दे मातरम् के पूर्ण गायन की मांग करते हैं, उन्हें एक दूसरे प्रश्न का भी उत्तर देना होगा कि वर्तमान पीढ़ी के पूर्ण वन्दे मातरम् गाने में असमर्थ होने के लिए कौन जिम्मेदार है?

ऐतिहासिक रूप से 24 जनवरी 1950 का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि इसी दिन संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि वन्दे मातरम् और जन गण मन को समान स्थान और दर्जा प्रदान किया जाएगा। यह राजनीतिक प्रतिष्ठान का नैतिक और संवैधानिक दायित्व था कि नियम-पुस्तिका के अनुसार सभी उपयुक्त अवसरों पर राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान का गायन अनिवार्य किया जाता। लेकिन राजनीतिक प्रतिष्ठान ने वन्दे मातरम् को नियम-पुस्तिका में सम्मिलित करना पसंद नहीं किया। इस प्रकार, जानबूझकर भेदभाव किया गया। यहाँ तक कि राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में भी राष्ट्रीय गीत को शामिल नहीं किया गया। ऐसा करके राजनीतिक प्रतिष्ठान पर संविधान सभा के निर्णय को प्रभावी रूप से लागू न करने का आरोप लगाया जा सकता है। जब बाद में संविधान के मूल कर्तव्यों को भारत के संविधान में एक अलग अध्याय के रूप में शामिल किया गया, तब भी वन्दे मातरम् को जानबूझकर और एक निश्चित उद्देश्य के साथ मूल कर्तव्यों से बाहर रखा गया।

वर्ष 1971 के अधिनियम और मूल कर्तव्यों से वन्दे मातरम् को बाहर रखने के इस आचरण का एक मनोवैज्ञानिक परिणाम भी है। इससे प्रत्येक नागरिक के मन में यह धारणा उत्पन्न होती है कि वन्दे मातरम् राष्ट्र का नहीं है; बल्कि यह दक्षिणपंथ, कुछ राजनीतिक दलों या किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा से संबंधित है।

इसलिए अब समय आ गया है कि भारत में राष्ट्रवाद की परिभाषा से जुड़े इस द्वंद्व का विश्लेषण किया जाए। 1950 में श्री अरविन्द आश्रम द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक चार प्रकार के राष्ट्रवाद को समझने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहला प्रकार तिलक के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से संबंधित है। दूसरा प्रकार नैतिकता पर आधारित राष्ट्रवाद को संदर्भित करता है। तीसरा प्रकार राष्ट्रवाद की पश्चिमी अवधारणा के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसे पंडित नेहरू का समर्थन प्राप्त था। लेकिन चौथा प्रकार-आध्यात्मिक राष्ट्रवाद-भारत माता के रूप में भारत के मन और रक्त में स्पंदित होता है। राष्ट्रवाद के इस रूप में संस्कृति, नैतिकता और पंथनिरपेक्ष स्वरूप अभिन्न अंग हैं, फिर भी आध्यात्मिक पक्ष प्रमुख रहता है।

इस विवाद को समझने के लिए, श्री अरविन्द द्वारा भवानी मंदिर में व्यक्त भारत माता की अवधारणा और पंडित नेहरू द्वारा द डिस्कवरी ऑफ इंडिया में व्यक्त भारत माता की अवधारणा, दशकों से चले आ रहे कांग्रेस के द्वंद्व को समझने में सहायक हैं। संविधान सभा की बहसों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि गणराज्य भारत से न केवल यह अपेक्षा की गई थी, बल्कि वह ऐतिहासिक समावेशन की उस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कर्तव्यबद्ध भी था, जिसके माध्यम से भारत ने व्यापारियों, वणिकों और आक्रमणकारियों का स्वागत किया, इस सीमा तक कि उन्होंने भारत को स्वीकार किया। इस बिंदु को स्पष्ट करने के लिए औरंगजेब और दारा शिकोह के बीच का अंतर बिल्कुल स्पष्ट है।

भारत को छह दर्शन-शास्त्रों पर गर्व है- न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा और वेदान्त।, जो पारस्परिक सम्मान और सहिष्णुता के सिद्धांतों का मूर्त रूप हैं। इसलिए, वन्दे मातरम् भारतीय पंथनिरपेक्ष ता के भारतीय स्वरूप की अग्निपरीक्षा है। वन्दे मातरम् का गायन ऐतिहासिक समावेशन की प्रक्रिया के हस्ताक्षर अपने भीतर समेटे हुए है और संवैधानिकता के विचारों के प्रति सम्मान को अभिव्यक्त करता है। वन्दे मातरम् का सम्मान करना किसी भी दृष्टि से धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं कर सकता। फिर भी राजनीतिक एजेंडा हमेशा यह चित्रित करेगा कि वन्दे मातरम् का सम्मान अल्पसंख्यक के धार्मिक अधिकारों के विरुद्ध है।

यह उल्लेख करना उचित है कि कोई भी मौलिक अधिकार पूर्ण नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों में सभी धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन होना चाहिए। लेकिन डॉ. अम्बेडकर ने इस विचार को इस आधार पर अस्वीकार किया कि इस्लाम और ईसाई धर्म सामाजिक-विरोधी हैं, जहाँ उनके भाईचारे के विचार धर्मांतरण या विनाश की मांग करते हैं।

अत: वन्दे मातरम् बंधुत्व की नींव का उत्तर है, जबकि वन्दे मातरम् की गैर-मान्यता और उसके प्रति अनादर को बंधुत्व को बढ़ावा देने वाला नहीं कहा जा सकता, जब पारस्परिक सम्मान और अलगाववादी प्रवृत्तियों को पनपने का स्थान दिया जाता है। भारत के विभाजन की भयावहता की स्मृति ऐसी ही तुष्टिकरण की नीति का उदाहरण है। कांग्रेस, जो सबसे बड़े राजनीतिक दलों में से एक है, और गठबंधन, जो संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का दावा करते हैं, उन्हें गहन आत्मचिंतन की आवश्यकता है–चुनावी लाभ के संदर्भ में नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण के संदर्भ में। केवल मानसिक रूप से दिवालिया व्यक्ति ही यह कल्पना कर सकता है कि उस गीत का सम्मान करना, जो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान युद्ध-घोष था, किसी को आहत कर सकता है। अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि मुस्लिम अल्पसंख्यक को यह बताया जाना चाहिए कि संविधान केवल धर्म की आवश्यक प्रथाओं की रक्षा करता है, जबकि गैर-आवश्यक धार्मिक प्रथाएँ सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और भारत के संविधान के भाग में निहित अन्य मौलिक अधिकारों के अधीन रहती हैं। आइए, वन्दे मातरम् को बंधुत्व और भाईचारे का स्वर्णिम सेतु बनाएं।

पिछले सात दशकों ने अल्पसंख्यक को यह सिद्ध कर दिया है कि उन्हें कानून के समक्ष समान अधिकार और कानूनों का समान संरक्षण प्राप्त है। अब निष्ठा सिद्ध करने का भार हिंदू बहुसंख्यक पर नहीं, बल्कि कथित मुस्लिम अल्पसंख्यक पर है, जो वन्दे मातरम् के गायन के प्रति सम्मान प्रदर्शित करके इसे सिद्ध करे।

सभी विद्यालयों को यह स्मरण कराया जाना चाहिए कि वन्दे मातरम् गाने की कोई बाध्यता नहीं है। वन्दे मातरम् के गायन के प्रति सम्मान व्यक्त करने और किसी को वन्दे मातरम् गाने के लिए बाध्य करने में अंतर है। किसी को गाने के लिए बाध्य करना भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरुद्ध माना जा सकता है, जबकि कानून के अनुसार सम्मान व्यक्त करना भाषण और अभिव्यक्ति से संबंधित मौलिक अधिकारों के विरुद्ध नहीं माना जा सकता।

वन्दे मातरम् के प्रति सम्मान स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान सभा के सदस्यों के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। यह उल्लेखनीय है कि संविधान सभा के सदस्यों ने भारत के संविधान पर अपने हस्ताक्षर किए, जिसमें नंदलाल बोस ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का चित्र बनाया था और उसके साथ नेताजी सुभाष चन्द्र बोस तथा भारत माता की स्वतंत्रता के लिए भारत से बाहर से संघर्ष करने वाले अन्य स्वतंत्रता सेनानियों का वर्णन किया गया था।

अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि वन्दे मातरम् की अनुपस्थिति की तुलना संविधान-निर्माण के दौरान हुई उस चर्चा से की जा सकती है, जिसमें कहा गया था: यदि भारत अयोध्या प्राप्त कर ले, लेकिन श्रीराम के बिना, तो भारत की स्वतंत्रता का क्या अर्थ है? अत:, वन्दे मातरम् के बिना गणराज्य भारत ऐसा है जैसे भारत माता की प्रतिमा स्थापित कर दी जाए, लेकिन उसकी पूर्ण प्राण-प्रतिष्ठा न की जाए।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

विराटनगर क्षेत्र के ग्राम पापड़ा में पैंथर का आतंक

पैंथर ने बाड़े में घुसकर मवेशी को शिकार बनाया

पावटा, (निसं)। विराटनगर वन रेंज क्षेत्र के पापड़ा गांव में बीती रात पैंथर की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। पैंथर ने एक ग्रामीण के मकान के बाड़े में घुसकर वहां बंधी मवेशी (पाड़ी) पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है और लोग अपने पशुधन एवं परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

- **दो साल से लगातार पैंथर की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग से पिंजरा लगाकर पकड़ने की मांग की**

जानकारी के अनुसार, पैंथर रामजीलाल गुर्जर के मकान के बाड़े में घुस आया और वहां बंधी पाड़ी को अपना शिकार बना लिया। सुबह घटना की जानकारी सामने आने के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में करीब दो वर्षों से पैंथर की लगातार आवाजाही बनी हुई है। इससे पहले भी पैंथर कई पशुओं पर हमला कर उन्हें अपना शिकार बना चुका है। ग्रामीणों के अनुसार, पैंथर की मौजूदगी को लेकर कई बार वन विभाग को सूचना दी गई, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। पैंथर के लगातार आबादी क्षेत्र के आसपास घूमने से ग्रामीणों में भय बढ़ता जा रहा है। खासकर रात के समय ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकलने और पशुओं को खुले में बांधने से भी डर रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में तत्काल पिंजरा लगाकर पैंथर को पकड़ा जाए तथा उसकी गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पैंथर को नहीं पकड़ा गया और वन विभाग ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि पापड़ा गांव सहित आसपास के क्षेत्र में रात्रिकालीन निगरानी बढ़ाई जाए और पैंथर की गतिविधियों का पता लगाकर पकड़ने की कार्रवाई की जाए।

रेलवे-पालिका की खींचतान में फंसा अंडरब्रिज और पुलिया चौड़ीकरण

चूरू फाटक के पास अंडरब्रिज के नीचे सड़क को ऊंचा करने का काम स्वीकृति वापस लिए जाने से अटका

रतनगढ़, (निसं)। रेलवे और नगरपालिका प्रशासन के बीच समन्वय के अभाव का खामियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। चूरू फाटक के पास अंडरब्रिज के नीचे सड़क को ऊंचा करने का काम स्वीकृति वापस लिए जाने से अटक गया है। वहीं पुलिया संख्या 3 व 4 के चौड़ीकरण का कार्य भी स्वीकृति के अभाव में आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

- **पुलिया संख्या 3 व 4 के चौड़ीकरण का कार्य भी स्वीकृति के अभाव में आगे नहीं बढ़ पा रहा है**

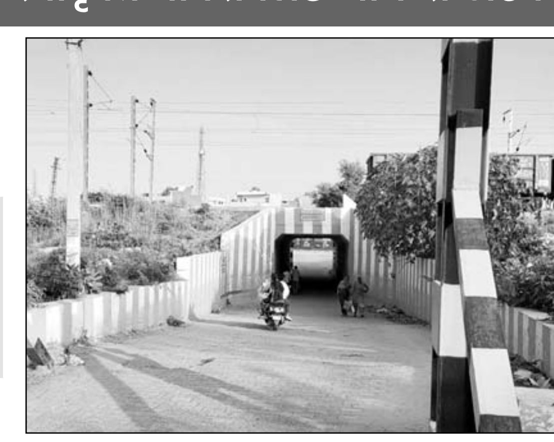

अंडरब्रिज के नीचे सड़क को ऊंचा करने का काम अटक गया है।

रेलवे के अनुसार अंडरब्रिज के नीचे सड़क को करीब तीन फीट तक ऊंचा किया जा सकता है। इससे बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है और छोटे वाहनों के आवागमन में भी सुविधा मिलेगी। इस कार्य के लिए नगरपालिका ने रेलवे को स्वीकृति दी थी, लेकिन बाद में कुछ लोगों के विरोध के चलते स्वीकृति वापस ले ली गई। इधर, नगरपालिका द्वारा शहर की चार पुलिया में से दो का चौड़ीकरण करवाया जा चुका है, लेकिन पुलिया संख्या 3 व 4 का चौड़ीकरण नहीं होने से विशेषकर पुलिया संख्या 3 पर आए दिन यातायात जाम की स्थिति बनी रहती है। रेलवे और पालिका के बीच चल रहे गतिरोध के कारण दोनों महत्वपूर्ण कार्य अटके हुए हैं।

नगरपालिका ईओ भवानीशंकर व्यास ने बताया कि अंडरब्रिज की सड़क ऊंची करने की स्वीकृति रेलवे को दी गई थी, लेकिन कुछ लोगों के विरोध के कारण इसे वापस लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद रेलवे प्रशासन से वार्ता कर अंडरब्रिज और पुलिया चौड़ीकरण, दोनों समस्याओं का समाधान करवाने का प्रयास किया जाएगा।

उदयपुर में लगातार बढ़ रहे हैं स्वाइन फ्लू के मरीज

रोजाना पॉजीटिव आ रहे 2-3 केस, एमबी हॉस्पिटल में हो रही निशुल्क जांच

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। शहर में रोजाना 2 से 3 नए संक्रमित सामने आ रहे हैं। हालात को देखते हुए महाराणा भूपाल राजकीय अस्पताल और आरएनटी मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है।

अस्पताल के संक्रामक रोग वार्ड में 10 आइसोलेशन बेड रिजर्व किए गए हैं जहां वर्तमान में 3 पॉजिटिव मरीज भर्ती हैं। मरीजों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही उन्हें सामान्य वार्ड में शिफ्ट करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। एमबी अस्पताल के नए आउटडोर परिसर में स्वाइन फ्लू की जांच के लिए अलग से स्पेशल कॉर्नर बनाया गया है। रोजाना सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक संदिग्ध मरीजों के सैंपल लिए जा रहे हैं। सरकारी अस्पताल में यह जांच पूरी तरह से नि:शुल्क की जा रही है। निजी अस्पतालों में पहुंचने वाले संदिग्ध मरीजों को भी सैंपल और जांच के लिए एमबी अस्पताल ही रेफर किया जा रहा है।

- **प्रदेश में जनवरी से अगस्त तक स्वाइन फ्लू के कुल 146 मामले सामने आ चुके हैं**

अस्पताल में पिछले कुछ दिनों से स्वाइन फ्लू की सैंपलिंग और जांच का दबाव काफी बढ़ गया है। बीते 27 अगस्त को लिए गए 11 सैंपलों में 2 मरीज पॉजिटिव पाए गए थे। इसके बाद 28 अगस्त को जांचे गए दोनों सैंपल पॉजिटिव निकले जबकि 29 अगस्त को 16 नए सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। इससे पहले रक्षाबंधन के पर्व पर भी दो मरीजों में स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई थी। प्रदेश में जनवरी से अगस्त तक स्वाइन फ्लू के कुल146 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से अकेले अगस्त महीने में ही 55 मरीज पॉजिटिव मिले हैं जिसके बाद राज्य सरकार ने सभी जिलों के सीएमएचओ को सघन निगरानी के निर्देश दिए हैं।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने ओपीडी में सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार और गले में खराश वाले मरीजों की विशेष स्क्रीनिंग शुरू की है। स्वास्थ्य विभाग ने हाई रिस्क इलाकों में विशेष टीमें तैनात करने के साथ ही आमजन को भीड़भाड़ में मास्क पहनने की सलाह दी है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 31 अगस्त, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, रेवती नक्षत्र रात्रि 3:24 तक, गंड योग रात्रि 1:51 तक, विष्टि करण प्रात: 8:52 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:14 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा प्रात: 8:52 तक है। आज सातुड़ी तीज, कजली तीज और संकष्ट चतुर्थी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 8:33 पर होगा। पंचक रात्रि 3:24 पर समाप्त होंगे। आज बहुला चौथ है और ईद-ए-मौलाद है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:44 तक, शुभ 9:18 से 10:53 तक, चर 2:02 से 3:36 तक, लाभ-अमृत 3:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:09, सूर्यास्त 6:45

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कन्या
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

तुला
घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
घर-परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। सुख-सुविधा में कमी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक तनाव दूर होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। कानूनी मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

IEM - UEM Group | Jaipur

University of Engineering & Management

QS I-GAUGE | CAMBRIDGE English Educational Partner | GU GLOBAL UNIVERSITY RANKINGS | THE World University Rankings 2026 | IOH | PRESTIGIOUS | UGC (University under Section 2(f) of the UGC Act) | AICTE APPROVED | NAAC ACCREDITED | AIU MEMBER | BOARD OF APPRENTICESHIP TRAINING (NORTHERN REGION)

UEM

GOOD EDUCATION, GOOD JOBS

Admissions Open - New Courses - 2026-27 Session

Bachelor of Science (B.Sc.)

- Biology
- Physics
- Mathematics
- Electronics
- Data Science
- Computer Science
- Sports Management

Bachelor of Business Administration (BBA)

Sports Management

Master of Business Administration (MBA)

Sports Management

Bachelor of Library Science (B.Lib)

Information Science

Ph.D Admissions (July-2026 Session)

Eligibility and Admissions Criteria as per the UGC Guidelines & Regulations

Applications are invited from highly motivated and research-oriented candidates for the Ph.D Programme in the following disciplines:

- Computer Science & Engineering • Computer Applications
- Mechanical Engineering • Electrical Engineering • Civil Engineering
- Electronics & Communication Engineering • English • Management
- Physics • Chemistry • Mathematics • Physiotherapy

B.TECH | M.TECH

Computer Science & Engineering | Data Science | AIML
Cloud Computing & Visualization | Electrical Engineering
Electronics & Communication Engineering | Civil Engineering
Mechanical Engineering

BBA | MBA

Marketing | Finance | Human Resource |
Technology Management | Operations & Supply - Chain Management | Digital Marketing |
Hospital & Healthcare Management

MBA Executive

Marketing | Finance | Human Resource |
Technology Management | Operations & Supply - Chain Management | Digital Marketing |
Hospital & Healthcare Management

BCA | MCA

Data Science | Artificial Intelligence & Machine Learning
Full Stack Development | Cyber Security & Cloud Computing
AI & ML (Industry Integrated)

BPT | MPT

Cardiopulmonary | Orthopaedics | Neurology
Musculoskeletal | Pediatrics | Sports

PGDY

Post Graduate Diploma in Yoga

TOP RECRUITERS AT UEM JAIPUR

TCS Tata Consultancy Services | Infosys | wipro | cognizant
Capgemini | accenture | Tech Mahindra | pwc
Deloitte. | IBM | HCLTech | L&T Technology Services
metacube | Kreeti Technologies | CAPE ELECTRIC | cādence

...and many more leading national & international companies

PLACEMENT HIGHLIGHTS

- Strong participation from leading IT, Core Engineering, Analytics, Consulting, Finance & Startups
- Students bag multiple offers in AI, Data Science, Cyber Security, Cloud, VLSI, Core & more
- Trusted by recruiters for our students' dedication, discipline, knowledge & expertise in emerging technologies
- We strive to provide placement opportunities to each and every eligible candidate

Academic Partners

TCS Tata Consultancy Services | IBM | sas | IIDE | Cambridge

Foreign University Collaborations

UNLV | Brunel University London | Richard A. Chaifetz School of Business | Saint Louis University

More than 18000+ Certification

Harvard Business School | coursera | LinkedIn Learning | Infosys Springboard | Cambridge | IBM | edX

Scholarships of **7 CRORES** Plus Provided

72 LAKHS Per Annum **HIGHEST** PACKAGE OFFERED

150 + Design Patents Granted

740 + Patents Published

800+ Research Paper Published

TOP PLACEMENTS

Name	Company
Esha Mishra	Walmart Global Tech India
Aman Sharma	Metacube Software Pvt. Ltd.
Avinash Kumar	Metacube Software Pvt. Ltd.
Sourabh Chhipa	Metacube Software Pvt. Ltd.
Jiya Saraf	MTX
Nistha Bhura	MTX
Pulkit Kr.Verma	Ubuy Technologies
Simran Kumari	Celebal Technologies
Piyush Sharma	Eazy ERP
Kingshuk Bairagi	Cape Electric
Pranjal Bhattacharjee	Polycab India Pvt. Ltd.
Jatin Kumawat	Metacube Software Pvt. Ltd.
Snehasish Bhakat	HashedIn Technologies by DELOITTE
Soumen Pal	Metacube Software Pvt. Ltd.
Aakash Sahani	Ubuy Technologies Pvt. Ltd.
Subham Gourisaria	Tata Consultancy Services (TCS)
Tamoghno Moulik	Bosch
Tisha Bhattacharya	Tata Consultancy Services (TCS)
Ankita Priyadarshini	Indus Tower Pvt. Ltd.
Roshan Kumar	Mechlin Technologies
Karan Kumawat	Tata Consultancy Services (TCS)
Dhanurdhar Sharma	Eazy ERP
Aniruddha Mukherjee	TCS Digital
Sanchita Brahma	Tech Mahindra

SCHOLARSHIPS UPTO 100%*

USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE STUDY ABROAD PROGRAM | INDUSTRY ESTABLISHED 5 LABS | LEADING UNIVERSITY FOR 6G PROJECTS GOVERNMENT OF INDIA | Institution of Happiness QS I-GAUGE Global Rankings Platform | World University Rankings 2026

Admission Helplines : 9887313330, 9887433330, 9887413330, 9887153330, 8739933330 | WhatsApp 9887313330

Campus: 'Gurukul' Udaipuria Mod, Sikar Road, Jaipur - 303807 (Rajasthan) | www.uem.edu.in

बीकानेर के भड़ल गांव में दो गाड़ियों के बीच फंसी स्विफ्ट, नवजात सहित तीन की मौत

प्रसूता और दो दिन की मासूम को हॉस्पिटल से लेकर घर लौट रहा था परिवार

बीकानेर, (निसं)। यहां भड़ल गांव में एक्सीडेंट के कारण दो गाड़ियों के बीच फंसी स्विफ्ट कार में एक नवजात सहित तीन लोगों की मौत हो गई। परिवार प्रसूता और 2 दिन की मासूम को हॉस्पिटल से लेकर घर लौट रहा था। हादसा शाम सात बजे बज्जू थाना क्षेत्र में हुआ। स्विफ्ट में कुल 6 लोग थे। प्रसूता सहित तीन लोग गंभीर घायल हैं। घायलों को पहले बज्जू हॉस्पिटल लाया गया, जहां बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।

■ प्रसूता सहित तीन लोग गंभीर घायल, घायलों को बज्जू हॉस्पिटल लाया गया, जहां से बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल रेफर कर दिया

बज्जू थानाधिकारी चंद्रजीत सिंह भाटी ने बताया परिवार फलोदी के मदासर गांव का रहने वाला है। हॉस्पिटल से घर जाते समय उनकी कार बज्जू से करीब 30 किलोमीटर दूर कैंपर से भिड़ गई। कुछ सेकेंड बाद ही कार के पीछे चल रही स्कॉर्पियो उनकी कार से टकरा गई। स्विफ्ट के अंदर फंसे सभी घायलों को करीब आंधा घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। इलाज के दौरान बज्जू के हॉस्पिटल में नवजात के मामा रिछपाल (प्रसूता के काका का बेटा) की मौत हो गई, जबकि, अन्य घायलों को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया। रास्ते में नवजात और उसकी नानी ऐलची पत्नी शैलूराम ने भी दम तोड़ दिया। वहीं, बच्ची की मां बाधु देवी, मामा मनीष पुत्र शैलूराम और उसकी पत्नी मंजू देवी गंभीर घायल हैं। सभी पीबीएम हॉस्पिटल में एडमिट हैं। बज्जू थानाधिकारी ने बताया कि मौके पर कैंपर और स्कॉर्पियो का ड्राइवर फरार हो गए थे। इनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों से भी जानकारी ली गई है। घटना को लेकर मनीष पुत्र शैलूराम ने एफआईआर दर्ज कराई थी। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिए गए हैं।

हनुमानगढ़ में जीप-स्कूटी में टक्कर, पिता-बेटे सहित तीन की मौत

छह साल के मासूम सहित दो ने मौके पर और एक ने अस्पताल में दम तोड़ा

हनुमानगढ़, (निसं)। पीलीबंगा-रावतसर रोड पर देर शाम हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक 40 वर्षीय व्यक्ति और 6 साल के मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल तीसरे व्यक्ति ने जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा पीलीबंगा-रावतसर रोड पर जीप और स्कूटी के बीच हुई जोरदार टक्कर के कारण हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी सवार सुनील (40) पुत्र ओमप्रकाश, निवासी वार्ड नंबर 22, पीलीबंगा और 6 वर्षीय परी पुत्र राकेश नायक निवासी पीलीबंगा की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में राकेश पुत्र पीरथा राम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हनुमानगढ़ जिला अस्पताल रेफर किया गया।

जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान राकेश ने भी दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि मृतक परी और राकेश पिता-बेटे थे। स्कूटी सवार सुनील और राकेश ईंट-भट्टे पर मजदूरी का काम करते थे। एक ही परिवार के पिता-बेटे और एक अन्य व्यक्ति की मौत से परिजनों में गहरा शोक व्याप्त है। हादसे की सूचना मिलते ही एएसआई दिनेश कुमार मालिया पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू करवाया गया।

पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और टक्कर के पीछे क्या कारण रहे, इसे लेकर पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। एक साथ 3 लोगों की मौत की खबर से पीलीबंगा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

करंट से युवक की मौत

पावटा, (निसं)। खेत में फव्वारे लगाने के दौरान 11 हजार केवी विद्युत लाइन से पानी के जरिए हवा में करंट बनने से 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत प्रेमनगर निवासी संदीप पुत्र गिरधारी खेत में सिंचाई के लिए फव्वारे लगाने का कार्य कर रहा था। इसी दौरान खेत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन नीची होने के कारण संपर्क क्षेत्र में फव्वारे से निकलता पानी पहुंच गया। पानी के माध्यम से हवा में करंट बनने से युवक इसकी चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने युवक को बचाने का प्रयास किया और उसे तत्काल उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की उम्र महज 22 वर्ष बताई जा रही है।

चूरू में दो दिवसीय समारोह का आयोजन आज से

जयपुर/चूरू। प्रयास संस्थान, चूरू के तत्वाधान में पद्मश्री विजयदान देथा "बिज्जी" शताब्दी समारोह का आयोजन श्री ओसवाल श्री संघ पंचायत चूरू के सेमिनार हॉल में सोमवार को 99 वर्षीय प्रसिद्ध गणितज्ञ प्रो. घासीराम वर्मा द्वारा किया जाएगा।

■ देशभर के 100 साहित्यकार, लेखक, रंगकर्मी, पत्रकार, चिंतकों की सहभागिता रहेगी

प्रयाग संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि पदमश्री विजयदान देथा "बिज्जी" शताब्दी समारोह में देशभर के 100 वरिष्ठ साहित्यकार,लेखक, रंगकर्मी पत्रकार विभिन्न सत्रों में राजस्थानी के मूर्धन्य साहित्यकार पद्मश्री विजयदान देथा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा करेंगे। उद्घाटन सत्र में राजस्थानी विभाग जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. कल्याण सिंह शेखावत, पद्मश्री डॉ. चंद्रप्रकाश देवल, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यनारायण, राजस्थानी भाषा साहित्य संस्कृति अकादमी के पूर्व अध्यक्ष श्याम महर्षि शिक्षाविद महेंद्र देथा बिज्जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर व्यक्तव्य देंगे। उद्घाटन सत्र का संयोजन डॉ.उम्मेद गोठवाल करेंगे। दो दिवसीय समारोह में पांच सत्र होंगे।

दो साइबर ठग गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। उनियारा थानाधिकारी ओंम कंवर के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा उनियारा क्षेत्र मे हुई सायबर ठगी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए म्यूल खाताधारक रामराज के खाते की जांच करने पर पाया कि खाते में लेनदेन व खाते का उपयोग अपने पुत्र रामखिलाड़ी उपयोग कर रहा है जो साइबर ठग से ठगी की राशि डलवाता है तथा उसमें से नगद निकलवाकर 10 प्रतिशत कमीशन काटकर साइबर ठगों को देना पाया गया है, जिसके बाद पुलिस ने साईबर ठग के विरुद्ध आईटी एक्ट में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक की जांच मे म्यूल खाते पर दर्ज दो शिकायतों में 16 लाख 32 हजार की ठगी की गई है।

इसी प्रकार इस अभियान में पीपलू पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए साइबर ठग कृष्ण कुमार चौधरी पुत्र रामलाल निवासी निमेडा के खाता के सम्बध में साइबर पोर्टल पर जांच की गई तो आरोपी के खिलाफ एनसीआर पोर्टल पर 3 शिकायत दर्ज होना पायी गयी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी द्वारा फर्जी सिम कार्ड व फर्जी बैंक खातों, म्यूल अकाउंट्स व फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाईलों का इस्तेमाल करना पाया गया।

धौलपुर में देवस्थान के कुंड में डूबने से चार भाई-बहनों की मौत

धौलपुर, (निसं)। जिले के आंगई थाना क्षेत्र के बिरजा गांव में रविवार सुबह एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां देवस्थान पर दर्शन करने गए एक ही परिवार के चार भाई-बहनों की कुंड (तालाब) में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद बिरजा सहित मृतकों के पैतृक गांव में मातम पसर गया है।

■ पैर फिसलने के कारण एक भाई गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा तो उसे बचाने के प्रयास में तीनों बहनें भी कुंड में कूद गईं, जिससे सभी डूब गये

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नथुआ का पुरा निवासी भोलू उर्फ रवि गुर्जर बिरजा गांव स्थित प्रसिद्ध हीरामन बाबा मंदिर परिसर के पास बने कुंड के समीप गया था। इसी दौरान पैर फिसलने के कारण वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। भाई को संकट में देख और उसे बचाने के प्रयास में उसकी तीनों बहनें भी एक-एक करके कुंड में कूद गईं। पानी की गहराई अधिक होने के कारण चारों पानी से बाहर नहीं आ सके और उनकी डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान मनोरमा (30), बोटो (36), भोलू उर्फ रवि गुर्जर (23) और उनकी चचेरी बहन निशा (21) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सरमथुरा वृत्ताधिकारी दुलीचंद और आंगई थाना अधिकारी कृपाल सिंह चौधरी पुलिस जाब्ते के साथ तुरंत मौके पर पहुँचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तीनों युवतियों के शवों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया था, जबकि युवक का शव गहराई में होने के कारण समय रहते नहीं मिल सका। इसके बाद प्रशासन द्वारा एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम को बुलाया गया। एसडीआरएफ के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक के शव को भी कुंड से बाहर निकाला। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर सरमथुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया, जहाँ मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई और चारों शवों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

हमले का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। चाकू से जानलेवा हमला करने के दर्ज मामले में गुमानपुरा पुलिस टीम ने मामले में फरार चल रहे शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 26 जुलाई को परिवादी इन्द्रजीत सिह सोलंकी ने थाने में रिपोर्ट दी। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि एक्टिवा में पैट्रोल भरवाने के लिए जा रहा था कि घोड़ा वाला बाबा चौराहे के पास पहुंचा तो पीछे से दो बाईक पर अंशुल कालिया, रोहित कबुतर, प्रिन्स अरोड़ा, मेहुल बच्चा, फैजल बच्चा आये और जान से मारने की नियत से उसके उपर चाकू से हमला कर दिया। रिपोर्ट मे कहा कि पुरानी रंजिश के चलते हमलवारो ने चाकू से वार किये तो वह एक्टिवा से नीचे गिर गया, जिसके बाद हमलावरों ने पाईप से मारपीट की।

अनूपगढ़ के रावला में पाकिस्तान से लाई गई दो करोड़ की हेरोइन पकड़ी

पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी की टीम ने एक युवक को हिरासत में लिया

अनूपगढ़, (निसं)। जिले के रावला थाना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास से 2 करोड़ से ज्यादा की हेरोइन बरामद की है। पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी की संयुक्त टीम ने थाना क्षेत्र के 12 केएनडी क्षेत्र की 3 केएनएम की ढाणी में एक मकान पर छापा मारा। इस दौरान करीब 2.35 करोड़ रुपए की 470 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान स्थानीय युवक अरविंद को हिरासत में लिया गया है।

■ हेरोइन बरामद होने की सूचना मिलने पर मकान मालिक सुरेंद्र बिश्नोई ने कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया

जानकारी के अनुसार, उसके कब्जे से पाकिस्तान से लाई गई हेरोइन जब्त की गई। पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही इस तस्करी नेटवर्क और मादक पदार्थ के वास्तविक स्रोत का खुलासा हो पाएगा। हेरोइन बरामद होने की सूचना मिलने पर मकान मालिक सुरेंद्र बिश्नोई (निवासी 3 केएनएम) ने कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि वह घर के दूसरे कमरे में जाकर फांसी लगाने की कोशिश कर रहा था। परिजनों और मौके पर मौजूद लोगों ने उसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीकानेर रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। एसपी हरीशंकर ने बताया कि पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है और पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

सुरक्षा एजेंसियां बरामद हेरोइन के स्रोत, इसके पाकिस्तान कनेक्शन और इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका की जांच में जुटी हुई हैं।

जोधपुर निगम चुनाव में प्रत्याशियों की घोषणा से पहले ही कांग्रेस में विरोध शुरू

कांग्रेस में संभावित प्रत्याशियों को लेकर कई कार्यकर्ता विरोध जता रहे हैं

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर नगर निगम चुनाव में प्रत्याशियों की घोषणा से पहले ही विरोध शुरू हो गया है। कांग्रेस में संभावित प्रत्याशियों को लेकर कई कार्यकर्ता विरोध जता रहे हैं। वार्डों में स्थानीय को ही प्रत्याशी बनाने की मांग की जा रही है।

■ वार्डों में स्थानीय को ही प्रत्याशी बनाने की मांग की जा रही है, बाहरी प्रत्याशी को टिकट दिए जाने का विरोध किया जा रहा है

रविवार को जोधपुर नगर निगम के वार्ड चार के कांग्रेस कार्यकर्ता शहर कांग्रेस मुख्यालय में पहुंचे तथा संभावित उम्मीदवार बाहरी होने का विरोध किया। कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। इसके बाद कार्यालय में मौजूद पार्टी पदाधिकारी ने उनको समझाया तो वापस चले गए। वार्ड 69 में कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी का भी विरोध किया जा रहा है। बाहरी प्रत्याशी को टिकट दिए जाने की चर्चा के बीच नाराज कांग्रेस समर्थक और वार्डवासी पूर्व विधायक मनीषा पंवार के आवास पर जा पहुंचे। वार्डवासियों ने अपनी पसंद के स्थानीय दावेदार लियाकत अली रंगरेज के समर्थन में बात रखी। यहां अरशद चौहान भी टिकट के दावेदार हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है इससे तो स्थानीय समर्थकों की नाराजगी सामने आ सकती है।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि लियाकत अली रंगरेज को टिकट नहीं मिला तो उन्हें निर्दलीय मैदान में उतारने और समर्थन देने का फैसला लिया जा सकता है। वहीं, एक कांग्रेस कार्यकर्ता का भी वीडियो सामने आया है। वीडियो में स्वयं को कांग्रेस कार्यकर्ता बताने वाली डॉ. अनिता परिहार संभावित टिकट को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने वार्ड संख्या 99 और 100 से पूर्व महापौर कुंती देवड़ा और उनके भाई मयंक देवड़ा को टिकट दिए जाने की संभावनाओं पर नाराजगी जताई है।

भीलवाड़ा नगर निकाय चुनाव में भाजपा प्रताप मंडल में टिकट वितरण को लेकर नाराजगी

टिकट वितरण से नाराज 70 पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफा दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निकाय/स्थानीय चुनाव के लिए पार्टी स्तर पर चल रही टिकट वितरण की प्रक्रिया के बीच भारतीय जनता पार्टी के भीतर अंतरकलह और भारी आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। भाजपा प्रताप मंडल के करीब 70 पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने टिकट बंटवारे में अनिमियतताओं और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी का गंभीर आरोप लगाते हुए मंडल अध्यक्ष राव नागेंद्र सिंह को अपने सामूहिक इस्तीफे सौंप दिए हैं। इस्तीफा देने वाले पदाधिकारियों का आरोप है कि पार्टी के लिए 20-20 वर्षों से समर्पित होकर काम करने वाले जमीनी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को नजरअंदाज किया जा रहा है। आरोप है कि ऐसे बाहरी और पैराशूट उम्मीदवारों को टिकट में प्राथमिकता दी जा रही है, जिन्होंने कभी बूथ स्तर पर कोई काम नहीं किया और जिन्हें भाजपा जिला कार्यालय तक का पता नहीं है।

■ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने टिकट बंटवारे में अनिमियतताओं और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी का गंभीर आरोप लगाया

मामले पर भाजपा प्रताप मंडल अध्यक्ष राव नागेंद्र सिंह ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं में अनधिकृत रूप से टिकट बांटे जाने की अफवाहों और फोन कॉल्स को लेकर भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने पुष्टि की कि बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र संयोजकों समेत लगभग 70 पदाधिकारियों ने अपना प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा उन्हें सौंपा है। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि वे कार्यकर्ताओं की इस नाराजगी और इस्तीफे के विषय में जिला एवं प्रदेश नेतृत्व को जल्द अवगत कराएंगे। धनपाल सिंह चंडालिया (शक्ति केंद्र संयोजक, वार्ड 20) का कहना है कि हमारे वार्ड में जिस व्यक्ति को टिकट देने की चर्चा है, उसने कभी बूथ की शक्ल तक नहीं देखी। बिना जांच-पड़ताल और जमीनी स्थिति जाने ऐसे निर्णय लेने से समर्पित कार्यकर्ता आहत हैं। विजय शर्मा (सक्रिय कार्यकर्ता) का कहना है कि हम 20 वर्षों से दिन-रात पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। हमें टिकट न मिलने का मलाल नहीं है, लेकिन टिकट किसी निष्ठावान कार्यकर्ता को मिलना चाहिए न कि ऐसे पैराशूट उम्मीदवारों को जो संगठन के बारे में कुछ नहीं जानते।

टाइगर रिज़र्व सेंचुरी के विरोध में चल रहे धरना-प्रदर्शन में भारी भीड़ उमड़ी

सरमथुरा/गंगापुर सिटी, (निसं)। सरमथुरा-धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व सेंचुरी के विरोध में सरमथुरा के बसंतपुरा मोड़ स्थित खरेर नदी के पास चल रहे अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में रविवार को जन आक्रोश का सैलाब उमड़ा। रविवार को अवकाश होने के कारण सुबह से ही जिला करौली के मंडरायल, सहित बाड़ी उपखंड के गांवों सहित आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में लोग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, पिकअप, जीप, बाइक और अन्य वाहनों में भरकर धरना स्थल पर पहुंचे। देखते ही देखते पूरा धरना स्थल जनसैलाब में तब्दील हो गया। वहीं वजीरपुर के मीना बड़ौदा सहित 28 गांवों के किसान बड़ी संख्या में सरमथुरा स्थित धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलन का समर्थन किया। किसानों ने सरकार से मांग की कि टाइगर रिजर्व से प्रभावित होने वाले ग्रामीणों के जमीन, खेती, वन अधिकार और रोजगार से जुड़े हितों को सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने जोर दिया कि वन्यजीव संरक्षण आवश्यक है, लेकिन इसके साथ ही क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

करौली के मंडरायल, सहित बाड़ी उपखंड के गांवों सहित आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में लोग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, पिकअप, जीप, बाइक और अन्य वाहनों से धरना स्थल पर पहुंचे।

वजीरपुर के मीना बड़ौदा समेत आसपास के गांवों से आए किसानों ने कहा कि यह किसी एक गांव का नहीं, बल्कि पूरे 28 सा क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। किसानों ने एकजुटता दिखाते हुए अपनी मांगों को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। धरना स्थल पर किसानों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी आवाज बुलंद की। ग्रामीणों की बड़ी संख्या में मौजूदगी के कारण सरमथुरा में दिनभर आंदोलन को लेकर माहौल बना रहा। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी समस्याओं और आशंकाओं का समाधान नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

धरना स्थल पर संघर्ष समिति द्वारा लगाया गया विशाल पंडाल भी आज की भीड़ के आगे छोटा पड़ गया। लोग हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर "टाइगर रिजर्व रद्द करो" के नारे लगा रहे थे। भारी जनसैलाब के कारण सरमथुरा धौलपुर-करौली नेशनल हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। हाईवे पर दोनों तरफ करीब 3 से 4 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। सभी का एक ही कहना था कि टाइगर रिजर्व के नाम पर हमें हमारे जल, जंगल, जमीन और हमारे पुश्तैनी हक से बेदखल किया जा रहा है। अगर यह टाइगर रिजर्व बना तो हमारे सैकड़ों गांव उजड़ जाएंगे, हमें पलायन करना पड़ेगा और हमारी खेती-किसानी और रोजगार पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने मंच से हुंकार भरते हुए कहा कि यह लड़ाई सिर्फ टाइगर रिजर्व के विरोध की नहीं है, बल्कि हमारे अस्तित्व, हमारे भविष्य और हमारी आने वाली पीढ़ियों को बचाने की लड़ाई है। समिति ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब तक सरकार टाइगर रिजर्व सेंचुरी के फैसले को वापस नहीं लेती, तब तक यह धरना प्रदर्शन इसी तरह अनिश्चितकाल के लिए जारी रहेगा। समिति ने चेतावनी दी कि अगर सरकार और प्रशासन ने जल्द से जल्द हमारी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया और कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन और भी उठा होगा। मजबूरन हमें हजारों की संख्या में राजधानी जयपुर कूच कर विधानसभा का घेराव करना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार और जिला प्रशासन की होगी। धरना स्थल पर शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरमथुरा थाना पुलिस सहित आसपास के थानों का भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

■ किसानों ने सरकार से मांग की कि टाइगर रिजर्व से प्रभावित होने वाले ग्रामीणों के जमीन, खेती, वन अधिकार और रोजगार से जुड़े हितों को सुरक्षित रखा जाए

राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति द्वारा राष्ट्रीय सृजन पुरस्कारों की घोषणा

जयपुर/श्रीडूंगरगढ़। राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति ने वर्ष 2026 के राष्ट्रीय सृजन पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। समिति का सर्वोच्च मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री सम्मान रोहतक के वरिष्ठ साहित्यकार मधुकांत को उनके समग्र साहित्यिक अवदान के लिए प्रदान किया जाएगा। वहीं डॉ. नंदलाल महर्षि स्मृति हिन्दी सृजन पुरस्कार जयपुर के कथाकार-उपन्यासकार डॉ. सूरजसिंह नेगी को उनकी औपन्यासिक कृति 'भावेश जो कह न सका' के लिए दिया जाएगा। सभी पुरस्कार 27 सितम्बर को श्रीडूंगरगढ़ में आयोज्य समारोह में अर्पित किए जाएंगे।

समिति अध्यक्ष और जाने माने साहित्यकार श्याम महर्षि एवं उपाध्यक्ष डॉ. मदन सैनी ने बताया कि हिन्दी की विभिन्न विधाओं में श्रेष्ठ सृजन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष देश के बारह से अधिक राज्यों से प्रविष्टियां एवं प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से चयन समिति ने कृतियों एवं रचनाकारों का चयन किया। संस्था के मंत्री एवं पुरस्कार समिति के संयोजक रवि पुरोहित ने बताया कि श्रीशिवप्रसाद सिखवाल स्मृति महिला लेखन पुरस्कार उज्जैन की साहित्यकार मीरा जैन को व्यंग्य संग्रह 'हेल्थ हादसा' के लिए तथा श्यामसुन्दर नागला स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार मड़वा नगर, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ बाल साहित्यकार लाल देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव को बाल काव्य कृति 'देश की मिट्टी है अनमोल' के लिए प्रदान किया जाएगा।सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार किशनगढ़ के डॉ. सतीश कुमार को उनकी कृति 'भारत में लोकतंत्र' के लिए दिया जाएगा। यह पुरस्कार पं. गोविंद वल्लभ पंत पुरस्कार से सम्मानित लेखक सुरेश ओझा के सौजन्य से इतर साहित्यिक लेखन के क्षेत्र में प्रदान किया जाता है। गत वर्ष प्रारम्भ किये गए श्री चन्द्रमोहन हाड़ा हिमकर स्मृति उपन्यास लेखन पुरस्कार के लिए गाजियाबाद के साहित्यकार अरविंद पथिक की कृति 'असभ्यता का आक्रमण' का चयन हुआ है। आयोजन समन्वयक महावीर माली ने बताया कि पुरस्कार अर्पण समारोह के साथ साहित्यिक संगोष्ठी भी आयोजित होगी। संस्था के कोषाध्यक्ष रामचन्द्र राठी के अनुसार साहित्यश्री सम्मान के तहत 21 हजार रुपए नगद, जबकि अन्य पुरस्कारों के तहत 11-11 हजार रुपए के साथ सम्मान-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं शॉल प्रदान किए जाएंगे। समिति के उपाध्यक्ष सत्यदीप ने बताया कि समारोह में समकालीन साहित्य और समाज से जुड़े विषय पर संगोष्ठी होगी। आयोजन सचिव महावीर सारस्वत ने बताया कि रामकिशन उपाध्याय स्मृति समाज सेवा सम्मान एवं शब्द शिल्पी सम्मानों की घोषणा भी शीघ्र की जाएगी।

समारोह में कई साहित्यकारों का सम्मान किया जायेगा।

युवती को गोली मारकर हत्या का प्रयास करने वाला बदमाश दबोचा

बहन का सगा देवर निकला हमलावर, देशी कट्टा और बाइक बरामद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके के रीको सीतापुरा स्थित इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में 26 अगस्त की शाम युवती को गोली मारकर हत्या का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी युवती की बहन का सगा देवर है और वह युवती पर शादी करने के लिए दबाव बना रहा था। युवती के इनकार से नाराज होकर आरोपी ने उसे अकेला पाकर सीने में गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया देशी कट्टा और मोटरसाइकिल बरामद कर ली है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आकाश शाक्य (27) निवासी बसेड़ी जिला धौलपुर है। पुलिस आरोपी से हथियार की खरीद और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं के संबंध में पूछताछ कर रही है।

सांगानेर सदर थानाधिकारी कमलेश कुमार शर्मा के अनुसार 26

आरोपी आकाश शाक्य

अगस्त 2026 की शाम जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि रीको सीतापुरा के इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में एक युवती को गोली मार दी गई है। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल युवती को उपचार के लिए महात्मा गांधी अस्पताल, सीतापुरा में भर्ती कराया गया था।

सूचना मिलते ही सांगानेर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने एफएसएल मोबाइल यूनिट को मौके पर बुलाकर घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद

■ पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी युवती की बहन का सगा देवर है और वह युवती पर शादी करने के लिए दबाव बना रहा था। युवती के इनकार से नाराज होकर आरोपी ने उसे अकेला पाकर सीने में गोली मार दी और फरार हो गया।

पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और घायल युवती के स्वास्थ्य की जानकारी ली। परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। वहीं इस वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए आरोपी आकाश शाक्य को दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त देशी कट्टा और मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी आकाश शाक्य घायल युवती की बहन का सगा देवर है। इसी रिश्तेदारी के कारण दोनों की पहले से जान-पहचान थी। आरोपी युवती से शादी करना चाहता था और उस पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। हालांकि युवती अपने परिजनों के खिलाफ जाकर आरोपी से शादी करने के लिए तैयार नहीं थी।

युवती द्वारा लगातार शादी से इनकार किए जाने से आरोपी नाराज था। पुलिस के अनुसार, इसी रंजिश में आरोपी ने देसी कट्टा खरीदा और 26 अगस्त की शाम युवती को अकेला पाकर उसके सीने में गोली मार दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही वारदात में इस्तेमाल हथियार और मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। हथियार आरोपी तक कैसे पहुंचा और उसने इसे कहां से खरीदा, इस संबंध में पुलिस पूछताछ कर रही है। घायल युवती का महात्मा गांधी अस्पताल, सीतापुरा में उपचार जारी है।

रेस्टोरेंट की आड़ में चल रहे हुक्का बार पर कार्रवाई

जयपुर। मालवीय नगर स्थित गौरव टावर (जीटी) के पास संचालित 'कोड ब्लैक बार एंड रेस्टोरेंट' में जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने दबिश देकर अवैध रूप से चल रहे हुक्का बार में छापेमारी की है। जहां से पुलिस ने मौके से 10 हुक्के, 10 पाइप, 10 चिलम और तीन पैकेट तंबाकू फ्लेवर जब्त किए।

कार्रवाई के दौरान रेस्टोरेंट के मैनेजर को गिरफ्तार किया गया, जबकि हुक्का पीते मिले आठ युवकों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि गौरव टावर के पास स्थित कोड ब्लैक बार एंड रेस्टोरेंट में रेस्टोरेंट की आड़ में ग्राहकों को अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने रेस्टोरेंट पर अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान वहां ग्राहकों को हुक्का परोसा जाना पाया गया। पुलिस ने मौके से 10 हुक्के, 10 पाइप, 10 चिलम और तीन पैकेट तंबाकू फ्लेवर जब्त किए। पुलिस ने मौके से रेस्टोरेंट के मैनेजर जितेन्द्र मेहता (32) निवासी गांव केलवाड़ा जिला जिला बारां हाल मैनेजर कोड ब्लैक बार एंड रेस्टोरेंट को गिरफ्तार किया। वहीं मौके पर हुक्का पीते मिले आठ युवकों के खिलाफ भी कोटपा एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की गई।

सिविल लाइंस और मालवीय नगर में खुलकर दिखा ''टिकट विरोध''

भाजपा का विजय रथ रवाना होने से पहले मंच पर भी हुई ''हॉट-टॉक''

जयपुर (कासं)। निकाय चुनाव के टिकटों को लेकर जयपुर में भाजपा के भीतर विरोध और नाराजगी खुलकर सामने आने लगी है। सिविल लाइंस और मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्रों में टिकट वितरण को लेकर कार्यकर्ताओं के विरोध की स्थिति बनी रही। रविवार को सिविल लाइंस क्षेत्र के कार्यकर्ता भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे और टिकट चयन को लेकर नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया।

कार्यकर्ताओं की नाराजगी को देखते हुए प्रदेश मुख्यालय में भी कुछ समय के लिए टिकटों को लेकर चल रही खींचतान की तस्वीर सामने आई। कार्यकर्ताओं का कहना था कि टिकट वितरण में स्थानीय स्तर पर लंबे समय से सक्रिय और संगठन के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

वहीं मालवीय नगर क्षेत्र में भी टिकटों को लेकर विरोध के स्वर खुलकर सामने आए। दावेदारों और उनके समर्थकों के बीच टिकट को लेकर खींचतान की स्थिति रही। प्रदेश कार्यालय के भीतर विधायक और संगठन प्रत्याशियों के नामों पर मंथन कर रहे थे, वहीं बाहर कार्यकर्ताओं का विरोध इस बात का संकेत रहा कि अंतिम दौर में पहुंची टिकट चयन प्रक्रिया में नाराजगी और असंतोष की चुनौती बढ़ती जा रही है।

वहीं दूसरी ओर निकाय चुनाव के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय से विजय रथ रवाना किए जाने से पहले भी पार्टी के भीतर चल रही टिकटों की खींचतान की झलक दिखाई दी। पूर्व विधायक एवं जयपुर निकाय प्रभारी शंकर सिंह राजपुरोहित तथा पूर्व सांसद रामचरण बोहरा के बीच मंच पर ही तीखी बहस हो गई।

बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच हॉट टॉक बढ़ने पर प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी को बीच-बचाव करना पड़ा। घटनाक्रम से नाराज रामचरण बोहरा मंच से नीचे उतर गए। यह पूरा घटनाक्रम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यक्रम में पहुंचने से पहले हुआ। बाद में नेताओं ने स्थिति को संभाला और कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

रविवार का दिन भाजपा के लिए निकाय चुनाव में प्रत्याशी चयन के लिहाज से बेहद अहम रहा। भरतपुर और जयपुर संभाग के टिकटों पर अंतिम दौर की रायशुमारी चली। जयपुर में विधायकों के सिंगल नाम के पैनल को वापस लौटाया जाना साफ संकेत है कि संगठन स्थानीय नेताओं की पसंद पर सीधे मुहर लगाने के बजाय अपनी चुनावी कसौटी पर दावेदारों की अलग-अलग स्तर पर जांच कर अंतिम निर्णय लेना चाहता है। पार्टी के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती टिकटों की दौड़ में शामिल नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच संतुलन बनाने की है। अंतिम दौर में जिस तरह जयपुर से भरतपुर तक टिकटों को लेकर मतभेद और टकराव सामने आए हैं, उससे साफ है कि प्रत्याशी चयन के बाद संगठन को नाराज नेताओं और कार्यकर्ताओं को साधने के लिए भी विशेष मशक्कत करनी पड़ सकती है।

बुकिंग के बहाने बुलाकर रैपिडो बाइक राइडर से लूटपाट करने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। शिवदासपुरा पुलिस ने रैपिडो बाइक राइडर को बुकिंग के बहाने बुलाकर उसके साथ मारपीट कर नकदी,मोबाइल और बाइक लूटने के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पुलिस के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर लूटी गई बाइक बरामद कर ली है। वारदात में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि शिवदासपुरा थाना पुलिस ने रैपिडो बाइक राइडर को बुकिंग के बहाने बुलाकर उसके साथ मारपीट कर नकदी,मोबाइल और बाइक लूटने के मामले का मुख्य आरोपित विनोद कुमार मीणा (24) निवासी कोटखावदा जयपुर को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली। आरोपी विनोद कुमार मीणा शातिर अपराधी है और उसके खिलाफ पूर्व में कोटखावदा,विश्वकर्मा और शिवदासपुरा भी चोरी, मारपीट और लूट सहित कई मामले दर्ज हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने लूटा गया मोबाइल अपने साथी रोहित मीणा के पास होना बताया है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस आरोपी से वारदात में शामिल अन्य लोगों और लूट की अन्य घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

शिवदासपुरा थानाधिकारी राजेश गौतम ने ब ताया कि परिवादी विनोद चौधरी ने 8 मई 2026 को शिवदासपुरा थाने में मामला दर्ज कराया था कि वह अपनी बाइक को रैपिडो में चलाता है। 8 मई की रात उसे 'कुनाल' नाम से

गिरफ्तार आरोपी बदमाश और बरामद बाइक

बुकिंग मिली। बुकिंग के अनुसार वह शिव नगर, मारको की ढाणी, वसुंधरा कुटुंब के पास, बास बीलवा पहुंचा। वहां दो युवक मिले। विनोद ने जैसे ही उनसे राइड का ओटीपी मांगा, एक युवक ने लकड़ी से उसके सिर और हाथ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। इसके बाद दोनों बदमाश उसकी जेब से 2100 रुपए नकद, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल लूटकर फरार हो गए। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता और सूचना तंत्र के आधार पर तलाश करते हुए आरोपित को धर-दबोचा।

घर के बाहर खड़ी बाइक चुराने वाला बदमाश पकड़ा

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए घर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। आरोपी से वाहन चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वालो के खिलाफ कार्रवाई करते हुए घर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी करने वाले आरोपित मुकेश कुमार मीणा (18) निवासी टोडाभीम जिला करौली को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद उसके कब्जे से चोरी की गई हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद होने पर उसे जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस को आशंका है कि पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा हो सकता है।

फरार कुख्यात चेन स्नैचर और हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जयपुर। नगरीय निकाय चुनावों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए जयपुर पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे शिवदासपुरा थाने के हिस्ट्रीशीटर और कुख्यात चैन स्नैचर अर्जुन उर्फ बबलू गुर्जर सहित दो स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी अपनी पहचान छिपाकर लंबे समय से फरारी काट रहे थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि जिले में वांछित अपराधियों, स्थाई वारंटियों, ईनामी बदमाशों और फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस की विशेष टीम ने आसूचना तंत्र को सक्रिय करने के साथ तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाकर जाल बिछाया और दोनों स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अर्जुन उर्फ बबलू गुर्जर निवासी शिवदासपुरा, जयपुर दक्षिण शामिल है। पुलिस के अनुसार अर्जुन शिवदासपुरा थाने का चिन्हित हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ जयपुर आयुक्तालय सहित अन्य जिलों के विभिन्न थानों में चैन स्नेचिंग, लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट जैसी गंभीर धाराओं में कुल 49 मामले दर्ज हैं।

जवाहर सर्किल थाने में वर्ष 2009 में दर्ज वाहन चोरी के मामले में अदालत की ओर से स्थाई वारंट जारी किया गया था। इसके बाद से अर्जुन पिछले करीब 7 वर्षों से अपनी पहचान छिपाकर फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर स्थाई वारंट की तामील कराई है। वहीं दूसरा गिरफ्तार आरोपी ओमप्रकाश प्रजापत निवासी रामनगरिया जयपुर पूर्व है। पुलिस के अनुसार ओमप्रकाश के खिलाफ जवाहर सर्किल थाने में वर्ष 2011 में लूट का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में जमानत मिलने के बाद वह लगातार अपनी पहचान छिपाकर फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों आरोपियों से फरारी के दौरान उनकी गतिविधियों और इस अवधि में की गई अन्य आपराधिक वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नगरीय निकाय चुनावों को देखते हुए वांछित अपराधियों और स्थाई वारंटियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

सार-समाचार

आरडीटीएम में होगा नाइट पोलो मैच

जयपुर। फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शाहपुरा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह से मुलाकात कर आगामी राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) और प्रथम मारवाड़ ट्रैवल मार्ट (एमटीएम) में शामिल होने का आमंत्रण दिया। आरडीटीएम 17 से 19 सितंबर 2026 तक जयपुर और एमटीएम 20 से 22 सितंबर तक जोधपुर में आयोजित होगा। बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने दोनों ट्रैवल मार्ट में शुरू की जा रही नई पहलों और जिम्मेदार पर्यटन से जुड़ी परियोजनाओं की जानकारी दी। 18 सितंबर को राजस्थान पोलो क्लब में पहली बार नाइट पोलो मैच आयोजित किया जाएगा। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने आयोजन पर प्रसन्नता जताते हुए स्वयं भी मैच में शामिल होने की बात कही। आरडीटीएम में देशभर से करीब 300 ट्रैवल एजेंट्स तथा राजस्थान की 700 से अधिक प्रॉपर्टीज और टूर कंपनियों की भागीदारी प्रस्तावित है। वहीं एमटीएम में करीब 125 ट्रैवल एजेंट्स और 300 प्रॉपर्टीज के शामिल होने की उम्मीद है। प्रतिनिधिमंडल में एफएचटीआर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र एस. पचार, महासचिव तरुण बंसल, कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह जोधा, संस्थापक सदस्य खालिद खान, कार्यकारिणी सदस्य शैलेंद्र सिंह और मार्केटिंग कंसल्टेंट गगन कात्याल शामिल रहे।

''दिव्य प्रेम के योग'' पर कार्यक्रम संपन्न

जयपुर। श्रीअरविन्द सोसायटी, जयपुर शाखा की ओर से श्रीअरविन्द की कृति 'योग समन्वय' के आलोक में आयोजित 'दिव्य प्रेम का योग' विषयक दो दिवसीय कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। मुख्य वक्ता कैवल्य स्मार्त, श्रीअरविन्द सोसायटी, सूरत ने मन की भक्ति द्वारा साधना की तीन अवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहली अवस्था में दिव्य नाम, गुणों एवं संबंधित विषयों का निरंतर श्रवण, दूसरी में दिव्य सत्ता अथवा व्यक्तित्व का निरंतर चिंतन और तीसरी में मन को साधना के लक्ष्य पर स्थिर एवं एकाग्र करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से साधक पूर्ण अनुभूति की ओर अग्रसर होता है। समापन अवसर पर डॉ. प्रसन्न शर्मा ने आभार व्यक्त किया। अनिल कुमार सिंह, चेयरमैन, श्रीअरविन्द सोसायटी, जयपुर ने बताया कि जयपुर केन्द्र में सभी वर्गों के लिए नियमित आध्यात्मिक एवं अध्ययन सत्र आयोजित किए जाते हैं।

गुरु विश्वास के पात्र बनो : आचार्य प्रज्ञासागर

जयपुर। गोलोक धाम, निमोड़िया में चल रही श्रीराम कथा के सातवें दिन आचार्य प्रज्ञासागर मुनिराज ने कहा कि जीवन में असाधारण सफलता गुरु की कृपा पाने से नहीं, बल्कि गुरु के विश्वास का पात्र बनने से मिलती है। उन्होंने श्रीराम के जीवन का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि गुरु के प्रति श्रीराम की श्रद्धा और गुरु के श्रीराम पर विश्वास ने शिवधनुष भंग जैसे असंभव कार्य को संभव बनाया। उन्होंने कहा कि कृपा-पात्र हजारों हो सकते हैं, लेकिन विश्वास-पात्र विरले होते हैं। आचार्य श्री ने मां को परमात्मा की पसंद बताते हुए उसका सर्वोच्च स्थान बताया तथा समय पर जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपने की सीख दी। इस दौरान बाल ब्रह्मचारी दर्शन भैया की गोद भराई हुई। वे 1 नवंबर को कर्नाटक के तुमकुर में आचार्य प्रमुख सागर मुनिराज से मुनि दीक्षा ग्रहण करेंगे। 31 अगस्त को गोलोक धाम में श्री आदिनाथ विधान पूजन, गुरु पूजन, श्रीराम प्रज्ञा प्रसादम तथा रात 8 बजे संत प्रकाश दास जी महाराज की 'एक शाम गौमाता के नाम' भजन संध्या होगी। 1 सितंबर को आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी महाराज का 54वां अवतरण दिवस भव्य धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा।

'इवेंटस्थान' में दिग्गजों ने साझा किए अनुभव

जयपुर। राजस्थान की शाही विरासत, किले-महल, लोक कला, संस्कृति और आतिथ्य अब डेस्टिनेशन वेडिंग के साथ बड़े कॉर्पोरेट और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। इसी दिशा में फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स का 13वां वार्षिक कन्वेंशन 'इवेंटस्थान 2026' 30 और 31 अगस्त को होटल अनंतरा ज्वेल बाघ जयपुर में आयोजित हो रहा है। कन्वेंशन एवं एग्जिबिशन का शुभारंभ फोरम के पूर्व अध्यक्ष महावीर प्रताप शर्मा, हरप्रीत बग्गा, मोहित माहेश्वरी, इवेंट गुरु अरशद हुसैन और ईमा अध्यक्ष दीपक चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजन में देशभर से 400 से अधिक इवेंट मैनेजर्स एवं इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स शामिल हुए। इस दौरान इंडस्ट्री के दिग्गजों ने अपने अनुभव साझा किए।

थार गाड़ी से टक्कर मारकर लूटने वाली गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने थार से टक्कर मारकर लूटपाट करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल काली थार बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने कानोता, शिवदासपुरा और जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्रों में दर्जनों लूट और स्नैचिंग की वारदातें करना स्वीकार किया है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने थार से टक्कर मारकर लूटपाट करने वाली गैंग के अभिषेक शर्मा (25) निवासी तुंगा, हाल विवेक विहार, जामडोली और राहुल बैरवा (20) निवासी लखेसरा, कानोता को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी रोज अलग-अलग इलाकों में सुनसान स्थानों की रेकी करते थे। इसके बाद पैदल राहगीरों या बाइक सवारों को थार से टक्कर मारकर गिराते और मारपीट कर मोबाइल व नकदी लूट लेते थे। पीड़ितों को झाड़ियों या सुनसान जगह पर छोड़कर फरार हो जाते थे। पुलिस गैंग के अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। थानाधिकारी रघुवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि 27 अगस्त को दर्ज रिपोर्ट में परिवादी ने बताया था कि वह दोस्तों के साथ बाइक से मथुरादासपुरा गया था। रात करीब 12 बजे श्मशान घाट के पास काली थार में सवार 3-4 बदमाशों ने बाइक रुकवाई और मारपीट कर नकदी व मोबाइल छीन लिया। मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

तालकटोरा में युवती का शव मिला

जयपुर। नाहरगढ़ थाना इलाके में स्थित तालकटोरा तालाब में रविवार दोपहर एक 25 वर्षीय युवती का शव तैरता मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला। मृतका की पहचान नाहरगढ़ रोड स्थित गणगौरी बाजार निवासी कशिश कंवर पुत्री बचपन सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को सवाई मानसिंह अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

नाहरगढ़ थानाधिकारी भंवर सिंह के बताए अनुसार, कशिश 28 अगस्त की

■ परिजनों ने प्रेमी पर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप लगाया, मामला दर्ज

रात बिना बताए घर से निकल गई थी। परिजन अपने स्तर पर उसकी खोजबीन कर रहे थे और शनिवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे उन्होंने नाहरगढ़ थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना भी दी थी। रविवार दोपहर करीब 12 बजे तालकटोरा में युवती का शव पानी में तैरता मिला। घटना के संबंध में परिजनों ने नाहरगढ़ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों का आरोप है कि कशिश का पिछले तीन वर्षों से नाहरगढ़ रोड निवासी रवि जड़ेजा के साथ अफेयर चल रहा था। मामले की जानकारी होने पर पूर्व में रवि और उसके परिवार से समझाइश कर कशिश से दूर रहने की हिदायत दी गई थी। परिजनों का दावा है कि रवि के उकसाने के कारण ही कशिश ने यह खौफनाक कदम उठाया और तालाब में छलांग लगा दी। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

हथकढ़ शराब की 4 भट्टियां और 20 हजार लीटर वॉश नष्ट किया

सीतापुरा बगरिया गांव के खेतों चल रहा था अवैध शराब का गोरखधंधा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। आगामी चुनावों के मद्देनजर अवैध गतिविधियों और अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शिवदासपुरा थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) जयपुर दक्षिण ने रविवार को करते हुए सीतापुरा बगरिया गांव के खेतों में संचालित हथकढ़ शराब की चार भट्टियों को ध्वस्त कर दिया। मौके पर शराब बनाने के लिए तैयार करीब 20 हजार लीटर वॉश को नष्ट किया गया। साथ ही 80 लीटर हथकढ़ शराब जब्त की गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि सीतापुरा बगरिया के खेतों में बड़े स्तर पर अवैध हथकढ़ शराब तैयार की जा रही है। सूचना के आधार पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा के निर्देशन और

शिवदासपुरा पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर दक्षिण ने रविवार को सीतापुरा बगरिया गांव के खेतों में संचालित हथकढ़ शराब की चार भट्टियों को ध्वस्त किया।

सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू भवानी सिंह के सुपरविजन में संयुक्त टीम गठित की गई। शिवदासपुरा थानाधिकारी राजेश गौतम और डीएसटी प्रभारी विशंभर दयाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खेतों में दबिश दी। पुलिस टीम खेतों में पहुंची तो वहां चार भट्टियां चालू हालत में मिलीं। इन भट्टियों पर अवैध रूप से हथकढ़ शराब तैयार की जा रही थी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चारों भट्टियों को ध्वस्त कर दिया। शराब तैयार करने के लिए रखी करीब 20 हजार लीटर वॉश को पुलिस टीम ने मौके पर ही नष्ट कर दिया। इसके अलावा मौके से 40-40 लीटर क्षमता के दो जरीकेन में भरी कुल 80 लीटर हथकढ़ शराब बरामद हुई, जिसे जब्त कर लिया गया। पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही अवैध शराब बनाने वाले आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस टीम ने आसपास के खेतों और इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन फिलहाल किसी आरोपी की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस फरार आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

होटल के कमरे में युवक का शव मिलने से हड़कंप

जयपुर (कासं)। चित्रकूट थाना इलाके में अक्षरधाम मंदिर के पास स्थित एक होटल के कमरे में रविवार को युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अजमेर निवासी विजेंद्र सिंह (30) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह नशे का आदी था और करीब तीन महीने से झुंझुनूं स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती था। शनिवार को वह वहां से भागकर जयपुर आया और होटल में कमरा लेकर ठहरा था। पुलिस को शव के पास नशे का इंजेक्शन भी मिला है। ऐसे में प्रथम दृष्टया नशे के ओवरडोज से मौत की आशंका जताई जा रही है।

थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि विजेंद्र सिंह मूल रूप से अजमेर का रहने वाला था। पिता की मौत के बाद वह अपनी मां के साथ जयपुर में सिरसी रोड पर रह रहा था। शनिवार शाम उसने अक्षरधाम मंदिर के पास स्थित होटल में एक दिन के लिए कमरा लिया था। रविवार सुबह चेकआउट करने की बात कही थी।

पुलिस के अनुसार रविवार दोपहर करीब 12 बजे तक विजेंद्र ने कमरा खाली नहीं किया। इस पर होटल स्टाफ उसे बुलाने पहुंचा तो वह बेड पर लेटा

■ नशा मुक्ति केंद्र से भागकर जयपुर आया था युवक

हुआ मिला। स्टाफ उसे जगाए बिना वापस लौट गया। कुछ देर बाद दोबारा कमरे में जाकर जगाने का प्रयास किया तो उसके मृत होने की जानकारी हुई। होटल स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि विजेंद्र नशे का आदी था। परिजनों ने नशे की लत छुड़ाने के लिए उसे करीब तीन महीने पहले झुंझुनूं के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था। शनिवार को मौका पाकर वह केंद्र से निकल गया और जयपुर पहुंच गया। इसके बाद उसने होटल में कमरा लिया। पुलिस को कमरे में उसके शव के पास नशे का इंजेक्शन मिला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

Exploring the Wild Side Responsibly

Observed annually on August 31, National Zoo Awareness Day highlights the vital role zoos play in wildlife conservation, education, and animal welfare. It's a day to reflect on how modern zoos are evolving beyond entertainment to become sanctuaries for endangered species and centers for scientific research. The occasion encourages people to visit their local zoos, learn about animal habitats, and support ethical practices that prioritize the well-being of animals. By raising awareness, the day aims to foster a deeper connection between humans and wildlife, ensuring a more compassionate and sustainable future for all species.

#LICENSE

The Walker's License

"Walking license" existed, which documented a "brisk" pace, fixed routes, and permitted distances for individuals, acting as a "paper trail" for everyday life

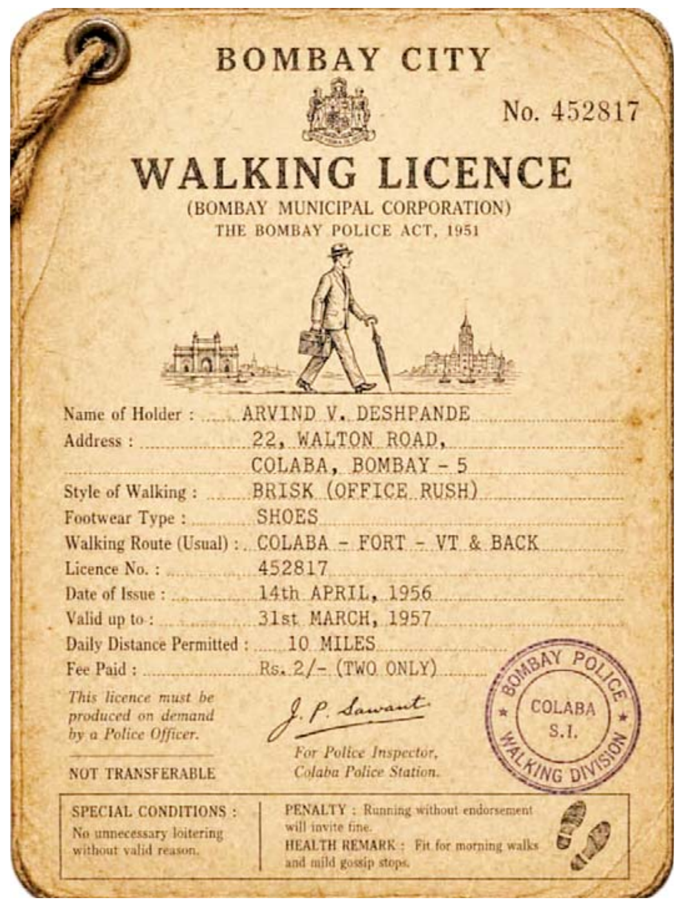

While the notion of a formal, legally mandatory "Walker's License" for every citizen in pre-independence Bombay is largely a blend of official, tongue-in-cheek regulation and historical irony, the city did have stringent regulations on public spaces and specific licenses for commercial walking (hawking).

The "Walking License" Legend

Vintage accounts from the 1950s, shortly post-independence, reflecting earlier colonial attitudes, report that a satirical or highly localized "walking license" existed, which documented a "brisk" pace, fixed routes, and permitted distances for individuals, acting as a "paper trail" for everyday life.

Municipal authorities did manage street traffic and could regulate hawkers or vendors who might impede walking, particularly under colonial-era regulations, according to legal research on hawkers' rights.

For decades, the citizens of Mumbai have complained that street vendors are a menace to the city, blocking roads and pavements. Yet, at the same time, hawkers have flourished, largely because of a well-oiled system of haftas (weekly bribes) paid to the police, municipal officials and illegal rent collectors. After almost three years of planning, last month, the Brihanmumbai Municipal Corporation took its first step to regularise street vending through licensing and creating designated hawking zones. In July, after surveying street vending practices for several months, the municipality began to distribute application forms for hawker licenses. By the end of the month, they had distributed 1.3 lakh forms.

The Mumbai municipality stopped issuing formal licenses to street vendors 40 years ago, leaving a pool of roughly 18,000 authorised hawkers. But Mumbai also has an estimated two lakh or three lakh unofficial hawkers.

The municipality's initiatives were prompted by two important pieces of legislation. The Street Vendors Act, which came into force in May, recognised the rights of hawkers and the need to regulate the informal industry. The National Hawker Policy of 2009 mandated that a city should have at least as many licensed hawkers as 2.5% of its total population. For Mumbai, this works out to three lakh vendors.

So far, the lack of a formal policy on hawkers, both in Mumbai as well as other cities in India, has resulted in a proliferation of street vendors.

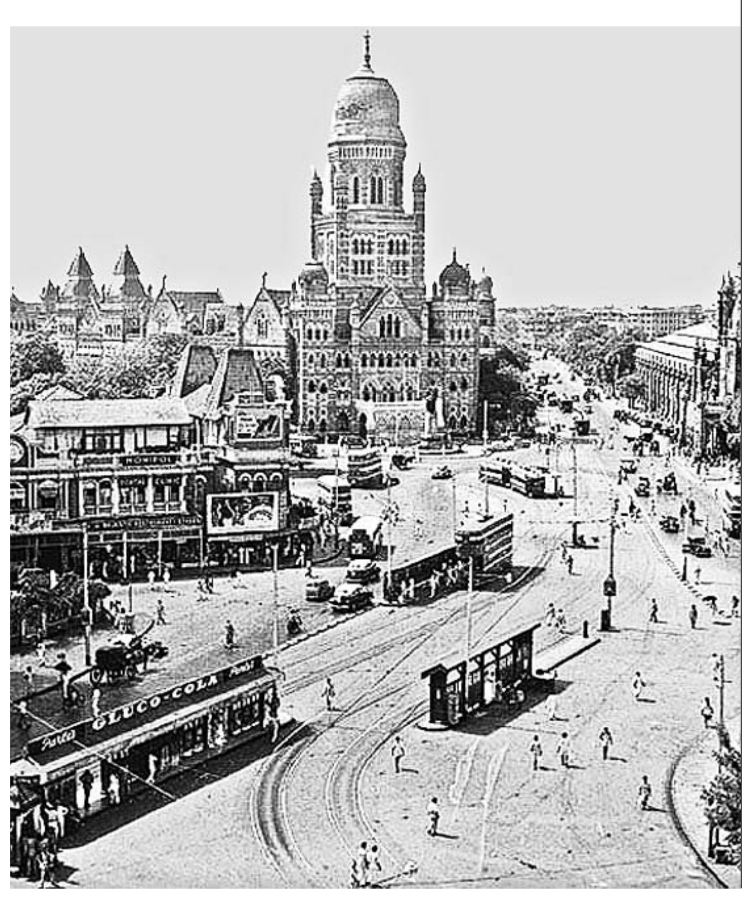

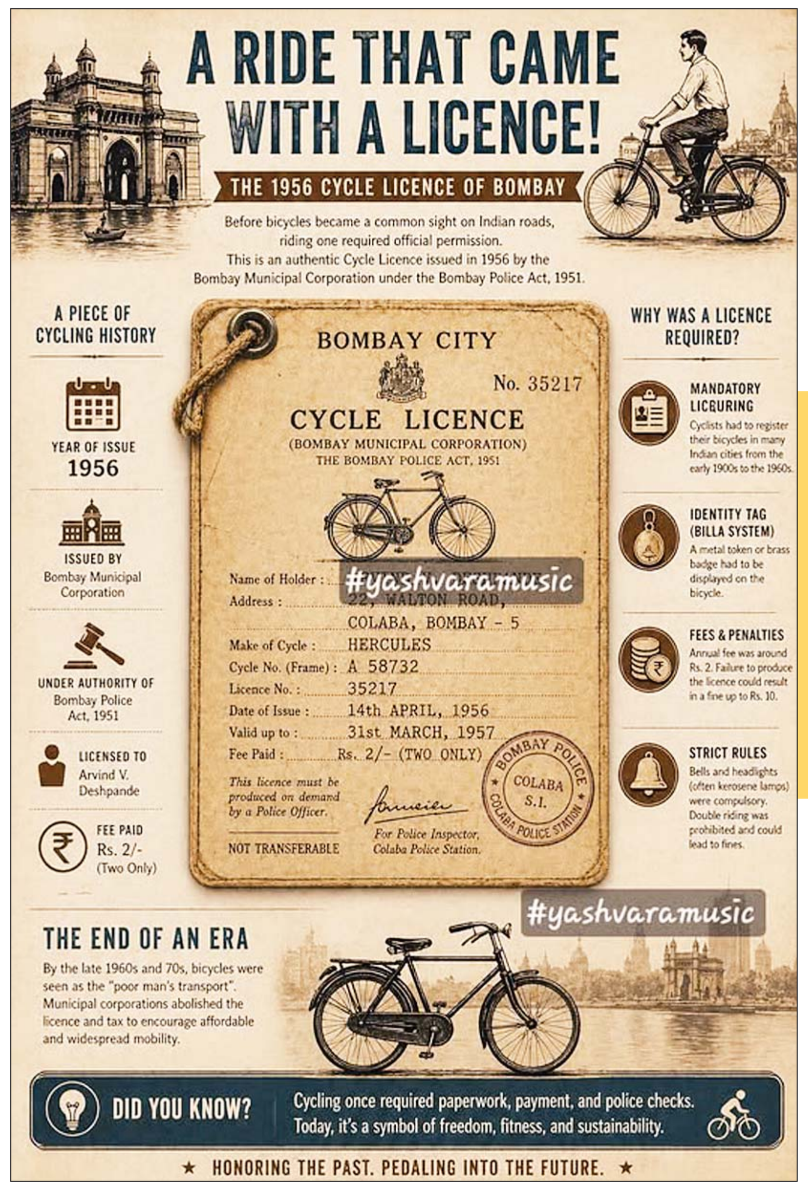

When one needed permit to cycle!

'Halt' boards stared at riders on the major roads in an age when there were no traffic lights. The board was a sign notifying the drivers to come to a complete stop and then proceed, if the way ahead is clear of vehicles and pedestrians. The police would lurk around corners to check if the riders were halting. Many errant bikers paid for their follies with a fine or were marched off to the nearest police station.

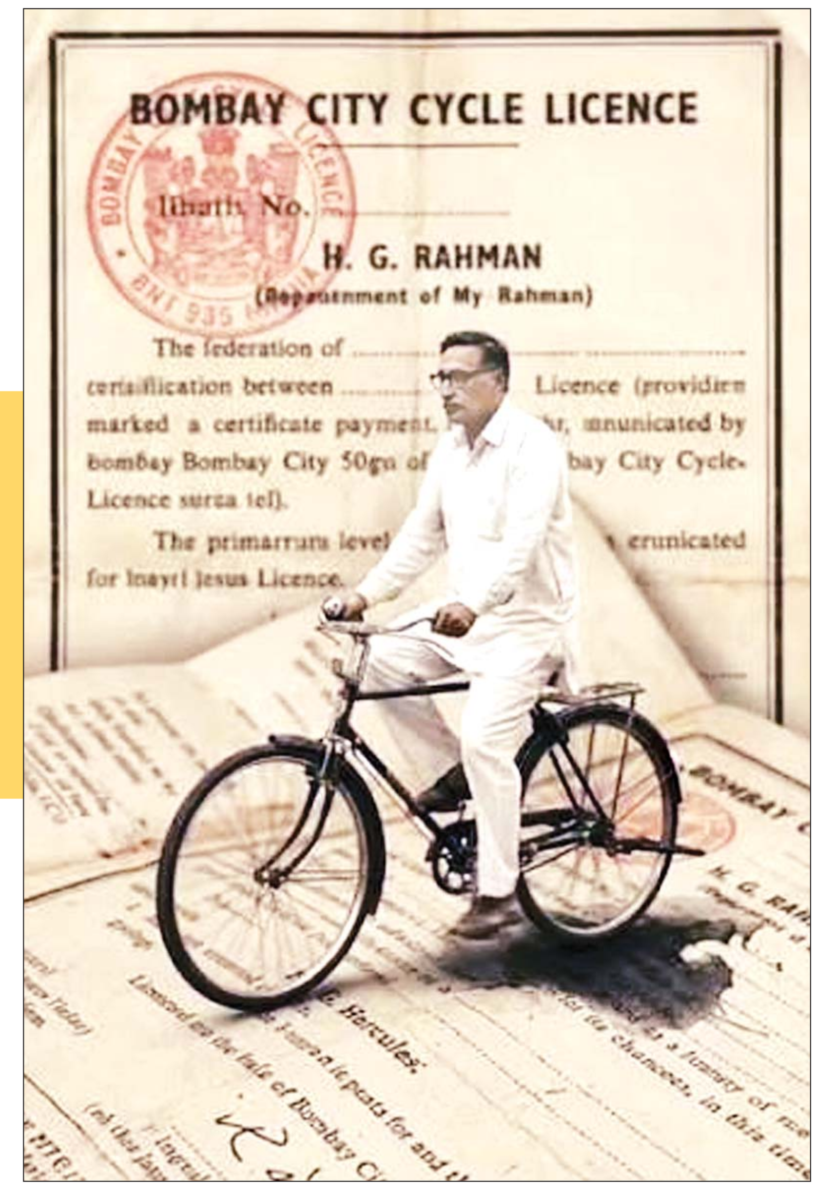

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

It wasn't a police license, it was a municipal "Wheel Tax." Under Section 180 and Schedule G of the Bombay Municipal Corporation Act, 1888, every bicycle was taxed as a vehicle. Instead of a paper license, cyclists got a brass billa (token) fixed to the cycle. No billa, bell, or lamp? You could be stopped, even have your cycle impounded. Failure to produce a license could result in fines up to rupee 10. Even carrying a passenger ("double riding") could lead to penalties.

By the 1970s, the BMC scrapped it. The irony? They were spending more on making brass tokens than earning from the rupee 2 tax.

Moral: The real history is far more interesting than anything viral.

In the old days dominated by the License Raj, it was an offence to wheel down the roads on a bicycle without a valid permit. Though traffic was sparse, one had to apply to the municipal offices for a license to enable one to hit the road. It came in the form of a small tin plate with a number inscribed and a hole punched in the middle. Once this adorned the 'chariot,' you were ready to go! This was the story in the metropolises.

While there is today an outcry over the steep increase in of fines for traffic violations, in the erstwhile princely state of Gondal, there was a time when even bicycle owners needed a license to ride their bicycles.

Interestingly, bicycle owners continued to renew their licenses, for more than a decade after the princely state acceded to the Indian Union in February 1948.

Riding with the headlamp on was compulsory between sunset and sunrise. A bell fitted on the bicycle was compulsory, and riders were required to stay on the left side of the road. Other rules were also listed. Persons intending to turn right had to extend their right arm outwards horizontally before turning. If a person committed a crime using a rented bicycle, the person who rented out the bicycle was mandated to provide all details to the police.

Issued in the name of Bhagvat Singh Ji, Maharaja Thakor Saheb of Gondal, the license was to be renewed every year by paying a fee of 50 paise. If a court found bicyclists guilty of violating any of the 13 rules, a fine of five rupees was to be paid.

'Halt' boards stared at riders on the major roads in an age when there were no traffic lights. The board was a sign notifying the drivers to come to a complete stop and then proceed, if the way ahead is clear of vehicles and pedestrians. The police would lurk around corners to check if the riders were halting. Many errant bikers paid for their follies with a fine or were marched off to the nearest police station.

In the pre-dynamo age, the classic lamp with a wick and kerosene adorned bicycles, as riding without light after dusk was an offence. It had an adjustable wick. One could turn the flame down or up. The lamp was detachable and kept indoors during the day. Some vintage bike lights had a convex lens on the front to improve visibility. They also had a small red rectangular glass on the left and a green one on the right. Periodical cleaning of the lens and the glasses made the flame appear bright. One had to be cautious not to ride over a bump as this caused the oil to spill, and result in an inferno. If the policeman caught you when the light died midway, he would often accept your explanation that the wind put it off, provided the lamp felt warm to his touch!

The inventive among the junta manufactured paper or cardboard cone lamps. These were half-filled with sand and a lighted candle was placed in the middle. Holding the light in one hand, they navigated the cycle with the other.

A maternal granduncle, who possessed a rickety old cycle, always carried a matchbox in his pocket. Whenever gusty wind or pouring rain blew out the kerosene fuelled-lamp, he stopped, struck a match and reignited the wick before proceeding on his way. He would repeat the exercise countless times during the ride if windy conditions persisted. Dynamo-fitted bikes spawned a new breed of thieves who plucked out the small electrical generators and made a minor fortune by selling them in the scrap yard.

#BY LICENSE

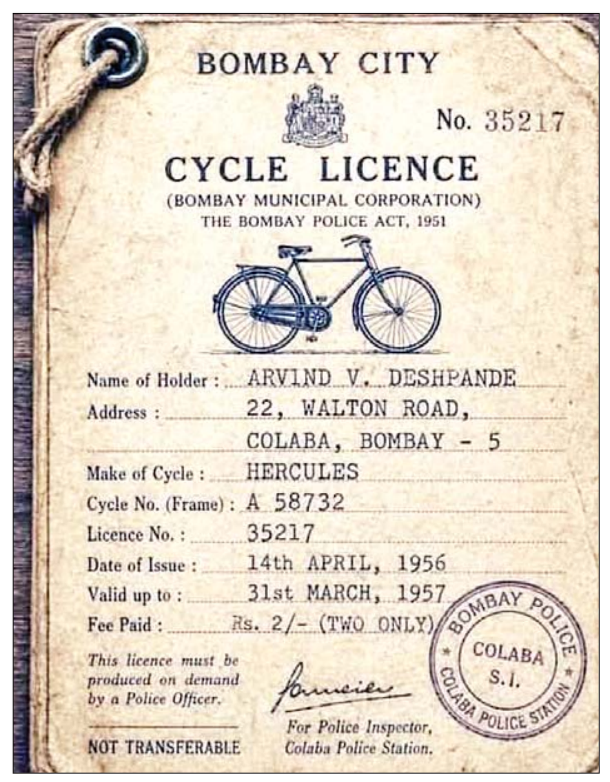

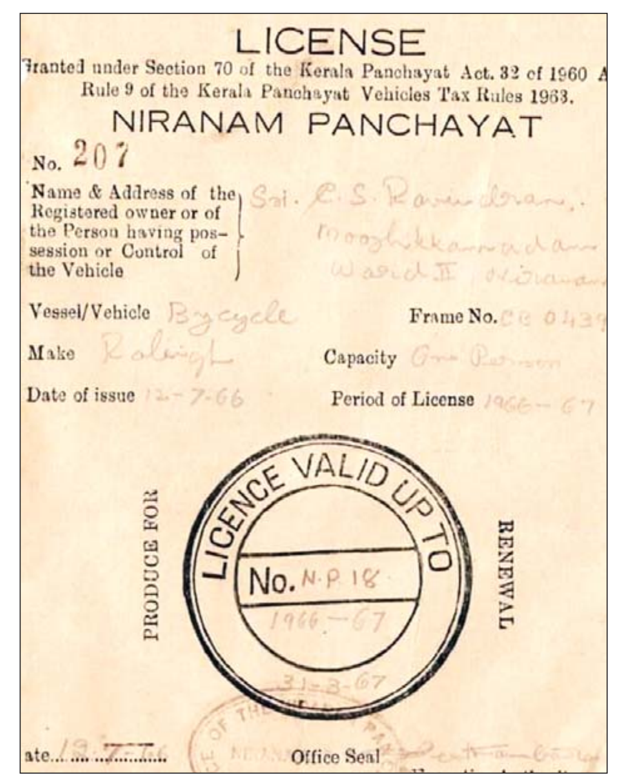

> Just as many people now take pride in owning luxury cars, there was a time when even having a bicycle was considered a status symbol. An antique items collector, Jagroop Singh (35) of Ram Nagar, a businessman dealing in machine tools, has collected 20 registration certificates of bicycles, of a time when there was an annual fee for owning bicycles and riding them.

In the 1950s, owning a cycle was a luxury few could afford, and therefore considered a status symbol. Factories in Bengaluru ferried their employees in buses, easing the need to possess a bike. In most middle or lower middle class families, the bride's family gave away bicycles as prime objects in dowry. My neighbour's late father received a Raleigh bicycle as a wedding gift from his in-laws. The bike cost an unbelievable Rs. 200 then, and he considered it priceless, taking care of it as if it was his child. Those were the days!

Just as many people now take pride in owning luxury cars, there was a time when even having a bicycle was considered a status symbol. An antique items collector, Jagroop Singh (35) of Ram Nagar, a businessman dealing in machine tools, has collected 20 registration certificates of bicycles, of a time when there was an annual fee for owning bicycles and riding them.

"Around 1947, owning a bicycle was considered a big thing in the villages, towns, and cities.

At that time, not many people possessed such means of travel. The panchayat samitis or municipal bodies would issue such licenses (registration certificates) for bicycles, with the fee ranging from Rs. 1 to Rs. 2.75 per year. As there was no traffic police at that time, staff of the local bodies would check the licenses and penalize those who did not have them," said Jagroop.

He added: "Licenses were renewed as well after paying an annual fee. The owner would also have to install a light in front of the bicycle at night time. My grandfather, late Lakshman Singh of Bhutta village, owned a bicycle that time, and he had left the license of a bicycle at home while repairing it. After his death in 2006, as I came to know that such licenses, which were made of gun metal, were needed for bicycles around the time of Independence, I started collecting them."

The antique collector said that he had collected 20 such licenses from different sources, of which 12 were of Punjab, including those from Samrala, Mehal Kalan, Phillaur, Rampura, Sudhar, Noormahal, Kharar, Pakhowal, Dhuri, and Bassi Pathana. He added that other licenses he collected were from other towns and cities of different states, including Ambala, Bikaner, Jawra, Doha Damini, Air Dol, Deolali, and Bhanpura.

By the late 1960s and 70s, authorities began recognizing bicycles as an affordable, essential mode of transport. Licensing systems were gradually abolished to promote mobility for the masses.

rajeshsharma1049@gmail.com

#VALUE

Money Money Money

The Birth of Paper Money: From Ancient Innovation to Global Currency

For much of human history, trade was conducted through barter or the exchange of metal coins. But a transformative innovation, the creation of paper money, revolutionized commerce, economics, and the very concept of value. The story of paper currency begins over a thousand years ago in ancient China and spans continents and centuries.

The Origins: China, 7th Century CE

The earliest known use of paper money occurred during the Tang Dynasty in China (618-907 CE), although it was not widely adopted until the Song Dynasty (960-1279 CE). Initially, merchants used "jiaozi," a form of promissory note, to avoid carrying heavy metal coins over long distances. These notes represented a certain value and were backed by deposits of coins held by trustworthy agents or banks.

By the early 11th century, the Song government took notice of this practice and began officially issuing paper currency, marking the world's first government-backed paper money. These notes were called "jiaochao" and were printed using woodblocks. They were regulated and distributed by the state, offering a more secure and convenient alternative to copper coins.

Expansion and Innovation

China's paper money system evolved over time. The Yuan Dynasty (founded by the Mongols in the 13th century) standardized paper currency across the empire. Under Kublai Khan, paper money became the only legal tender, a radical idea at the time. The famed traveler Marco Polo, who visited China in the 13th century, was astounded by this system and described it in his writings, helping introduce the concept to Europe.

However, over-issuance and lack of backing eventually led to inflation and a loss of public trust. Despite this, the idea of paper currency had taken root.

Arrival in Europe

Paper money didn't appear in Europe until several centuries later. In Sweden, the Stockholm Banco issued the first European banknotes in 1661. These were receipts for deposits and could be exchanged for precious metals. The idea slowly spread across the continent, with banks and governments experimenting with issuing notes to represent value.

By the 18th century, major colonial powers like Britain and France began issuing paper money in their overseas territories. In North America, the Massachusetts Bay Colony issued paper money in 1690 to fund military expeditions, one of the earliest examples of government-issued currency in the Western world.

Modern Paper Money and Fiat Currency

The 20th century saw a major transformation in the concept of money. Most nations abandoned the gold standard, which meant that paper money no longer had to be backed by physical gold or silver. Instead, currency became fiat money, its value was derived from government decree and public trust.

This system allows governments to control money supply and respond to economic needs more flexibly, but also introduces risks like inflation or currency devaluation if mismanaged.

Impact and Legacy

The birth of paper money changed the world.

- Facilitated trade over vast distances.
- Enabled complex financial systems, including banking and credit.
- Reduced reliance on heavy, finite metal resources.
- Paved the way for today's digital currencies and cashless economies.

From the silk routes of ancient China to the global markets of the 21st century, paper money has evolved into a cornerstone of modern civilization.

The invention of paper money was more than a financial innovation, it was a cultural and economic revolution. What began as a simple convenience for Chinese merchants eventually reshaped the world's economies. Today, even as we move towards digital transactions and cryptocurrencies, the legacy of paper money remains foundational in how we understand and use money.

THE WALL

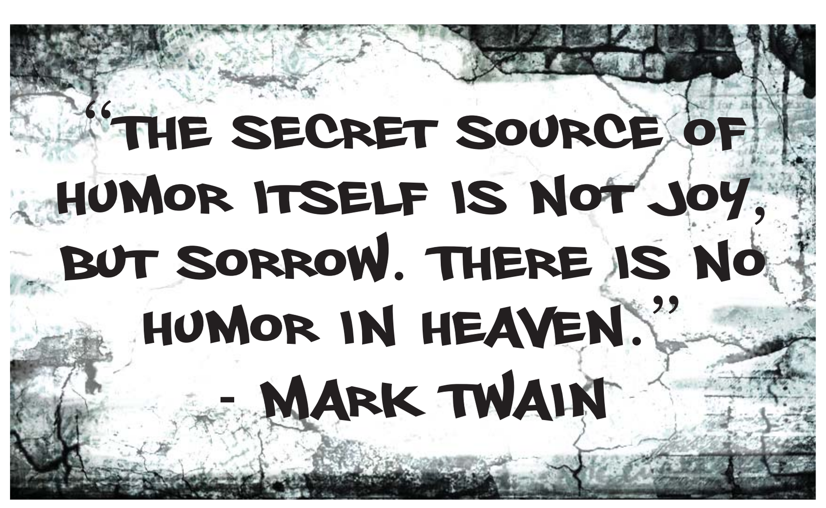

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

मसूदा क्षेत्र में दो दिन से लापता मासूम भाई-बहन के शव तालाब में मिले

रक्षाबंधन पर मां के साथ ननिहाल देदपुरा गांव आए थे दोनों बच्चे

मृतक भाई-बहन के फाइल फोटो।

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र की देवास ग्राम पंचायत के देदपुरा गांव में दो दिन से लापता चल रहे मासूम भाई-बहन के शव रविवार सुबह गांव के तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। हादसे की सूचना मिलते ही मसूदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चों के शव तालाब से बाहर निकलवाए। इसके बाद शवों को मसूदा उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में पहुंचाया गया, जहां पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई।

जानकारी के अनुसार जीवाणा निवासी शंकर सिंह की पत्नी प्यारी देवी रक्षाबंधन के अवसर पर अपने बच्चों सात वर्षीय रीना कुमारी और पांच वर्षीय नरेंद्र सिंह के साथ अपने मायके देदपुरा गांव आई थी। बताया गया कि 28 अगस्त को दोपहर करीब एक बजे दोनों बच्चे अचानक घर से लापता हो गए। काफी तलाश के बावजूद बच्चों का पता नहीं चलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। बच्चों के लापता होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस और परिजन

- **हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चों के शव तालाब से बाहर निकलवाए**

लगातार उनकी तलाश में जुटे रहे। क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर खोजबीन की गई। रविवार सुबह भी परिजन और ग्रामीण तालाब के आसपास बच्चों की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान तालाब के पानी में दोनों बच्चों के शव दिखाई दिए। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मसूदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों शवों को पानी से बाहर निकलवाया। दोनों बच्चों के शव मसूदा उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाए गए। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए।

रामगढ़ चौकी प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि बच्चों के लापता होने के बाद पुलिस की ओर से लगातार दो दिनों तक क्षेत्र में तलाश अभियान चलाया गया था। 30 अगस्त को दोनों बच्चों के शव गांव के तालाब में मिले। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। मासूम भाई-बहन की मौत की खबर के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं घटना से देदपुरा गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

भूखंड बेचान के नाम पर 43 लाख की धोखाधड़ी, फरार आरोपी को पकड़ा

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में भूखंड बेचने के नाम पर 43 लाख की धोखाधड़ी के दर्ज मामले में बोरखेड़ा पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि 15 मार्च को फरियादी जितेंद्र सिंह राजावत ने थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि बोरखेड़ा इलाके में अमित शर्मा ने स्वयं के कब्जे शुदा व स्वामित्व की जमीन बताकर भुखंड बेचान व कॉलोनी के नाम पर उसको भूखंड दिखाया गया व एकमुश्त 43 लाख रुपये प्राप्त कर लिये। रिपोर्ट में कहा कि जब वह भुखंड पर काम करने गया तो खातेदार द्वारा काम नही करने दिया गया व अमित शर्मा के द्वारा बताया गया कि खातेदार व हमारे बीच कोई विवाद हो गया हैं। रिपोर्ट में फरियादी ने कहा कि अमित शर्मा ने ना तो प्लॉट दिया व ना ही पैसे लौटाये व धोखाधड़ी कर रकम हड़प ली है। शहर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले में कार्रवाई के लिए पुलिस उप अधीक्षक हिमाशुं सिह पवार के सुपरविजन में बोरखेड़ा थाना अधिकारी अजीत बागडोलिया के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आरोपी के छिपने के स्थानो पर दबिश दी गई, टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए पंचशील कॉलोनी सुभाष नगर निवासी आरोपी अमित कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने पकड़े गए आरोपी से अनुसंधान के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

वहीं ग्रामीण इलाके की बपावर कलां पुलिस टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग कंपनी की 190 सिम कार्ड, तीन मोबाईल, व दो अलग-अलग बैंक की चैक बुक एवं एटीएम कार्ड को जब्त किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बपावरकलां थाने के उप निरीक्षक थानाधिकारी सुरेश मीणा को मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान से सूचना मिली कि तीन व्यक्ति एक कार में झांसी की रानी पार्क बपावर कलां के पास संदिग्ध अवस्था में बैठे हुए है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पुलिस टीम को देखकर कार में बैठे व्यक्ति कार को लेकर जाने लगे तो पुलिस टीम ने कार को रूकवाकर कार में बैठे व्यक्तियो से पूछताछ की, पूछताछ के दौरान कोई संतोषप्रद जबाव नही मिलने पर पुलिस टीम ने कार में बैठे व्यक्तियों पर संदेह होने पर तीनों को डिटेन कर कार व व्यक्तियों की तलाशी ली गई तो उन व्यक्तियों के कब्जें से अलग-अलग कंपनी की कुल 190 सिमकार्ड, तीन मोबाईल व दो अलग अलग बैंक की चेक बुक व एक एटीएम कार्ड को जब्त किया गया है। पुलिस टीम ने मौके पर जिला गुना मध्यप्रदेश के मेरूखेड़ी निवासी दिलीप अहीरवाल, जिला गुना मध्यप्रदेश के राधवगढ़ निवासी अजय अहीरवाल एवं जिला गुना मध्यप्रदेश के गावरी निवासी कृष्णपाल को गिरफ्तार किया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये तीनों आरोपियों से पूछताछ की गई तो पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बड़े कस्बों में कैनोपी लगाकर सिमकार्ड बेचने का काम करते हैं।

80 वर्षीय वृद्धा के घर लाखों की चोरी का खुलासा, पड़ोसी युवक गिरफ्तार

आरोपी वृद्धा का पड़ोसी है और अन्य सहयोगी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था

मुकुंदगढ़, (निसं)। 80 वर्षीय वृद्ध महिला के घर से लाखों रूपये के सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी चोरी करने के मामले में मुकुंदगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान यश (26) पुत्र चेतन, निवासी वार्ड नंबर 2, मुकुंदगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी वृद्ध महिला का पड़ोसी है और उसने एक अन्य सहयोगी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। मामले में दूसरे आरोपी तथा चोरी किए गए सामान की बरामदगी को लेकर पुलिस का अनुसंधान जारी है।

पुलिस के मुताबिक, 27 अगस्त को परिवादी ने मुकुंदगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 80 वर्षीय ताईजी अकेली रहती है। उनके घर से लाखों रूपये के सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी चोरी हो गई। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल विशेष टीम का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू की। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से संदिग्धों के संबंध में जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस ने 30 अगस्त को संदिग्ध यश को दस्तयाब किया। अनुसंधान के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी यश वृद्ध महिला के पड़ोस में ही रहता है। वारदात के समय 80 वर्षीय वृद्धा आरोपी की दादी से मिलने के लिए उनके घर गई हुई थी। वृद्धा के घर पर अकेले होने का फायदा उठाकर आरोपी ने अपने एक अन्य सहयोगी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस अब वारदात में शामिल अन्य सहयोगी आरोपी की तलाश के साथ ही चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण एवं अन्य सामान की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्त में

गंगापुर सिटी, (निसं)। साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सदर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर म्यूल अकाउंट का उपयोग कर साइबर धोखाधड़ी की राशि प्राप्त करने का आरोप है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मच्छीपुरा निवासी उदयसिंह (25) पुत्र मोहरसिंह गुर्जर को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में बूचौलाई निवासी मनीष पुत्र काडू को भी नामजद किया गया है। इन दोनों पर संगठित होकर साइबर फ्रॉड करने और ठगी गई राशि को प्राप्त करने के लिए बैंक खातों का उपयोग करने का आरोप है। यह कार्रवाई एएसपी गंगापुर सिटी नारायण लाल तिवारी और सीआई गिर्राज प्रसाद के सुपरविजन में की गई। सदर थाने में उदयसिंह और मनीष के खिलाफ विभिन्न धाराओं के साथ-साथ आईटी एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया।

नगर निकाय चुनाव को लेकर धौलपुर पुलिस का फ्लैग मार्च

धौलपुर, (निसं)। आगामी नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में आज धौलपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। धौलपुर, बाड़ी में संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों व जवानों ने पैदल एवं वाहनों के माध्यम से फ्लैग मार्च कर आमजन को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण का भरोसा दिलाया।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, मतदान केन्द्रों के आसपास तथा संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान आमजन से आगामी चुनाव के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में जिले में चुनाव के दौरान मतदाताओं को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था की जा रही है। फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करना तथा चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों को स्पष्ट संदेश देना है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फ्लैग मार्च के साथ-साथ पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की निगरानी, पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर तथा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाई गई है। चुनाव के दौरान अवैध शराब, हथियार, मादक पदार्थों की तस्करी, धनबल अथवा अन्य किसी माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों पर भी पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा माहौल बिगाड़ने वाली सामग्री प्रसारित करने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। कानून-व्यवस्था प्रभावित करने अथवा अफवाह फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एरिया डोमिनेशन अभियान में कई आरोपी गिरफ्तार

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ पुलिस ने क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया।

अभियान के दौरान पुलिस ने अलग-अलग मामलों में वांछित आरोपियों सहित एक दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में कई लोगों को शांतिभंग के आरोप में हिरासत में लिया गया। वहीं गश्त के दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को सट्टा पर्ची लिखते हुए रंगे हाथों पकड़कर कार्रवाई की।

पुलिस की लगातार कार्रवाई से असामाजिक तत्वों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखने तथा कानून व्यवस्था कायम रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की है।

धारदार हथियार से युवक पर हमला

रास्ते में घेरकर किए वार, बाइक से लौट रहा था घर

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पांड्यावाड़ा गांव में शनिवार रात एक युवक पर धारदार हथियारों से हमला किया गया। बाइक से घर लौट रहे युवक को रास्ते में घेरकर हमलावरों ने वार किए, जिससे वह घायल हो गया। परिजनों ने उसे डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना शनिवार रात की है। पांड्यावाड़ा निवासी रमेश परमार पुत्र शंकर परमार अपने चचेरे भाइयों मोहन और गोवर्धन के साथ बाइक पर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में 12 से ज्यादा लोगों ने उनकी बाइक रोक ली। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, हमलावरों ने धारदार हथियारों से रमेश पर हमला कर दिया। हमले के दौरान हुए शोर को सुनकर आसपास के ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो रमेश के सिर और कंधे पर चोटें आई थीं। परिजनों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को बुलाया और घायल रमेश को डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। पीड़ितों ने कल्याणपुर थाने में हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश में जगह-जगह दबिश दी जा रही है।

युवक को लाठी-डंडों से पीटा

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र में एक युवक को लाठी-डंडों से पीटकर लूट लिया गया। बदमाश युवक से 15 हजार रुपए नकद और उसका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। घायल युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, अन्नपुरा निवासी रामलाल अहरी अपनी मासी के घर से पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सुनसान रास्ते में 4 से 5 अज्ञात बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और हमला कर दिया। बदमाशों ने रामलाल को लाठी-डंडों और लात-घूसों से पीटा। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल रामलाल को गेजी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रामलाल के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रामदेवरा जा रहे श्रद्धालु की बाइक को डंपर ने टक्कर मारी, पति-पत्नी घायल

जोधपुर, (कासं)। बाबा रामदेवजी मेले में दर्शन के लिए रामदेवरा जा रहे जातरू की बाइक को तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पति और उसकी गर्भवती पत्नी गंभीर घायल हो गए, जबकि उसकी डेढ़ साल की बेटी को मामूली चोट आई है। हादसे में युवक के दोनों पैर कुचल गए हैं। घायलों को जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- **हादसे में डेढ़ साल की बेटी को मामूली चोट आई, युवक के दोनों पैर कुचल गए**
- **घायलों को जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है**

हादसा रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे कायलाना सर्किल के पास हुआ। उदयपुर निवासी सोहनलाल (30) पुत्र नाताराम अपनी पत्नी केली बाई (28) और डेढ़ साल की बेटी के साथ शनिवार शाम बाइक से बाबा रामदेव मंदिर, रामदेवरा में दर्शन के लिए रवाना हुआ था। रात में सुमेरपुर में रुकने के बाद रविवार सुबह वे जोधपुर पहुंचे। कायलाना सर्किल से रामदेवरा की ओर जाते समय पीछे से तेज गति से आए डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक डंपर के नीचे तक जा घुसी। हादसे में सोहनलाल को गंभीर चोट आई है, जबकि पीछे बैठी उसकी गर्भवती पत्नी भी घायल है। उनकी डेढ़ साल की बच्ची को मामूली चोट आई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस के जरिए घायलों को अस्पताल भिजवाया वहीं सूचना मिलने के बाद सूरसागर थाना पुलिस और प्रताप नगर सदर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने नगर निगम से अनुबंधित डंपरों को लेकर विरोध जताया। उनका कहना था कि यहां से रोजाना तेज स्पीड में डंपर दौड़ते हैं, इसकी वजह से हादसे होते हैं। लोगों ने डंपरों की रफ्तार पर लगाम लगाने और यातायात व्यवस्था को लेकर कार्रवाई की मांग की।

रिश्ते के भाई ने भाई पर कुल्हाड़ी से हमला किया

खाना बनाने में मदद के लिए बुलाया था, मामला दर्ज

रतनगढ़, (निसं)। तहसील के गांव सांगासर में खाना बनाने में मदद के लिए बुलाए गए 27 वर्षीय युवक पर रिश्ते के भाई ने कथित रूप से कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। घटना को लेकर श्यामलाल पुत्र बैगाराम जाट ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया है।

रिपोर्ट के अनुसार 28 अगस्त की रात श्यामलाल कुएं से घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान रिश्ते के भाई जयकृष्ण पुत्र मोटाराम ने उसे खाना बनाने में मदद के लिए बुलाया। श्यामलाल के अनुसार जयकृष्ण शराब के नशे में था। इसी दौरान उसके पास फोन आया और वह गुस्से में बात करने लगा। श्यामलाल आंगन में चारपाई पर बैठकर फोन चला रहा था, तभी पीछे से जयकृष्ण ने उस पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। भागने का प्रयास करने पर भी उस पर हमला किया गया, जिससे वह गिरकर घायल हो गया। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। आरोप है कि जयकृष्ण मौके से फरार होते समय श्यामलाल का मोबाइल भी ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धौलपुर में विवाहिता का शव खेत में पेड़ के नीचे मिला

धौलपुर, (निसं)। जिले में रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पहले बहन का शव मिलने के बाद उसके तीनों भाइयों की कलाई सूनी रह गई। बहन की मौत ने पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। मामला जिले के आंगई थाना इलाके के चिलाचोंद गांव का है, जहां 28 वर्षीय विवाहिता का शव खेत में नीम के पेड़ के नीचे मिला है। महिला के गले में फंदा लगा था। उसके शरीर और खेत में खून के निशान मिले हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस और सरमथुरा सीओ दुलीचंद मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम कराया है। मृतका के पिता ने बेटी की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप ससुराल पक्ष और उसके पति पर लगाया है। साथ ही, पति के अन्य महिला से संबंध और दहेज की मांग को लेकर मामला दर्ज कराया है। मामले की जांच सरमथुरा सीओ दुलीचंद द्वारा की जा रही है।

- **महिला के गले में फंदा लगा था, शरीर और खेत में खून के निशान मिले**

धौलपुर के खेमरी निवासी मृतका के पिता मंगल सिंह ने पुलिस थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया है कि उन्होंने अपनी 28 वर्षीय पुत्री जानकी बाई की शादी तीन साल पहले चिलाचोंद गांव निवासी सुनील मीणा पुत्र नेकराम मीणा से की थी। सुनील सीएचसी धन्नू का पुरा में मेल नर्स के पद पर तैनात है। शादी में दहेज के रूप में साढ़े बारह लाख रुपये नकद दिए थे और साढ़े तीन लाख रुपये का सामान दिया था। शादी के एक साल बाद जानकी बाई ने अपने पिता को बताया कि उसका पति उसके साथ गलत व्यवहार करता है। परिजनों ने बेटी को समझाकर ससुराल वापस भेज दिया, लेकिन उसकी शिकायतें जारी रहीं। उन्होंने कई बार ससुराल वालों और उसके पति सुनील से समझाइश भी की थी। इसके बाद पुत्री ने उन्हें बताया कि सुनील उससे नफ़रत करता है, रात को देरी से आता है और घर से चले जाने के लिए कहता है। इसके बाद भी वे दो-तीन लोगों को लेकर बेटी के ससुराल पहुंचे और सुनील को काफी समझाया। सुनील 20 लाख रुपये की डिमांड करता था और उसके किसी अन्य महिला नर्स से संबंध थे।

मंगल सिंह ने बताया कि बुधवार की शाम करीब 8 बजे उनकी बेटी का फोन आया था। बेटी जानकी बाई ने कहा, "पापा, वे नहीं बदले। आपने कहा था बदल जाएंगे, लेकिन फिर भी सुनील इसी तरह बात कर रहा है।" इसके बाद उन्हें बेटी के रोने की आवाज आई और फोन कट गया, फिर बेटी से कोई बात नहीं हो पाई। उन्होंने गांव के एक परिचित को ससुराल जाकर समझाने के लिए भी कहा था। गुरुवार की सुबह उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी की मौत हो गई है और उन्हें जल्द आने के लिए कहा गया। जब वे मौके पर पहुंचे, तो बेटी का शव खेत में खून से लथपथ पड़ा था। मृतका अपने पीछे दो साल की एक बेटी छोड़ गई है। मृतका के पिता मंगल सिंह ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी के पति सुनील मीणा के किसी महिला नर्स से संबंध थे, जो अलग सरकारी अस्पताल में नौकरी करती है। इस वजह से सुनील उनकी पुत्री के साथ गलत व्यवहार करता था। इस मामले में भी सुनील को कई बार समझाया गया, लेकिन वह नहीं माना और पुत्री की पीट-पीटकर हत्या कर दी।

मामले को लेकर एसआई चंद्रभान सिंह ने बताया कि चिलाचोंद गांव में एक महिला द्वारा आत्महत्या की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद मौके पर सीओ दुलीचंद और आंगई थाना एसएचओ पुलिस जाब्ते के साथ पहुंचे और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। शव को कब्जे में लेकर बाड़ी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। प्रथमदृष्टया ऐसा लग रहा है कि मृतका के गले में फांसी का फंदा लगा था और रस्सी टूटने से सिर में चोट लगने के कारण मौत हुई है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

सीकर जिले से दो युवतियां लापता, मामले दर्ज

सीकर, (निसं)। सीकर में 26 साल की युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने बताया कि युवती रात को घर पर ही थी, लेकिन सुबह उठने पर वह गायब मिली। वहीं स्कूल से बच्चों के लाने गई 35 साल की महिला भी बच्चों सहित लापता है। दोनों मामलों में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार 26 साल की युवती के पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 26 अगस्त की रात परिवार के सभी सदस्य घर पर ही सो रहे थे, लेकिन अगले दिन सुबह उठकर देखा तो उनकी बेटी घर पर नहीं मिली। इसके बाद उसकी आस-पड़ोस और रिश्तेदारी में भी काफी तलाश की गई। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। अंदेशा है कि कोई उसका किडनैप करके ले गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वहीं 35 साल की महिला के पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 25 अगस्त की दोपहर करीब 12 बजे उनकी पत्नी 12 साल की बेटी और 11 साल के बेटे को स्कूल से वापस घर लाने के लिए निकली थी, लेकिन स्कूल से बच्चों को लेने के बाद वह घर पर नहीं आई। दो से तीन दिन परिवार ने काफी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। महिला के पास एक मोबाइल भी था जो भी अब लगातार स्विच ऑफ आ रहा है। फिलहाल पुलिस अब मोबाइल लोकेशन सहित अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

श्मशान घाट में चिता से छेड़छाड़ का आरोप

गंगापुर सिटी, (निसं)। चूलीगेट स्थित श्मशान घाट में शुक्रवार रात चिता से छेड़छाड़ करने के आरोप में कोतवाली थाना पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। श्मशान घाट में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने तीनों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है। कोतवाली थाना प्रभारी करण सिंह राठौड़ ने बताया कि शुक्रवार रात परिजनों की ओर से सूचना मिली थी कि श्मशान घाट में तीन युवक चिता से छेड़छाड़ कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। वहां तीन युवक मिले, जिन्हें पुलिस हिरासत में लेकर थाने लाई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान ललित पुत्र राजू निवासी उनियारा, टोंक, राहुल पुत्र तेज सिंह निवासी कीरपाड़ा, नसिया कॉलोनी गंगापुर सिटी और बनवारी पुत्र तेज सिंह निवासी कीरपाड़ा, नसिया कॉलोनी गंगापुर सिटी के रूप में हुई है। पुलिस थाना प्रभारी करण सिंह राठौड़ के अनुसार तीन युवकों द्वारा चिता से छेड़छाड़ किए जाने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

बूंदी में ऐतिहासिक 15 दिवसीय कजली तीज का मेला आज से

बूंदी, (निसं)। नगर परिषद द्वारा आयोजित प्रदेश भर में प्रसिद्ध ऐतिहासिक व ख्याति प्राप्त कजली तीज मेले का आगाज 31 अगस्त को शोभायात्रा के साथ होगा। शोभायात्रा बालचंदपाड़ा से शुरू होगी जो निर्धारित मार्ग से होती हुई कुंभा स्टेडियम मेला स्थल पहुंचेगी। इसी के तहत 15 दिवस के रंगारंग कार्यक्रम शुरु हो जाएगे। मेले के सभी कार्यक्रमों को अंतिम रूप दे दिया गया है। 31अगस्तव 1 सितंबर को तीज माता की सवारी निकलेगी, जिसमें श्रृंगार किए हुए गजराज, बैंडबाजे व बाबा बलवंत सिंह जी की सवारी एवं आकर्षक झांकियों के साथ सजी धजी तीज माता की प्रतिमा होगी। नगर परिषद ने सभी नागरिक और व्यापारिक बंधुओं से मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने और अपने प्रतिष्ठानों की अच्छी सजावट करने की अपील की है।

- **शाही ठाठ-बाट के साथ निकलेगी शौर्य श्रृंगार की प्रतीक कजली तीज माता की सवारी**

नगर परिषद आयुक्त ब्रजेश राय ने बताया कि मेले का मुख्य आकर्षण तीजमाता की शाही सवारी होगी। 31 अगस्त को शाम 5 बजे रामप्रकाश टॉकीज से तीजमाता की सवारी शुरू होगी, जो सदर बाजार, चौमुखा बाजार, चौगान बाजार, सब्जी मंडी रोड, सूर्यमल्ल मिश्रण चौराहा और पुरानी नगर परिषद के आगे से होते हुए कुम्भा स्टेडियम पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि एक सितंबर को भी शाम 5 बजे से रामप्रकाश टॉकीज से तीजमाता की सवारी शुरू होगी जो चौमुखा बाजार, चौगान दरवाजा, इंद्रामार्केट, एक खंभे की छतरी से होती हुई खोजा गेट रोड से कुम्भा स्टेडियम मेला स्थल पहुंचेगी। जिसके साथ मेला मंच पर अलगोजा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। सवारी के दौरान अलगोजा कार्यक्रम पेश करने वाली ग्रामीण पार्टियों में से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को पारितोषिक वितरण किया जाएगा। मौसम को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्था की गई है।

नगर परिषद आयुक्त ने बताया किकजली तीज मेले में आमजन के मनोरंजन के लिए प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से सांस्कृतिक, धार्मिक, कवि सम्मेलन एवं विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत 2 सितंबर को भजन संध्या, 3 को पर्यटन विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, 4 को जन्माष्टमी महोत्सव, 5 को राजस्थानी कवि सम्मेलन, 6 को स्कूली बच्चों का कार्यक्रम, 7 को रंगारंग कार्यक्रम, 8 को राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम, 9 को देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम, 10 को सांस्कृतिक कार्यक्रम, 11 को बॉलीवुड नाइट कार्यक्रम, 12 को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, 13 को स्टार नाइट कार्यक्रम तथा 14 को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

आयुक्त ने बताया कि नगर परिषद ने मेला स्थल पर स्वच्छता को लेकर निर्देश जारी किए हैं। मेला मैदान में पॉलिथीन के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।

सार-समाचार

कोटपूतली में आवेदन समय पर प्रस्तुत करना अनिवार्य

कोटपूतली। जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम के प्रथम रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव के तहत किसी अभ्यर्थी को किसी राजनीतिक दल द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी तभी माना जाएगा, जब निर्वाचन संबंधी निर्धारित प्रक्रिया एवं प्रावधानों की पालना की गई हो। उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग ने आमजन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की जानकारी के लिए राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए हैं। निर्देशानुसार अभ्यर्थी द्वारा अपने नाम निर्देशन पत्र में यह घोषणा की गई हो कि उसे संबंधित राजनीतिक दल द्वारा अभ्यर्थी के रूप में खड़ा किया गया है। इसके साथ ही संबंधित राजनीतिक दल के अध्यक्ष, राज्य इकाई के प्रमुख अथवा इस संबंध में उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षिरत प्ररूप 'ख' में अभ्यर्थी को दल द्वारा खड़ा किए जाने की लिखित सूचना नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि को अपराह्न 03 बजे तक रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। यदि राजनीतिक दल के अध्यक्ष अथवा राज्य इकाई के प्रमुख द्वारा राजस्थान नगरपालिका निर्वाचन नियमों के नियम 12 के उपनियम (2) के प्रावधानों के अंतर्गत किसी अन्य व्यक्ति को इस संबंध में अधिकृत किया गया है और उस अधिकृत व्यक्ति द्वारा रिटर्निंग अधिकारी को पत्र प्रस्तुत किया जाता है, तो अधिकृत व्यक्ति के नमूने के हस्ताक्षर वाला प्ररूप 'क' भी नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि को अपराह्न 03 बजे तक रिटर्निंग अधिकारी के पास उपलब्ध कराया जाना आवश्यक होगा। निर्वाचन विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्ररूप 'क' एवं प्ररूप 'ख' पूर्वोक्त पदाधिकारी अथवा अधिकृत व्यक्ति द्वारा केवल स्याही से हस्ताक्षिरत किए गए होने चाहिए। अभ्यर्थियों एवं संबंधित राजनीतिक दलों से निर्धारित प्रक्रिया का समयबद्ध रूप से पालन सुनिश्चित करने की अपील की गई है, ताकि किसी प्रकार की तकनीकी कमी के कारण अभ्यर्थी को राजनीतिक दल के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में मान्यता संबंधी परेशानी का सामना ना करना पड़े।

वार्ड 6 में चुनावी सरगर्मियां तेज

मनोहरपुर । नगर निकाय चुनाव को लेकर वार्ड नंबर 6 मेंचुनावी माहौल गरमाने लगा है और प्रत्याशियों ने जनसंपर्क तेज कर दिया है।कांठोस प्रत्याशीश्रीमती सरिता अठावालने वार्डवासियों से हाथ के निशान पर मतदान कर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। सरिता अग्रवाल ने कहा किक्षेत्र के विकास और बेहतर भविष्य के लिए उनका समर्थन करें।वहीं चुनावी मैदान में बढ़ती सक्रियता के बीच वार्ड में राजनीतिक चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है। प्रत्याशी मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में लगे हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की खण्ड कार्यकारिणी का गठन

टोंक। रविवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (विद्यालय शिक्षा) टोंक की खंड कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न हुए। साधारण सभा के सदस्य शिवजी लाल कीर ने बताया कि खंड पालक देवराज सिंह राजावत एवं जिला मन्त्री ओमप्रकाश शर्मा जिला की देखरेख में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया। कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर सुरज्ञान गुर्जर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर लाल शर्मा, उपाध्यक्ष कैलाश प्रजापत, महिला उपाध्यक्ष पिंकी जैन, कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार विजय को मनोनीत किए गए है।

शराब पीकर गाली देने से रोका तो घर में घुसकर महिलाओं को पीटा

- एक ही परिवार की करीब आधा दर्जन महिलाएं घायल
- मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच झगड़ा होता दिखाई दे रहा है।

गांव जयचौली में शराब पीकर गाली–गलौज करने से रोकने पर दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसमे छह जने घायल हो गये।

भरतपुर (निसं)। उच्चौन थाना क्षेत्र के गांव जयचौली में शराब पीकर गाली–गलौज करने से रोकने पर दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद एक पक्ष के लोग अपने परिजनों के साथ लाठी, डंडे और सरिए लेकर दूसरे परिवार के घर में घुस गए और महिलाओं समेत परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। घटना में एक ही परिवार के 6 लोग घायल हो गए। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच झगड़ा होता दिखाई दे रहा है।

पीड़िता रेनू चौधरी निवासी जयचौली ने बताया कि शनिवार देर रात उनके पड़ोसी सिकंदर, अवनीश, इन्दर और अंगद शराब के नशे में गांव में आए थे। आरोप है कि चारों युवक उनके घर के बाहर खड़े परिवार के सदस्यों को गालियां देने लगे। परिवार के लोगों ने उन्हें गाली–गलौज नहीं करने के लिए टोका, जिसके बाद चारों युवक झगड़े पर उतारू हो गए। रेनू चौधरी के अनुसार, पहले चारों युवक वहां से चले गए, लेकिन कुछ देर बाद वे अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ लाठी, डंडे और सरिए लेकर उनके घर पहुंच गए। उस समय परिवार के लोग घर में बैठकर खाना खा रहे थे।

आरोप है कि सिकंदर, अवनीश, इन्दर, अंगद, गौकलेश, सीमा, सिद्धार्थ, मधु, गौरी और मनु समेत अन्य लोगों ने घर में घुसकर परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से घर में अफरा–तफरी मच गई। हमले में रेनू के परिवार के गुड्डन, रेनू, रचना, सपना, ललितेश और मयंक घायल हो गए। बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ लोगों को गंभीर चोटें आई हैं।

घटना के दौरान वहां मौजूद लोगों ने मारपीट का वीडियो भी बना लिया, जो अब सामने आया है। हमले के बाद आरोपी पक्ष के लोग मौके से फरार हो गए। इसके बाद परिजन सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार कराया गया।

एक के बाद एक चोरी की वारदातों से विराटनगर पुलिस पर उठे सवाल

- मैड कस्बे के बस स्टैंड स्थित बालाजी मंदिर के ताले तोड़कर दानपात्र पर किया हाथ साफ

पावटा । विराटनगर थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। एक के बाद एक चोरी की वारदातों को अंजाम देकर चोर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती दे रहे हैं। ताजा मामला मैड कस्बे के बस स्टैंड स्थित बालाजी मंदिर का है, जहां अज्ञात चोरों ने मंदिर के ताले तोड़कर दानपात्र पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। बताया जा रहा है कि चोरों ने मंदिर के ताले तोड़े और अंदर प्रवेश कर दानपात्र को निशाना बनाया। सुबह जब मंदिर पहुंचे लोगों को ताले टूटे हुए मिले तो चोरी की वारदात का पता चला।

सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। विराटनगर थाना क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कहीं घरों को निशाना बनाया जा रहा है तो कहीं दुकानों और धार्मिक स्थलों में चोरी की वारदातें हो रही हैं। इसके बावजूद चोरों में पुलिस का खौफ नजर नहीं आ रहा है। ताजा मामले में मंदिर चोरी की घटना ने विराटनगर थाना पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि रात के समय पुलिस की प्रभावी गश्त और निगरानी होती तो चोरों के हौसले इतने बुलंद नहीं होते। लगातार हो रही चोरी की वारदातों को लेकर क्षेत्रवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और पुलिस उन्हें रोकने में नाकाम नजर आ रही है।

धार्मिक स्थलों तक को चोर निशाना बनाने लगे हैं, जिससे लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने, संदिग्ध लोगों पर नजर रखने और पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं का जल्द खुलासा करने की मांग की है। अब देखना यह होगा कि बालाजी मंदिर में हुई चोरी की इस वारदात का पुलिस कितनी जल्दी खुलासा करती है और क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

95 असहाय महिलाओं को आर्थिक सहायता

निवाई। मानव सेवा समिति के तत्वावधान में पुराना बड़ौदा बैंक, सब्जी मंडी परिसर में सामाजिक सरोकार के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र की 95 असहाय व विधवा महिलाओं को प्रति महिला 100 रुपये प्रति माह के हिसाब से कुल 9 हजार 500 रुपये की नकद आर्थिक सहायता राशि वितरित की गई। समिति के अध्यक्ष बाबूलाल गिन्दोडी ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि असहाय लोगों की सेवा करना ही सबसे बड़ी मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को मानव कल्याण के इस पुनीत कार्य में आगे आकर निरंतर अपनी सेवा देते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इस अवसर पर समिति के नरेन्द्र बुकसेलर, जयकुमार गिन्दोड़ी व नरेश कुमार जैन सहित कई लोग मौजूद थे।

सार-समाचार

शैक्षिक महासंघ की नई कार्यकारिणी गठित, सर्वसम्मति से अनुराग प्रिय शर्मा बने खंड अध्यक्ष

लालसोट। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) की लालसोट खंड साधारण सभा में संगठनात्मक मजबूती और शिक्षक हितों को नई धार देने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। सभा में श्री अनुराग प्रिय शर्मा को सर्वसम्मति से लालसोट खंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया । संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस दायित्व के साथ अनुराग प्रिय शर्मा पर लालसोट खंड में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा शिक्षक हितों की आवाज को प्रभावी मंच प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साधारण सभा में संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धित, कार्यकर्ता के दायित्वों एवं संगठन विस्तार को लेकर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया गया। अनुराग प्रिय शर्मा के अध्यक्ष मनोनीत होने पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं इस अवसर पर नई खंड कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। इसमें रमेश चंद्र मीना को खंड मंत्री, राजेश सैनी को कोषाध्यक्ष, मुकेश पुरोहित को वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा नविता गौतम को महिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। खंड पालक शिवदान सिंह राठौड़ एवं संगठन मंत्री गुलाबचंद शर्मा द्वारा मनोनयन प्रक्रिया संपन्न कराई गई। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन हनुमान प्रसाद शर्मा ने किया। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद अनुराग प्रिय शर्मा ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस दायित्व को पूरी निष्ठा, सक्रियता और समर्पण के साथ निभाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक हितों की आवाज को मजबूत करने के साथ संगठन को लालसोट खंड के प्रत्येक शिक्षक तक प्रभावी रूप से पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। सभा में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि अनुराग प्रिय शर्मा के नेतृत्व में लालसोट खंड में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनेगा।

देशहित में कार्य करने का संकल्प

मनोहरपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण का नगर पालिका मनोहरपुर के वार्ड नंबर 7 में सामूहिक रूप से सीधा प्रसारण सुना गया। कार्यक्रम में ममता संपूर्णानंद शर्मा की मौजूदगी में वार्डवासियों ने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और देशहित के संदेशों को आत्मसात किया। इस दौरान ममता संपूर्णानंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन से राष्ट्रसेवा और समाजहित में कार्य करने की नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। 'मन की बात' के माध्यम से देश के विकास, जनकल्याण और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ रही है। कार्यक्रम में मीना सेन, कविता सेन, मैना टेलर, सरोज हसीन, बीनू मित्तल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं वार्डवासी मौजूद रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों की सराहना करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

डीएपी उर्वरक के लिए आंदोलन 8 सितंबर से

निवाई। कृषि उपज मंडी में किसान महापंचायत के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष गोपीलाल जाट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। जिसमें किसानों को डीएपी उर्वरक का समय पर वितरण करवाने सहित कई महत्वपूर्ण मुददों पर चर्चा की गई। ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ सिंह पलेई ने बताया कि डीएपी उर्वरक के लिए सभी गांवों में भारी किल्लत हो रही है, जिससे किसान दर–दर भटक रहे हैं और उन्हें खाद नहीं मिल रहा है।

खोया पाया

मेरा प्लाट नं. L-67, रवि किरन विहार, मोहनपुरा, सांगानेर का मूल JDA पट्टा कहीं खो गया है। कृपया मिलने पर सूचित करें जगमोहन बन्डोलिया 9461670744

मेरे प्लाट A-258, JDA स्कीम सालिगरामपुरा, जगतपुरा जयपुर का मूल कब्जा-पत्र (Possession Letter) कहीं गिर गये है मिलने पर सूचित करें प्रियांशु गोयल-9314966864

NAME CHANGE

I hitherto known as RAM PRKASH GURJAR, alias GOPAL SINGH, S/o RAMESHWAR PRASAD, R/o Naya Gaon, Deolen, Karauli, Rajasthan - 322254, have changed my name and shall hereafter be known as GOPAL SINGH.

I hitherto known as KINNO, W/o BHAG SINGH, R/o Hindaun City, Reejwas, PO: Pali, DIST: Karauli, Rajasthan - 322236, have changed my name and shall hereafter be known as KIRAN DEVI.

I army no 153657 Y Ex L Std Babu lal jiterwal resident of plot num A- 184 tara nagar jhotwara jaipur that i want to change name of my dependent from PRIYANKA to PRIYANKA JITERWAL & POOJA to POOJA JITERWAL and MANISH to MANISH JITERWAL vide affidavit dated 24 aug 26 before sub divisional magistrate jaipur South

I have changed my name from Gopal Singh Chatriya to Gopal Singh for all purposes R/o- 99 Jagdamba nagar Takiya ki choki Kalwar road Jhotwara, Jaipur-302012

नम्बर मिलाइए
8890333139

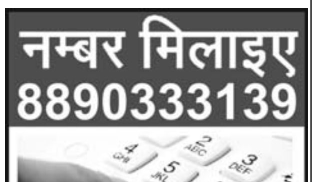

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

फुलेरा नगरपालिका चुनाव में बाहरी उम्मीदवारों की चर्चा से सियासी हलचल

- वार्ड 24 में जितेंद्र अग्रवाल के नाम की चर्चा, कांग्रेस की स्थानीय वार्ड से चुनाव लड़ने की गाइडलाइन पर उठ रहे सवाल

फुलेरा। नगर पालिका चुनाव को लेकर वार्ड नंबर 24 में कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल को वार्ड 24, वार्ड नं 8 में गिरधारी सिंह शेखावत, वार्ड नं 14 से प्रमोद मीणा तथा वार्ड नं 9 से नगर कांठोस अध्यक्ष अमरचंद सैनी प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा के बीच स्थानीय दावेदारों और कार्यकर्ताओं में नाराजगी के स्वर सामने आने लगे हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी की ओर से कार्यकर्ताओं को अपने ही वार्ड से चुनाव लड़ने की गाइडलाइन का हवाला दिया जा रहा है, ऐसे में दूसरे वार्ड के व्यक्ति को अन्य वार्ड से प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा से पार्टी के निर्णय पर सवाल खड़े हो रहे हैं । गौरतलब है कि जितेंद्र अठावाल की पत्नी संगीता अग्रवाल पूर्व में नगर पालिका अध्यक्ष रह चुकी हैं। ऐसे में जितेंद्र अठावाल को दूसरे वार्ड से चुनाव मैदान में उतारने की चर्चा के बाद स्थानीय राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों के एक वर्ग का कहना है कि संगीता अठावाल के नगर पालिका अध्यक्ष रहते हुए आमजन से सीधे जुड़ाव और क्षेत्र में सक्रियता को लेकर अपेक्षित संतोष नहीं रहा। वहीं, विकास कार्यों को लेकर भी कुछ लोगों में असंतोष की बात सामने आ रही है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि उनके कार्यकाल के दौरान कांठोस के कुछ पार्षदों ने पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। हालांकि, इन राजनीतिक घटनाक्रमों और उनके कारणों को लेकर अलग–अलग मत हैं। कांग्रेस पार्टी की ओर से उक्त लोगों के टिकट फाइनल होने की चर्चा के बाद स्थानीय दावेदारों और कार्यकर्ताओं का कहना है कि कांठोस के सक्रिय कार्यकर्ताओं को दूसरे वार्ड से चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जा रही है, जबकि बाहरी वार्ड के व्यक्तियों को वार्ड 24 व अन्य वार्डों से मैदान में उतारने की चर्चा हो रही है। इससे स्थानीय कार्यकर्ताओं में असंतोष की स्थिति बन रही है।

प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी

चौमूं / कालाडेरा । कांग्रेस पार्टी ने चौमूं नगर परिषद के लिए प्रत्याशियों की पहली लिस्ट रविवार शाम को जारी कर दी है। पहली सूची में 17 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया है। चौमूं नगर परिषद में कुल 45 वार्ड हैं। पार्टी ने निवर्तमान सभापति विष्णु कुमार सैनी को वार्ड नंबर 24 से टिकट दिया है। कांठोस पार्टी के द्वारा चौमूं नगर परिषद के वार्ड पार्षदों के नाम से जारी सूची के अनुसार वार्ड नम्बर 3 श्रवण कुमार सैनी, वार्ड नम्बर 4 शैलेन्द्र चौधरी, वार्ड नम्बर 6 श्रीमती अन्नु यादव, वार्ड नम्बर 7 धन्ना लाल मीणा, वार्ड नम्बर 8 श्रीमती प्रभु देवी शर्मा, वार्ड नम्बर 11 हनुमान सहाय चौधरी, वार्ड नम्बर 14 अर्जुन लाल सैनी, वार्ड नम्बर 15 कमल सिंह यादव, वार्ड नम्बर 17 राकेश, वार्ड नम्बर 24 विष्णु कुमार सैनी, वार्ड नम्बर 32 राम नरेश पुरोहित, वार्ड नम्बर 35 रामावतार स्वामी, वार्ड नम्बर 40 अशोक कुमार, वार्ड नम्बर 41 राधिका सैनी, वार्ड नम्बर 42 कौशल्या देवी, वार्ड नम्बर 43 सायरमल माली, वार्ड नम्बर 44 महेश कुमार यादव को अधिकृत उम्मीदवार बनाया है वहीं कालाडेरा नगर पालिका के 20 वार्डों में से कांग्रेस पार्टी ने पहली सूची जारी की है।

निर्वाचन के लिए अधिकारियों को दायित्वों व व्यवस्थाओं से अवगत कराया

- जोनल, पुलिस एवं सेक्टर अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

भरतपुर (निसं)। नगरीय निकाय आम चुनाव–2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से निर्वाचन कार्य से जुड़े जोनल, पुलिस एवं सेक्टर अधिकारियों तथा मतदान कार्मिकों को कलेक्ट्रेट सभागार में रविवार को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव शर्मा एवं नगर निगम चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी रिछपाल सिंह बुरड़क के नेतृत्व में अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उनके दायित्वों, कानून एवं व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन तथा मतदान संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी ने जोनल एवं पुलिस अधिकारियों को जिला सुरक्षा योजना, संवेदनशील एवं क्रिटिकल मतदान केन्द्रों की पहचान, वल्नरेबिलिटी मैपिंग, नामांकन स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था तथा मतदान एवं मतगणना स्थलों पर सुरक्षा प्रबंधन के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को मतदान से पूर्व, मतदान दिवस एवं मतगणना दिवस पर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने निर्वाचन अवधि के दौरान साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति के विरूपण पर प्रभावी कार्रवाई तथा अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों को मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं में विश्वास कायम रखने, निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के संबंध में प्रशिक्षित किया गया। रिटर्निंग अधिकारी रिछपाल सिंह बुरड़क द्वारा प्रशिक्षण में चुनाव प्रचार के दौरान वाहनों, लाउडस्पीकर, जुलूस, सभाओं एवं प्रचार सामठी के उपयोग से संबंधित नियमों तथा आवश्यक अनुमतियों की जानकारी दी गई। मतदान केन्द्रों के आसपास चुनाव प्रचार, मतदाताओं को प्रभावित करने तथा अनावश्यक भीड़ एकत्रित करने पर लागू प्रतिबंधों से भी अधिकारियों को अवगत कराया गया। मतदान समाप्ति से पूर्व निर्धारित 48 घंटे की अवधि में लागू प्रतिबंधों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। रिटर्निंग अधिकारी द्वारा सेक्टर अधिकारियों एवं मतदान कार्मिकों को मतदान प्रक्रिया के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए उनके दायित्वों तथा आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें मतदान पूर्व, मतदान दिवस एवं मतदान उपरांत की जिम्मेदारियों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने सेक्टर अधिकारियों को संवेदनशील एवं भयठास्त मतदाताओं की पहचान, मतदान केन्द्रों का निरीक्षण, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, मतदान केन्द्रों तक पहुंच मार्गों की स्थिति तथा आदर्श आचार संहिता के प्रभावी अनुपालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने मतदान दलों को ईवीएम की जांच, कंट्रोल यूनिट एवं बैलेट यूनिट के क्रमांक तथा सील का सत्यापन, मॉक पोल की प्रक्रिया एवं मतदान प्रारंभ होने से पूर्व की आवश्यक तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। ईवीएम में किसी प्रकार की तकनीकी त्रुटि उत्पन्न होने पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मतदान केन्द्र की स्थापना, अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था, मतदाताओं के प्रवेश एवं निकास की पृथक व्यवस्था तथा मतदान की गोपनीयता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मतदान अधिकारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए प्रथम मतदान अधिकारी द्वारा मतदाता की पहचान एवं चिह्नित मतदाता सूची, द्वितीय मतदान अधिकारी द्वारा मतदाता रजिस्टर एवं अमिट स्याही तथा तृतीय मतदान अधिकारी द्वारा कंट्रोल यूनिट एवं मतदान प्रक्रिया के संचालन संबंधी जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर मतदान दल गठन प्रकोष्ठ प्रभारी मुनिदेव यादव, संयुक्त निदेशक डीओआईटी विवेक दीक्षित, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता नरेंद्र वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेन्द्र गोपालिया, सेवर ब्लॉक विकास अधिकारी विनय मित्र, चुनाव विभाग से हेमंत कुमार एवं ओमप्रकाश खूटेंला सहित निर्वाचन कार्य के लिए गठित विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सांभर में टिकटों की दावेदारी के लिए जोर आजमाईश

- सांभर के लिए टिकटों को फाइनल करने में भाजपा-कांठोस को छूट रहे पसीने

सांभरझील, (निसं)। स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर सांभर में भाजपा और कांठोस की तरफ से उम्मीदवारों को टिकट फाइनल करने में बेजा मशक्कत करनी पड़ रही है। सांमर नगर पालिका के चुनाव के इतिहास में यह पहला अवसर है की टिकटों की लिए दोनों दलों की और से अभी तक अनेक वार्डो में स्थिति क्लियर नहीं कर पा रही है। टिकट के लिए जिस प्रकार से उम्मीदवारों की संख्या तेजी से बढी है वह निश्चित रूप से दोनों दलों के लिए ही सिर दर्द बन सकता है।

सांभर में कुछ वार्ड तो ऐसे हैं जहां टिकट के लिए उम्मीदवार ढूंढने पड़ रहे हैं तो कुछ ऐसे हैं जहां टिकटों को देने में गुणा भाग निकाला जा रहा है। एक वार्ड में ही अनेक उम्मीदवारों की प्रबल दावेदारी इस कदर बढ़ गई है कि कुछ वार्ड तो होल्ड पर रखे गए हैं यानी की ये अब पूरी तरह से हॉट वार्ड बन गए हैं। दोनों दलों में चुनाव लड़ने के लिए कुछ उम्मीदवार अचानक प्रकट हुए, तो कुछ ऐसे उम्मीदवारों को निराशा भी हाथ लग सकती है जो लंबे समय से यह सोचकर चल रहे थे कि उनकी टिकट तो पक्की है। बताया जा रहा है कि कुछ ऐसे उम्मीदवार भी उभर कर आ सकते हैं जिन्हें पार्टी आलाकमान के निर्देश है की इन्हें टिकट दिया ही जाए, ऐसे उम्मीदवारों को टिकट देने में भी पार्टी का रुख झुकता दिखाई दे रहा है।

उम्मीदवारों में भी जिनकी टिकट कटनी तय मानी जा रही है, कहीं ना कहीं विरोध अथवा भीतरघात का सामना भी दोनों दलों को करना पड़ सकता है। दोनों ही दलों में ठोस उम्मीदवारों को टिकट नहीं मिलना भले ही पार्टी कुछ भी आधार माने लेकिन नतीजा नुकसानदेह भी माना जा रहाहै। सांभर में चेयरमैन की सामान्य वर्ग की सीट आरक्षित होने के कारण भी दावेदारों की संख्या जिस हिसाब से बढी है इसका अंदाजा भाजपा और कांठोस दोनों को ही नहीं था। कहीं जातिगत आधार कमजोर तो कहीं कमजोर उम्मीदवारों के बजाय मजबूत दावेदारों को ढूंढने के चक्कर में नतीजा इस बार रोचक ही हो सकता हैं। बाहरी उम्मीदवारों को टिकट देने में भाजपा ने पहले तो कोई निर्देश जारी नहीं किया था लेकिन अब वार्ड के ही लोग चाहते हैं कि भाजपा में टिकट उसी को दिया जाए जो जिस वार्ड का रहने वाला है हालांकि कांठोस ने यह निर्णय सोची समझी रणनीति के तहत पहले से ही मन बना लिया था।

लेकिन कांठोस ने भी जिस वार्ड से कोई टिकट लेने वाला नहीं मिल रहा है यानी भाजपा का गढ़ बताया जा रहा है वहां पर इसमें शिथिलता दिखाते हुए बाहरी उम्मीदवारों को टिकट देना मजबूरी बन गई है। ऐसे में सांभर की 25 वार्डों में काम से कम 7 से 8 वार्ड ऐसे बताये जा रहे हैं जिनके परिणाम रोचक होना अथवा कांटे की टक्कर ही माना जा रहा है। स्पष्ट रूप से अभी कोई बताने की स्थिति में नहीं है की बोर्ड इस बार भाजपा का बनेगा या कांठोस का, फिलहाल उम्मीदवारों को वितरण की जाने वाली टिकट और चुनाव परिणाम के नतीजे पर ही निर्भर रहेगा की शहर की सरकार बनाने में कौन कामयाब होता है।

रामदेवरा के लिए रवाना हुई पदयात्रा

निवाई। बाबा रामदेव पदयात्रा मण्डल घास भैरू के तत्वावधान में विशाल रामदेवरा पदयात्रा रवाना हुई। जिसका जगह जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। मण्डल अध्यक्ष रामअवतार बैरवा ने बताया कि भगतसिंह कॉलोनी में स्थित बाबा रामदेव मन्दिर से विधिवत ध्वज पूजन के साथ पदयात्रा का जुलूस रवाना हुआ। इस दौरान रामदेवजी के जयकारों से आस–पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। पदयात्रा झिलाय रोड होते हुए अहिंसा सर्किल, बस स्टैंड, बावड़ी वाले बालाजी व रजवास मोड़ होते हुए ज्वाला चामुण्डा माता के दर्शन किए। पदयात्रा में डीजे के मधुर भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। उन्होंने बताया कि पदयात्रा मुख्य मार्गो से होते हुए बगडी, डिग्गी, सरगांव, सुरसुरा धाम, कुण्डियाबास, पुष्कर, मेड़ता, ओंसिया माता व ईच्छापूर्ण बालाजी होते हुए रूणीजा रामदेवरा पहुंचेगी। जहां सभी पदयात्री रामदेवजी के दर्शन करके ध्वज स्थापित करेंगे एवं खुशहाली की मनोकामना करेंगे। इस अवसर पर संस्थापक चिरंजीलाल काका, मण्डल अध्यक्ष रामअवतार बैरवा, भागचन्द बैरवा, उपाध्यक्ष रामू पंडित, रामप्रसाद परिडवाल, कोषाध्यक्ष राकेश वर्मा, उप कोषाध्यक्ष रमेश, सत्यनारायण चौधरी, राजकुमार जायसवाल, महेन्द्र महावर, अनिल बैरवा, रामअवतार बैरवा व केदार जायसवाल सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

हरियालो राजस्थान अभियान: पुलिसकर्मियों ने 120 पौधे रोपे

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत रविवार को निवाई वृत्त कार्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया ।

टोंक। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत रविवार को निवाई वृत्त कार्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस वृत्ताधिकारी रविप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस जवानों और कार्यालय स्टाफ ने करीब 120 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए। पौधारोपण के साथ पुलिसकर्मियों ने इनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने का संकल्प भी लिया। इस मौके पर वृत्ताधिकारी रविप्रकाश शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। पेड़–पौधे जीवन का आधार हैं और बढ़ते तापमान तथा पर्यावरणीय असंतुलन को कम करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, उसकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी जरूरी है। जब तक लगाए गए पौधे पेड़ का रूप नहीं लेते, तब तक उनकी देखभाल की जिम्मेदारी निभानी होगी। कार्यक्रम में वृत्त कार्यालय का समस्त स्टाफ, निवाई थाने के एसएचओ सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहे।

निकाय चुनाव हमारे संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है : भजनलाल

मुख्यमंत्री ने चुनाव के आवेदनकर्ताओं के साथ वीसी के माध्यम से वार्ता की

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगर निकाय के चुनाव को लेकर रविवार को आवेदनकर्ताओं के साथ वीसी के माध्यम से बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह स्थानीय निकाय चुनाव बीजेपी की विचारधारा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और राजस्थान को विकसित एवं समृद्ध प्रदेश बनाने के हमारे संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय निकाय लोकतंत्र की सबसे पहली सीढ़ी है। इन चुनावों में हमारी सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ता और जनता के साथ हमारा आत्मीय संबंध है। उन्होंने कहा कि भाजपा में व्यक्ति से बड़ा संगठन है, संगठन से बड़ा विचार है और विचार से बड़ा राष्ट्र है तथा पार्टी कार्यकर्ता के परिश्रम को देखती है, समर्पण को पहचानती है और उसके योगदान को कभी भूलती नहीं है।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''पार्टी कार्यकर्ता सरकार के कामों को घर-घर पहुंचाएं तथा अपने वार्ड में बूथ स्तर तक मजबूत जनसंपर्क अभियान चलाएं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की राजनीति और विकास में महिलाओं की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। हमारी सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आज हमारी बहनें स्वयं सहायता समूहों से जुड़ रही हैं, लखपति दीदी बन रही हैं और परिवार के साथ-साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता सरकार के काम को घर-घर पहुंचाएं और जनता के बीच काम का हिसाब और विकास का संदेश दें। पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसान कल्याण सहित हर क्षेत्र में हमारी सरकार ने काम किया है। इसलिए कार्यकर्ता अपने-अपने वार्ड में बूथ स्तर तक मजबूत जनसंपर्क अभियान चलाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता सरकार के कार्यों और योजनाओं को सोशल मीडिया के जरिये जन-जन तक पहुंचाएं।

फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और दूसरे डिजिटल माध्यमों का उपयोग जनसेवा और जनसंवाद के लिए करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को विपक्ष की नकारात्मकता का जवाब अपने काम और अपने विचार से देना है।

'युवा अपने विचारों-नवाचारों से राष्ट्र विकास में दें योगदान'

पीएम स्वनिधि योजना में 46 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं : प्रधानमंत्री मोदी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर महिलाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137वां एपिसोड सुना।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर महिलाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137वां एपिसोड सुना। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तीकरण, नशा मुक्त युवा सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर बात रखी। साथ ही, देश के विभिन्न इलाकों के लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से भी रूबरू करवाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक छोटा आइडिया बड़े बदलाव का कारण बन सकता है। उन्होंने युवाओं से आव्हान करते हुए कहा कि अपने विचारों और नवाचारों को आगे बढ़ाते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दें। उन्होंने महिला सशक्तीकरण का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में लगभग 46 प्रतिशत यानी 35 लाख से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं, जो अपने छोटे व्यापार को बड़े कारोबार में तब्दील कर रही हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान में जिस प्रकार युवाओं की भागीदारी देखने को मिल रही है, वह प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार मातृशक्ति के लिए कल्याणकारी योजनाएं ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जन-धन खाते, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश की महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए महिलाओं को सशक्त करना जरूरी है। यही कारण है कि हमारी सरकार ने पिछले तीनों बजट में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं के साथ रायशुमारी की और उनके सुझावों को बजट में शामिल भी किया। वहीं, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मेधावी छात्राओं को साइकिल एवं स्कूटी वितरित की जा रही हैं। वहीं, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मा योजना के तहत निशुल्क जांच एवं सोनोग्राफी जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीविका के जरिए महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक विकास भी सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, आशा सहयोगनियों के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। इसी प्रकार बैंक सखी और पशु सखी जैसी पहलों के जरिए महिलाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

■ महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित कर रही सरकार : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

नेता प्रतिपक्ष ने किया निकाय चुनाव में जीत का दावा

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अपनी संभावित हार को देखते हुए भाजपा में घबराहट का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के पास शहरी विकास का न तो कोई विजन है और न ही स्पष्ट रोडमैप।

जूली ने कहा कि भाजपा यदि केवल परिसीमन और चुनावी गणित के भरोसे जीत की उम्मीद कर रही है तो यह उसकी गलतफहमी है। भाजपा चुनावी गणित और परिसीमन का खाका खींचने में माहिर है, लेकिन प्रदेश के विकास की बात आती है तो सरकार सिफर साबित होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल में शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण काम हुए और कोविड जैसी वैश्विक चुनौती के बावजूद विकास कार्य जारी रहे।

वेस्ट बंगाल विधायक सुरोलिया ने किया श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ का अवलोकन

जयपुर। पश्चिम बंगाल के जगदल विधानसभा क्षेत्र से नव निर्वाचित विधायक एवं सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी डॉ. राजेश कुमार सुरोलिया ने रविवार को श्री परशुराम ज्ञानपीठ का दौरा किया। उन्होंने ज्ञानपीठ भवन का निरीक्षण कर संस्थान की कार्यप्रणाली, शैक्षिणक गतिविधियों तथा अध्ययनरत बालिकाओं के लिए किए जा रहे शैक्षिणक एवं संस्कारमय प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर डॉ. सुरोलिया ने कहा कि इस संस्थान के बीजारोपण में मैं भी सहभागी रहा हूं और आज अपने सामने उस सपने को साकार होते देखना मेरे लिए अत्यंत सुखद और गौरव का विषय है। उन्होंने ज्ञानपीठ की बालिकाओं से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किसी पद या प्रशासनिक सेवा को प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान और सामर्थ्य को समाज एवं राष्ट्र की सेवा से जोड़ना होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ व्यापारी, उद्यमी, शिक्षक, चिकित्सक, किसान, खिलाड़ी और समाज के प्रत्येक कर्मशील वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं का आ ान करते हुए उन्होंने खेल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने और उससे अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास तथा टीम भावना विकसित करने की बात कही।

डॉ. सुरोलिया ने कहा कि सफल व्यक्ति लक्ष्य प्राप्त होने तक रुकता नहीं, लेकिन लक्ष्य अपनी प्रतिभा, क्षमता और सामर्थ्य के अनुरूप चुनना चाहिए। युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानकर ऊंचा लक्ष्य निर्धारित करने और निरंतर प्रयास करते रहने की सीख देते हुए उन्होंने कहा कि सही दिशा में निरंतर कर्म किया जाए तो सफलता निश्चित है।

विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय महामंत्री (प्रमुख) पवन पारीक ने डॉ. सुरोलिया का परिचय देते हुए उनके प्रशासनिक जीवन, उपलब्धियों और जनसेवा की यात्रा की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि डॉ. सुरोलिया मूलतः राजस्थान के मुकुंदगढ़ के निवासी हैं। विप्र फाउंडेशन के रीजनल अध्यक्ष सतीश शर्मा ने श्री परशुराम ज्ञानपीठ की कार्यप्रणाली, शैक्षिणक गतिविधियों, बालिकाओं को उपलब्ध सुविधाओं तथा संस्थान के उद्देश्यों की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष परमेश्वर शर्मा, नरेंद्र हर्ष, विप्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बासोतिया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष महेश शर्मा, जोन-1 अध्यक्ष राकेश कर्नल, जयपुर चैप्टर अध्यक्ष नवीन शर्मा, जयपुर जिला अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, उप कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बाइक चुराने वाला शातिर गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) साउथ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी के मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में वाहन चोरी की करीब आधा दर्जन वारदातें करना स्वीकार किया है। आरोपी से अन्य मामलों के संबंध में पूछताछ जारी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की पहचान इंद्र सिंह राजपूत (28) निवासी जामडोली जयपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई।

जयपुर सहित पूरे संभाग के उम्मीदवारों पर हुई चर्चा, भाजपा में कोई गतिरोध नहीं : डॉ. अरुण चतुर्वेदी

जयपुर में बनेगा भाजपा का बोर्ड, सभी की राय और सर्वे के आधार पर उम्मीदवारों के चयन की हुई प्रक्रिया : डॉ. प्रभुलाल सैनी

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि निकाय चुनावों को लेकर पार्टी स्तर पर उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पूरी गंभीरता और व्यापक विचार-विमर्श के साथ हुई है। जयपुर डिवीजन के उम्मीदवारों को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि शनिवार को अलवर संभाग के दो जिलों के संबंध में चर्चा हुई थी, जबकि आज जयपुर सहित पूरे जयपुर संभाग के जिलों के उम्मीदवारों पर एक-एक कर विचार-विमर्श किया गया।

डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि पार्टी में उम्मीदवार चयन को लेकर किसी प्रकार का गतिरोध नहीं है। भाजपा विभिन्न स्तरों पर प्राप्त सर्वे के परिणामों का अध्ययन के बाद टिकट जारी करती है। इसके साथ ही पार्टी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद एवं परामर्श के आधार पर सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों के चयन पर मोहर लगाई जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा के बाद ही पूरी पारदर्शिता के साथ सिंबल दिए जाएंगे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रभुलाल सैनी ने कहा कि जयपुर में भारतीय जनता पार्टी का बोर्ड बनेगा। पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर व्यापक विचार-विमर्श के बाद उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। जयपुर के विधायकों, मंत्रियों, पूर्व विधायकों एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सर्वसम्मति से नामों पर चर्चा की गई है। सभी की राय और सर्वे के आधार पर उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। डॉ. सैनी ने कहा कि निकाय चुनावों में भाजपा अपने विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाएगी। जयपुर को सुरक्षित, स्वच्छ और हरित बनाने के संकल्प के साथ भाजपा आगे बढ़ रही है। शहर के सुनियोजित विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं और स्वच्छ वातावरण के लिए भाजपा का स्पष्ट विजन है और जनता के आशीर्वाद से जयपुर में एक बार फिर भाजपा का बोर्ड बनेगा। डॉ. सैनी ने कहा कि भाजपा पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी तथा पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में उम्मीदवार नामांकन दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने जनहित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। भाजपा जो कहती है, उसे करके दिखाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार का बजट ज्ञान और विकास आधारित है, जिसमें गरीब, युवा, महिला और किसान सहित समाज के सभी वर्गों के हितों को प्राथमिकता दी गई है।

भरतपुर में टिकट पर ''तकरार'' को लेकर परनामी ने सफाई दी

अशोक परनामी बोले '' ना तो पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव ने कोई चप्पल दिखाई और ना ही जिलाध्यक्ष ने गला दबाया''

जयपुर (कासं)। भरतपुर संभाग की बैठक में हिंडौन सिटी समेत कई निकायों के टिकटों को लेकर खींचतान की स्थिति रही। शनिवार को भरतपुर संभाग के चुनाव संचालन समिति प्रभारी अशोक परनामी के घर हुई बैठक का विवाद रविवार को भी चर्चा में रहा।

पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव और करौली भाजपा जिलाध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन के बीच तीखी बहस होने की खबर सामने आई थी। घटनाक्रम को लेकर चप्पल दिखाने और भाजपा के दुपट्टे से गला दबाने तक की बातें सामने आने के बाद रविवार को अशोक परनामी ने पूरे मामले पर सफाई दी।

परनामी ने कहा, ''न तो पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव ने कोई चप्पल दिखाई और न ही हमारे जिलाध्यक्ष ने गला दबाने का काम किया। उनके अनुसार दोनों नेताओं के बीच केवल प्रत्याशी के नाम को लेकर मतभेद था। जिलाध्यक्ष एक नाम के पक्ष में थे, जबकि राजकुमारी जाटव दूसरे दावेदार की पैरवी कर रही थीं। चर्चा और बहस के बाद दोनों नेता एक नाम पर सहमत हो गए।''

बताया गया कि राजकुमारी जाटव अपनी ओर से कुछ दावेदारों की सूची लेकर बैठक में पहुंची थीं। जिलाध्यक्ष जादौन ने सूची पर आपत्ति जताई और कथित तौर पर सूची में शामिल कुछ लोगों से पैसे लिए जाने तथा पुराने कार्यकर्ताओं के नाम हटाए जाने का आरोप लगाया।

इसके बाद दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। हालांकि परनामी ने विवाद की चर्चाओं को खारिज करते हुए इसे टिकट चयन को लेकर सामान्य राजनीतिक मतभेद बताया।

एसडीआरएफ में खेल गतिविधियां आयोजित

जयपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' थीम के तहत एसडीआरएफ राजस्थान द्वारा 28 से 30 अगस्त तक विभिन्न खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय आयोजन एसडीआरएफ बटालियन मुख्यालय गाडोता जयपुर में उत्साह और उमंग के साथ हुआ। एसडीआरएफ कमांडेंट रेवन्त दान ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य एसडीआरएफ कार्मिकों में शारीरिक दक्षता, मानसिक सुदृढ़ता, अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में एसडीआरएफ कार्मिकों की भूमिका चुनौतीपूर्ण होती है।

पन्ना दिखाने के बहाने नगीना व्यापारी को ठगने वाला दबोचा

आरोपी के कब्जे से ठगा हुआ पन्ना पैकेट जब्त किया पुलिस ने

जयपुर। आदर्श नगर थाना पुलिस ने नगीना व्यापारी को झांसा देकर कीमती पन्ने ठगने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगा गया पूरा माल बरामद कर लिया है।

वारदात में इस्तेमाल एक्टिवा भी जब्त की गई है। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपी तक पहुंच बनाई। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि आदर्श नगर थाना पुलिस ने नगीना व्यापारी को झांसा देकर कीमती पन्ने ठगने के मामले में मोहम्मद समीर (20) निवासी रामगंज को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगा गया पन्नों का पूरा पैकेट बरामद कर लिया। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल एक्टिवा भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उससे ठगी की अन्य वारदातों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है।

थानाधिकारी छगन डांगी ने बताया कि परिवादी अब्दुल जब्बार (35) निवासी तोपखाना हुजूरी, घाटगेट ने आदर्श नगर थाने में मामला दर्ज कराया था कि वह नगीनों का कारोबार करता है। 25 अगस्त को उसके मोबाइल पर समीर नाम के युवक का फोन आया। उसने नगीने खरीदने की इच्छा जताते हुए व्यापारी को अंकुर सिनेमा के सामने बुलाया। आरोपी अपनी एक्टिवा से आया था। जबकि व्यापारी अपनी बाइक से मौके पर पहुंचा। दोनों वहां से राजापार्क स्थित 'मिल्कीवे' और इसके बाद केएफसी के पास पहुंचे। आरोपी ने व्यापारी से कहा कि उसे अपने बड़े भाई को माल दिखाना है। इसी बहाने उसने व्यापारी से पन्नों का पैकेट ले लिया और मौका मिलते ही गली के रास्ते भाग गया।पुलिस टीम ने वारदात स्थल से लेकर आरोपी के संभावित भागने के रास्तों पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

असुरक्षित उत्पादों पर पहली बार 'प्रोहिबिशन एवं रिकॉल' कार्रवाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में सरकार लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की नियुक्ति से लेकर असुरक्षित खाद्य पदार्थों की जब्ती, नष्ट करने और पहली बार 'प्रोहिबिशन एवं रिकॉल' की कार्रवाई जैसे व्यापक एवं प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मिलावट पर प्रभावी रोकथाम के लिए इनसे जुड़ी गतिविधियों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि राजस्थान के खाद्य सुरक्षा तंत्र में पहली बार असुरक्षित खाद्य उत्पादों के खिलाफ प्रोहिबिशन एवं रिकॉल' यानी निषेध एवं बाजार से वापस मंगाने की कार्रवाई की गई। जनवरी 2026 से जुलाई 2026 के बीच कुल 514 उत्पाद असुरक्षित पाए गए। जिनमें असुरक्षित 94 खाद्य उत्पादों के खिलाफ निषेध आदेश जारी किए गए। वहीं, नियमों का उल्लंघन करने वाले 146 खाद्य व्यवसाय संचालकों का लाइसेंस निलंबित तथा 3 का लाइसेंस भी रद्द किया किया गया।मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि मिलावटखोरी को किसी सूरत में बर्दाश्त नही किया जाए। इसी सख्त निर्देश कि पालना में खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ राज्यभर में 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान संचालित किया जा रहा है। इस वर्ष जनवरी से जुलाई के दौरान 9.23 लाख किलोग्राम से अधिक मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए गए। जबकि 4.94 लाख किलोग्राम से अधिक खाद्य सामग्री नष्ट की गई। पिछले वर्ष की तुलना में जब्ती और नष्ट करने की कार्रवाई में लगभग 4 गुना वृद्धि हुई है, जो खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में प्रभावी प्रवर्तन का परिचायक है।

मोदी के 25 वर्षों में देश ने परिवर्तन और आत्मनिर्भर भारत का सफर देखा : पूनियां

अहमदाबाद में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सतीश पूनियां का मेवाड़-वागड़ राजपूत सेवा संस्थान एवं सर्व समाज वागड़ ने स्वागत किया।

अहमदाबाद/जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. सतीश पूनियां ने अहमदाबाद में राजस्थानी एवं गुजराती समाज के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137वां संस्करण सुना।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में गुजरात से लेकर देश तक व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी गई है। पूनियां ने कहा कि राजस्थान और गुजरात का रिश्ता भाईचारे का है और दोनों राज्य देश की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने 'मन की बात' को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना मजबूत करने वाला कार्यक्रम बताते हुए कहा कि इसमें सामाजिक समरसता, नवाचार, खेल, खेती, संस्कृति और पर्यटन जैसे विषयों को स्थान मिलता है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला, जनधन, आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि और पीएम आवास जैसी योजनाओं से आम परिवारों और महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है। भाजपा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी।

अहमदाबाद में पूनियां का मेवाड़-वागड़ राजपूत सेवा संस्थान एवं सर्व समाज वागड़ की ओर से स्वागत किया गया। पूनियां 31 अगस्त से 2 सितंबर तक पंजाब के संगठनात्मक प्रवास पर रहेंगे। भाजपा द्वारा पंजाब संगठन प्रभारी बनाए जाने के बाद यह उनका पहला पंजाब प्रवास होगा।

■ राजस्थानी-गुजराती समाज के साथ सुनी 'मन की बात', 17 सितंबर से 'सेवा संकल्प अभियान'

अलवर-भरतपुर में पायलट आधार पर शुरू होगा समग्र शिशु बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम

जन्म से 3 वर्ष तक के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार की पहल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में जन्म से तीन वर्ष तक के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और उनके स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करने के लिए समग्र शिशु बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। भारत सरकार की पहल के तहत यह कार्यक्रम शुरुआती चरण में अलवर और भरतपुर जिलों में पायलट आधार पर लागू किया जाएगा।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम के तहत जन्म से तीन वर्ष तक के सभी बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और विकास की नियमित निगरानी की जाएगी। खासतौर पर ऐसे बच्चों की समय रहते पहचान की जाएगी, जिन्हें सामान्य बच्चों की तुलना में अतिरिक्त देखभाल या उपचार की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के तहत बच्चों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर सामान्य और जोखिम वाली श्रेणी में चिन्हित किया जाएगा। जोखिम वाले बच्चों का घर पर नियमित फॉलोअप किया जाएगा। आवश्यकता होने पर उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र अथवा बड़े अस्पताल में उपचार के लिए रेफर किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति गंभीर होने से पहले ही समस्या की पहचान कर समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। इससे पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर को कम करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

■ बच्चों की जांच और स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी के लिए आशा कार्यकर्ताओं को 'शैशव ऐप' की सुविधा दी जाएगी

बच्चों की जांच और स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी के लिए आशा कार्यकर्ताओं को 'शैशव ऐप' की सुविधा दी जाएगी। आशा कार्यकर्ता ऐप पर बच्चों से संबंधित जानकारी दर्ज करेंगी, जिससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि किस बच्चे को विशेष देखभाल या उपचार की जरूरत है।अस्पताल में रेफर किए गए बच्चों के उपचार के बाद उनका फॉलोअप भी ऐप के माध्यम से किया जा सकेगा। आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को समय पर सूचना और अलर्ट भी मिल सकेंगे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में कार्यक्रम की पायलट कार्ययोजना, मूल्यांकन तथा केंद्र, राज्य एवं सहयोगी संस्थाओं की भूमिका पर चर्चा की गई।

राजस्थान की ओर से परियोजना निदेशक, बाल स्वास्थ्य डॉ. प्रदीप चौधरी ने पायलट इम्प्लीमेंटेशन प्लान और पार्टनर्स एंगेजमेंट से संबंधित पैनल चर्चा में भाग लिया तथा राजस्थान का प्रस्तुतीकरण दिया।

सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में बाहर होने से उन्हें यूएस ओपन के लिए करीब दो सप्ताह का अतिरिक्त अभ्यास समय मिला। 20वीं बार यूएस ओपन में हिस्सा लेते हुए रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब पर नजर टिकाए हुए हूँ। - नोवाक जोकोविच

टेनिस खिलाड़ी, यूएस ओपन में खेलने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

रोजर फेडरर

महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर शनिवार को इंटरनेशनल टेनिस 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किए जाने के दौरान भावुक हो गए। 'स्विस मैस्ट्रो' के नाम से मशहूर फेडरर ने अपने शानदार करियर में आठ विंबलडन, छह ऑस्ट्रेलियन ओपन और एक फ्रेंच ओपन खिताब जीता। वह लगातार 237 सप्ताह तक एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रहे। वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले केवल आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं। बीस ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले फेडरर अपने करीब 30 मिनट के भाषण के दौरान कई बार रो पड़े।

क्या आप जानते हैं ?... सर्वाधिक आईसीसी फाइनल: टीम इंडिया ने अब तक कुल 15 आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल खेले हैं, जो कि एक विश्व रिकॉर्ड है।

भारतीय टीम के खिलाड़ियों का बेंगलुरु में फिटनेस परीक्षण, नए सत्र की तैयारी शुरू

नई दिल्ली, 30 अगस्त। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला खत्म होने के 48 घंटे के भीतर भारतीय टीम के शीर्ष केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी शनिवार को बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में नए घरेलू सत्र से पहले फिटनेस परीक्षण के लिए पहुंचे। लगातार तीन दिन मैदान पर कड़ी मेहनत करने के बाद भी टेस्ट टीम के कई नियमित खिलाड़ियों ने आगामी आठ महीने के व्यस्त सत्र को ध्यान में रखते हुए फिटनेस मानकों की जांच में हिस्सा लिया। यह सत्र 2027 इंडियन प्रीमियर लीग तक चलेगा। अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के अलावा टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर, छोटे प्रारूप के विशेषज्ञ रिंकू सिंह, संजू सैमसन और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित कई खिलाड़ी फिटनेस जांच में पसीना बहाते नजर आए। अनिवार्य फिटनेस जांच में 'ब्रोंको टेस्ट', '2 किलोमीटर दौड़', 'यो-यो टेस्ट' और क्रिकेट से जुड़ी ड्रिल्स जैसे विकेटों के बीच दौड़ना शामिल हैं। 'ब्रोंको टेस्ट' में शुरुआती बिंदु (0 मीटर), 20 मीटर, 40 मीटर और 60 मीटर पर 'कोन' लगाए जाते हैं।

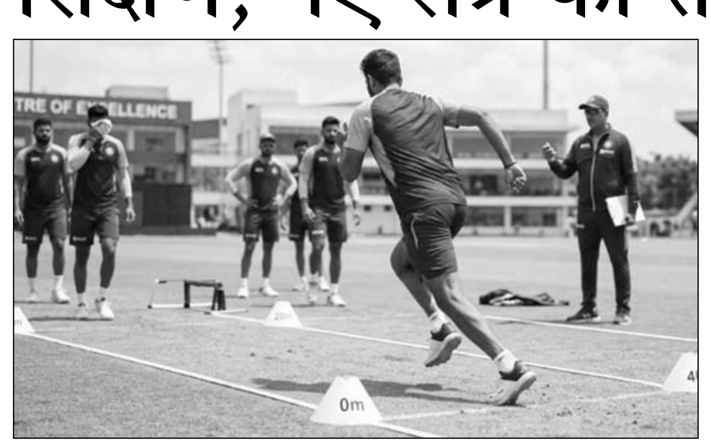

खिलाड़ियों को बिना रुके पांच सेट में 0 से 20 मीटर और वापस, फिर 40 मीटर और 60 मीटर तक दौड़ पूरी करनी होती है। इसमें कुल 1200 मीटर की दूरी पांच मिनट 30 सेकेंड में पूरी करनी होती है। 'यो-यो टेस्ट' का मानक लंबे समय से 16.5 है जबकि दो किलोमीटर दौड़ (2000 मीटर) को 10 मिनट के भीतर पूरा करना होता है।

हालांकि जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या और नीतिश कुमार रेड्डी पूरी तरह फिट घोषित होने के बाद ही इन फिटनेस परीक्षणों में हिस्सा लेंगे। ये खिलाड़ी फिलहाल चोट से उबरने के लिए 'रिहैब' प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को फिलहाल इस जांच से छूट दी गई है क्योंकि उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच में काफी गेंदबाजी की थी।

इस बीच, इंग्लैंड दौरे के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव की परेशानी से जूझने वाले प्रिंस यादव अब फिट हो गए हैं और चयन के लिए उपलब्ध हैं। बीसीसीआई का घरेलू सत्र 'इंडिया क्रिकेट' हर साल सितंबर में शुरू होता है। इस बार इसकी शुरुआत नयी दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से होगी।

इसके बाद टी20 टीम एशियाई खेलों के लिए जापान जाएगी जबकि उसी समय सीमित ओवरों के विशेषज्ञों की एक अन्य टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला खेलेगी। इसके अलावा सितंबर के अंतिम सप्ताह से अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक पुडुचेरी में भारत 'ए' और ऑस्ट्रेलिया 'ए' के बीच श्रृंखला भी आयोजित होगी।

श्रीलंका से छिनी पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानीः आईसीसी ने लगाया सरकारी दखल का आरोप; अब दूसरे देश में होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 30 अगस्त। 2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी श्रीलंका से छिन गई है। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट में सरकारी दखल को लेकर आपत्ति जताई है। अब 14 से 28 फरवरी तक होने वाला छह टीमों का टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में खेला जाएगा।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) का कामकाज फिलहाल सरकार की बनाई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी देख रही है। आईसीसीके नियमों के मुताबिक सदस्य बोर्ड को सरकार के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से काम करना होता है।

आईसीसी बोर्ड बैठक में शामिल नहीं हो रहे श्रीलंकाई प्रतिनिधिः एसएलसी ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सचिव प्रकाश शाफ्टर ने मेजबानी हटाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट श्रीलंका से बाहर होगा, लेकिन नए मेजबान का फैसला अभी नहीं हुआ है।

आईसीसी श्रीलंका में जल्द चुनाव कराने और निर्वाचित क्रिकेट बोर्ड बहाल करने की मांग कर रहा है। ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के प्रतिनिधियों को आईसीसीबोर्ड की बैठकों में शामिल होने की अनुमति भी नहीं है।

श्रीलंका की मेजबानी में 6 टीमें खेलनी थीं : महिला चैंपियंस ट्रॉफी 14 से 28 फरवरी 2027 तक टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इसमें 6 टीमें हिस्सा लेंगी।

मेजबान होने के कारण श्रीलंका को सीधे टूर्नामेंट में जगह मिलनी थी। अब मेजबान बदलने के बाद उसकी भागीदारी पर भी सवाल खड़ा हो गया है। श्रीलंका फिलहाल महिला वनडे रैंकिंग में छठे स्थान पर है। आईसीसी ने अभी नई क्वालिफिकेशन व्यवस्था स्पष्ट नहीं की है।

मेजबानी जाने से टूरिज्म को भी नुकसान : टूर्नामेंट दूसरे देश में जाने से श्रीलंका को क्रिकेट के साथ आर्थिक नुकसान भी होगा। टीमों, अधिकारियों और दर्शकों के आने से होटल और पर्यटन कारोबार को फायदा मिलना था।

ब्रॉडकास्टिंग और आयोजन से होने वाली कमाई का हिस्सा भी श्रीलंका को नहीं मिलेगा। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट के लिए मिलने वाले आयोजन से जुड़े अवसर भी खत्म हो जाएंगे।

2023 में भी आईसीसी ने किया था निलंबितः सरकारी दखल को लेकर श्रीलंका पहले भी आईसीसी की कार्रवाई झेल चुका है। 2023 में आईसीसी ने एसएलसी को निलंबित कर दिया था। इसके बाद 2024 मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप की मेजबानी भी श्रीलंका से छीनकर साउथ अफ्रीका को दे दी गई थी।

अप्रैल 2026 में श्रीलंका सरकार ने बोर्ड का कामकाज अस्थायी तौर पर ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी को सौंपा था। आईसीसी तब से निर्वाचित बोर्ड की बहाली और जल्द चुनाव कराने पर जोर दे रहा है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अंतर्गत संडे ऑन साइकिल एवं बास्केटबॉल फाइनल का आयोजन

जयपुर, 30 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के अंतर्गत रविवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम, जयपुर में संडे ऑन साइकिल एवं बास्केटबॉल के फाइनल मुकाबलों का आयोजन किया गया। संडे ऑन साइकिल का आयोजन प्रातः 6:30 बजे मेन बिल्डिंग के सामने से किया गया, जिसे राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के खेल अधिकारी (प्रशिक्षण) करण सिंह शेखावत एवं साई के अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस साइकिल रैली में लगभग 200 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अधिकारियों एवं साइक्लिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के खेल अधिकारी (प्रशिक्षण) करण सिंह शेखावत ने बताया कि संडे ऑन साइकिल के पश्चात बास्केटबॉल के फाइनल मुकाबले खेले गए। जिसमें पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला जयपुर जिला और बास्केटबॉल अकादमी के बीच खेला गया, जिसमें जयपुर जिला ने रोमांचक मुकाबले में बास्केटबॉल अकादमी को 72-68 के अंतर से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। तीसरे व चौथे स्थान के लिए खेले गए मैच में विद्यास्थली ने एसएमएस क्लब को 32-28 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार पुरुष वर्ग में जयपुर जिला प्रथम, बास्केटबॉल अकादमी द्वितीय, विद्यास्थली तृतीय एवं एसएमएस क्लब चतुर्थ स्थान पर रहा। पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जुबेर को दिया गया। उन्होंने बताया कि महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में जयपुर अकादमी ने एमपीएस स्कूल को 40-29 से हराकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया। तीसरे व चौथे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में एसएमएस क्लब ने विद्यास्थली को 24-18 से पराजित किया। महिला वर्ग में जयपुर अकादमी प्रथम, एमपीएस स्कूल द्वितीय, एसएमएस क्लब तृतीय एवं विद्यास्थली चतुर्थ स्थान पर रही। महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भावना को दिया गया। करण सिंह शेखावत ने बताया कि इसके बाद प्रशिक्षकों के बीच बास्केटबॉल का एक मैत्री मैच भी खेला गया, जिसमें सभी प्रशिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एशिया कप : भारत ने थाईलैंड को 94 रनों से हराया, शेफाली के बाद नंदिनी और दीप्ति ने बिखेरा जलवा

नई दिल्ली, 30 अगस्त। भारतीय महिला टीम ने एशिया कप के अपने पहले मैच में थाईलैंड को हराकर विजयी शुरुआत की है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 159 रन बनाए।

जवाब में थाईलैंड की टीम 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए इस मैच में शेफाली वर्मा ने जहां बल्लेबाजी में कमाल किया तो वहीं, नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने गेंद से दम दिखाया। दीप्ति ने बिना एक भी रन खर्च किए तीन विकेट झटके।

मंधाना ने सूजी बेट्स को पीछे छोड़ा : भारत को मंधाना के रूप में पहला झटका लगा जो रन आउट होकर पवेलियन लौट गईं। मंधाना ने 10 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 19 रन बनाए।

मंधाना इस मैच में भले ही सस्ते में आउट हुईं, लेकिन उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ा कीर्तिमान बना लिया। मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गई हैं। मंधाना ने इस मामले में सूजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया है। बेट्स ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10740 रन बनाए हैं। अब मंधाना उनसे आगे निकल गई हैं।मंधाना से आगे अब भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर में 10868 रन बनाए हैं।

शेफाली का अर्धशतकः थाईलैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम ने अच्छी शुरुआत की। शेफाली वर्मा ने शुरुआत से दी दबाव बनाया। मंधाना के रूप में हालांकि, भारत को पहला झटका लगा। लेकिन शेफाली ने रन गति कम नहीं होने दी और लगातार बड़े शॉट्स लगाती रहीं। भारत ने इस तरह पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 65 रन बनाए। महिला टी20 एशिया कप में पावरप्ले का यह सबसे बड़ा स्कोर है।

इससे पहले भी ये रिकॉर्ड भारत के ही नाम था। भारतीय टीम ने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 59 रन बनाए थे। शेफाली ने इसके बाद भी दमदार बल्लेबाजी जारी रखी और 26 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया।

रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली, 30 अगस्त । दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। वनडे सीरीज की शुरुआत 24 सितंबर को डरबन में होगी और तीसरा मैच 30 सितंबर को खेला जाएगा। रबाडा को एक हफ्ते पहले हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने रबाडा की चोट के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी है लेकिन उन्होंने यह कन्फर्म किया है कि रबाडा कम-से-कम अगले साढ़े चार हफ्ते तक खेल से दूर रहेंगे। रबाडा उस टी20 टीम का भी हिस्सा नहीं हैं जो नामीबिया में ट्राई-सीरीज खेलने गई है। सीएसए ने क्रिकइन्फो को बताया कि रबाडा वर्तमान में क्रिकेट साउथ अफ्रीका की मेडिकल टीम की निगरानी में चोट से उबरने के शुरुआती चरण से गुजर रहे हैं। सीएसए ने कहा कि रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24-30 सितंबर तक होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपने पुनर्वास के माध्यम से कैसे आगे बढ़ते हैं, उनके चयन पर निर्णय सीरीज के करीब लिया जाएगा। नामीबिया में चल रही ट्राई-सीरीज की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने नामीबिया से मिली शुरुआती हार से उबरते हुए अगले मैच में जिम्बाब्वे पर सात विकेट से जीत दर्ज की।

हमारे लिए ब्रेविस को बल्लेबाजी करते देखना उत्साह बढ़ाने वाला : सुब्रायन

नई दिल्ली, 30 अगस्त । दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी ऑलराउंडर प्रेनेलन सुब्रायन ने युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम में हमारे लिए उसे बल्लेबाजी करते देखना काफी उत्साह बढ़ाने वाला होता है। खासकर जब आप देखते हैं कि तीसरा अंपायर हर दूसरे ओवर में नई गेंद लेकर दौड़ रहा है।

नामीबिया के हाथों त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में चौंकाने वाली हार झेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार जीत दर्ज कर वापसी की। इस जीत के नायक डेवाल्ड ब्रेविस रहे, जिन्होंने महज 32 गेंदों पर नाबाद 75 रन की पारी खेली। ब्रेविस ने अपनी पारी में 7 चौके और छह छक्के लगाए। इससे पहले नामीबिया के खिलाफ मुकाबले में भी उन्होंने 50 गेंदों पर 75 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका लक्ष्य हासिल नहीं कर सका था। जिम्बाब्वे के खिलाफ ब्रेविस ने अपनी पिछली पारी की निराशा को पीछे छोड़ते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया। आईसीसी के अनुसार प्रेनेलन सुब्रायन ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि नामीबिया के खिलाफ और जिम्बाब्वे के खिलाफ डेवाल्ड ने शानदार बल्लेबाजी की। बीते दिन वह निराश था क्योंकि वह टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सका था। उसने उस अनुभव से सीख ली और जिम्बाब्वे के विरुद्ध टीम को जीत दिलाकर ही लौटा।

चेल्सी ने अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को तीन साल के लिए साइन किया

नई दिल्ली, 30 अगस्त। इंग्लिश फुटबॉल क्लब चेल्सी ने अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को तीन साल के करार पर साइन करने की घोषणा की है। 33 वर्षीय मार्टिनेज इससे पहले छह सत्र तक एस्टन विला के साथ रहे और इस दौरान क्लब के लिए 256 मैच खेले। मार्टिनेज ने एस्टन विला के साथ अपने कार्यकाल में शानदार प्रदर्शन किया। पिछले सत्र में उन्होंने क्लब को यूईएफए यूरोपा लीग खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अब वह चेल्सी की गोलकीपिंग इकाई को मजबूती देंगे। चेल्सी में शामिल होने के बाद मार्टिनेज ने क्लब की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा कि "मैं इस फुटबॉल क्लब में आकर बहुत खुश हूं। चेल्सी आना मेरे और मेरे परिवार के लिए एक आसान फैसला था। मैं बहुत उत्साहित हूं और जल्द से जल्द काम शुरू करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।" मैं ऐसा इंसान हूं जो हर काम में जीतना चाहता है और मैं इस फुटबॉल क्लब में भी यही सोच लाना चाहता हूं, क्योंकि यह क्लब खिताब जीतता है। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा मेल है।" इंडिपेंडिएंट के साथ अपना युवा करियर शुरू करने के बाद मार्टिनेज अगस्त 2010 में 17 साल की उम्र में आर्सेनल से जुड़ गए। 2019-20 सत्र में वह आर्सेनल के नियमित खिलाड़ी बने। इसके बाद सितंबर 2020 में वह एस्टन विला से जुड़े। विला में अपने छह सत्रों के दौरान मार्टिनेज ने खुद को दुनिया के शीर्ष गोलकीपरों में स्थापित किया। क्लब के लिए उन्होंने कुल 256 मुकाबले खेले। मार्टिनेज ने जून 2021 में अर्जेंटीना के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया और इसके बाद टीम के पहली पसंद के गोलकीपर बने। उन्होंने अर्जेंटीना के लिए अब तक 67 मैच खेले हैं। उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में 2021 और 2024 में कोपा अमेरिका खिताब तथा 2022 में फीफा विश्व कप जीत शामिल है।

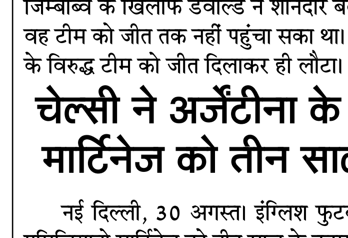

लियोनेल मेस्सी ने रचा इतिहास, इंटर मियामी ने सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से दी करारी मात

नई दिल्ली, 30 अगस्त। दिग्गज लियोनेल मेस्सी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में पहली बार एक मैच में चार गोल दागे, जिससे इंटर मियामी ने शनिवार को सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से करारी शिकस्त दी। मेस्सी ने इस दौरान दूसरे हाफ में तीन गोल किये और एक गोल में मदद की। इंटर मियामी ने 20वें मिनट में तेलास्को सेगोविया के कॉर्नर पर कार्लोस कासेमिरो के हेडर की मदद से बढ़त बनाई लेकिन मॉन्ट्रियल ने 37वें मिनट में फैबियन हर्बर्स के गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने अपना कमाल दिखाना शुरू किया। उन्होंने 40वें मिनट में फ्री-किक पर गोल करके इंटर मियामी को 2-1 से आगे कर दिया। यह मौजूदा सत्र में उनका 15वां गोल था। दूसरे हाफ में मेस्सी ने 52वें मिनट में एक और गोल कर टीम की बढ़त 3-1 कर दी। इसके बाद 80वें मिनट में मेस्सी की मदद से लुइस सुआरेज ने गोल दागकर स्कोर 4-1 कर दिया। मेस्सी ने 83वें मिनट में अपना तीसरा गोल करके स्कोर 5-1 कर दिया। 89वें मिनट में 18 वर्षीय रूकी अलेक्जेंडर शॉ ने अपना पहला गोल करते हुए इंटर मियामी की बढ़त 6-1 कर दी। इंजरी टाइम के छठे मिनट में मेस्सी ने फ्री-किक पर अपना चौथा गोल दागकर टीम को 7-1 की शानदार जीत दिलाई।

राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी : जयपुर, नागौर, श्रीगंगानगर, टोंक, सीकर, झुंझनू, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी जीती

अनमोल का शतक, अविनाश यादव, यश चौधरी चमके

जयपुर, 30 अगस्त, राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम।

जयपुर - हनुमानगढ़ मैच (जयपुर जीती), हनुमानगढ़ पारी 71 आल आउटजयपुर के गेंदबाज अविनाश यादव 29 /5 व प्रतीक चौधरी 11 /2 विकेट जयपुर पारी 73 /0, टीम के लिए गौरव नाबाद 40 व शिफॉन नाबाद 30 रन

झालावाड़ - नागौर मैच (नागौर जीती), झालावाड़ पारी 101 आल आउटनागौर के गेंदबाज यश चौधरी 10 /6 व पंकज 35 /2 विकेट नागौर पारी 105 /5, टीम के लिए राघव 24 रन झालावाड़ के गेंदबाज युवराज वशिष्ट 29 /2 विकेट सवाई माधोपुर - श्रीगंगानगर मैच (श्रीगंगानगर जीती)

सवाई माधोपुर पारी 170 आल आउट, टीम के लिए तनिश सिंघल 65 व कैफ मिर्ज़ा 51 रन श्रीगंगानगर के गेंदबाज नितिन 26 /4, मुरलीधर 29 /3 विकेटश्रीगंगानगर पारी 171 /5, टीम के लिए जश्नदीआप46, आदित्य भाम्भू 39 व अनुज नाबाद 33 रनसवाई माधोपुर के गेंदबजाआदित्य रावत 25 /2 विकेट

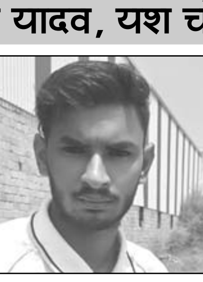

टोंक -प्रतापगढ़ मैच (टोंक जीती), टोंक पारी 178 आल आउट, टीम के लिए अक्ष चतुर्वेदी 56 रन प्रतापगढ़ के गेंदबाज रुद्रांश 20 /4 व पियूष 38 /3, प्रतापगढ़ पारी 166 आल आउट, टीम के लिए बिंदास लबाना 44 व रुद्रांश 30 रन, टोंक के गेंदबाज आदित्य वाधवा 34 /4 ।

सीकर - धौलपुर मैच (सीकर जीती), सीकर पारी 185 आल आउट, टीम के लिए भव्य चौधरी 59, रोनित 53 रन धौलपुर के गेंदबाज अथर्व 5 /3, दिव्यांशु38 /3 व सुजल 32 /2 विकेट। धौलपुर पारी 49 आल आउट सीकर के गेंदबाज लक्ष्य वैष्णव 6 /3, भव्य चौधरी 9 /3 व अभिषेक 26 /3 विकेट।

जैसलमेर - झुंझनू मैच (झुंझनूजीती), जैसलमेर पारी 119 आल आउट, टीम के लिए चेतन कुमार 50 रन झुंझनूके गेंदबाज मयंक 20 /4, प्रथम स्वामी 14 /3,झुंझनूपारी 120 /2, टीम के लिए ऋषभदेव 51 रनजैसलमेर के गेंदबाज युवराज 8 /2 विकेट।

भरतपुर - उदयपुर मैच (भरतपुर जीती), भरतपुर पारी 274 /10, टीम के लिए अनमोल 102, गिरीश चौधरी 55, आर्यन 37 रन उदयपुर के गेंदबाज लक्ष्य यादव 27 /4, चित्रांक्ष, हिमांशु 2 -2 विकेट। उदयपुर पारी 45 /8, टीम के लिए मीट लालवानी 79, सुभाष तुलसीजा55 रन। भरतपुर के गेंदबाज हिमांशु 43 /3, आर्यन, तनिश 2 -2 विकेट।

कोटा - भीलवाड़ा (भीलवाड़ा जीती), कोटा पारी 250 आल आउट, टीम के लिए आरध्या 59, शिवराज 54 रन। भीलवाड़ा के गेंदबाज महेंद्र सिंह 38 /3, भीलवाड़ा पारी 251 /7, टीम के लिए शौर्य वर्धन 89, कुशाग्रओझा 52 व अखिल 30 रन। कोटा के गेंदबाज एकांश शर्मा 50 /3 व तनिश 41 /2।

बूंदी - राजसमंद मैच (बूंदी जीती), बूंदी पारी 242 /9, टीम के लिए जसकिरणदीप 61, तथागत गुर्जर 55, राजसमंद के गेंदबाज देलेक भटनागर 27 /3 व सुमित साल्वी30 /3, राजसमंद पारी 221 /8, टीम के लिए देलेक 42 रन। बूंदी के गेंदबाज सिद्धांत सोनी 42 /3 व अमृतपाल, निशांत 2 -2 विकेट।

अर्जेंटीना ने महिला विश्व कप जीतकर रचा इतिहास, शूटआउट में नीदरलैंड को हराया

नई दिल्ली, 30 अगस्त। अर्जेंटीना ने सह मेजबान नीदरलैंड का लगातार चौथा महिला विश्व कप जीतने का सपना तोड़ते हुए शनिवार को पेनल्टी शूट आउट में उसे 3-1 से हराकर पिछली बार की हार का बदला चुकता करते हुए तीसरा खिताब जीत लिया। पिछली बार विश्व कप में अर्जेंटीना को नीदरलैंड ने 3 - 1 से ही हराया था। इससे पहले अर्जेंटीना ने 2002 और 2010 में नीदरलैंड को हराकर ही खिताब जीता था जबकि नौ बार की चैम्पियन नीदरलैंड दसवीं बार चैम्पियन बनने से चूक गया। पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना के लिये विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल दागे जबकि डियाज जो का गोल अमान्य करार दिया गया। वहीं नीदरलैंड के लिये वीन मारिन ने गोल किया जबकि पियेन सैंडर्स, फेलिस अलबर्स और मोएस फ्रीके के निशाने चूक गए। नारंगी रंग से सराबोर खचाखच भरे वेगनेर स्टेडियम पर इस विश्व कप के आखिरी मैच में नीदरलैंड के लिये पहला गोल 30वें मिनट में दुनिया की नंबर एक ड्रैग फ्लिकर मानी जाने वाली यिब्बी यानसेन ने किया। अर्जेंटीना को मैच का छठा पेनल्टी कॉर्नर मिला कप्जान ग्रानाटो ने रिबाउंड पर गेंद को गोल के भीतर डाल दिया।

अस्मिता खेलों इंडिया वुशू महिला लीग का समापन, चौगान क्लब रहा विजेता

जयपुर, 30 अगस्त। भारत सरकार एवं भारतीय खेल प्राधिकरण की पहल के तहत खेलों में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से जयपुर वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 29 से 30 अगस्त तक चौगान स्टेडियम मे आयोजित की गई अस्मिता खेलों इंडिया वुशू महिला लीग का आज पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। हीरानन्द कटारिया, अध्यक्ष, जयपुर वुशू संघ ने कहा कि महिला खिलाड़ियों को निरंतर प्रतियोगितात्मक मंच उपलब्ध करवाने से उनमें आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का विकास होगा। प्रतियोगिता में सर्वाधिक पदकों के साथ चौगान क्लब रहा विजेता, दूसरे स्थान पर एवर शाइन स्कूल रहा एवं समान पदकों के साथ डी ए वी सीनियर सेकन्डेरी स्कूल एवं हिम्मत मार्शल आर्ट अकादेमी तीसरे स्थान पर रहे।

भीलवाड़ा में 2 सितंबर से सजेगा योनेक्स-सनराइज नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैंपियनशिप का महाकुंभ; तैयारियाँ पूरी

भीलवाड़ा, 30 अगस्त। राजस्थान बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में तथा भीलवाड़ा जिला बैडमिंटन संघ की मेजबानी में 'योनेक्स-सनराइज नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैंपियनशिप' का भव्य आयोजन 2 से 6 सितंबर तक होने जा रहा है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन सांगानेर रोड स्थित फोरआर्म्स बैडमिंटन एकेडमी में किया जाएगा। शीर्ष खिलाड़ियों का लगेगा

आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि राजस्थान टीम के कई स्टार खिलाड़ी शुभम पटेल (भारतीय टीम के पूर्व जूनियर सदस्य), डेनिष श्रीवास्तव, भुवन सिंह, आयुष भाम्भू, जागृत बिनानी, आर्यन त्यागी तथा महिला खिलाड़ियों में ऑल इंडिया जूनियर रैंकिग विजेता पारूल चौधरी, स्नेहा लांबा, तनिषा सिंह, काव्या स्वामी, षिरिल चौधरी, रितिका झामनानी, देषना जैन, आराध्या जोधा आज भीलवाड़ा पहुँच चुके हैं और उन्होंने कोच सौरभ चंदेल के मार्गदर्षन में फोरआर्म्स एकेडमी के आधुनिक कोर्ट्स पर अपना कड़ा अभ्यास शुरू कर दिया है।

राजस्थान के शेष खिलाड़ी कल तक भीलवाड़ा में रिपोर्ट करेंगे। इसके साथ ही दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़ राज्यों की टीमें 1 सितंबर तक भीलवाड़ा पहुँच जाएँगी।

आयोजन समिति के अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल ने बताया कि चैंपियनशिप के सफल संचालन के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। बाहर से आने वाले सैंकड़ों खिलाड़ियों, कोचों और मैच ऑफिशियल (निर्णायकों) के लिए उच्च स्तरीय आवास (रहने), सात्विक एवं पौष्टिक भोजन तथा मैच स्थल तक आने-जाने के लिए सुगम ट्रांसपोर्ट की पुख्ता व्यवस्थाएँ की गई हैं।

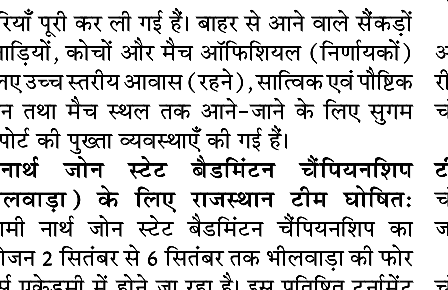

नार्थ जोन स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप (भीलवाड़ा) के लिए राजस्थान टीम घोषितः आगामी नार्थ जोन स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन 2 सितंबर से 6 सितंबर तक भीलवाड़ा की फोर आर्म्स एकेडमी में होने जा रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए राजस्थान की पुरुष और महिला सीनियर तथा -19 (बालक एवं बालिका) टीमों की घोषणा कर दी गई है। राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान की टीम इस चैंपियनशिप में पहले भी विजेता और उपविजेता रह चुकी है, जिसके आधार पर इस बार राजस्थान टीम के चैंपियन बनने के पूरे चांस हैं।

सीनियर पुरुष एवं महिला टीम : पुरुष टीम : शुभम पटेल, भुवन सिंह, डेनिस श्रीवास्तव, आयुष भामू, मनीष फोगाट, सुदीप चाहर, प्रणय कट्टा, आर्यन त्यागी, जागृत बिनानी, संस्कार सारस्वत।

महिला टीम : स्नेहा लांबा, आनंदिता ताम्र, आराध्या जोधा, देशना जैन, शैरिल चौधरी, तनीषा सिंह, रीतिका झामनानी, उत्सवा पालित, काव्या स्वामी, पारुल चौधरी

राजस्थान अंडर -19 (बालक एवं बालिका) टीम : बालक **अंडर** 19 टीम : विशाल चौधरी, श्रेयांश चौधरी, भानु प्रताप, जयवर्धन सिंह, भानु प्रताप सिंह, जांगजीत सिंह काजला, यश सोनी।

बालिका अंडर - 19 टीम : स्नेहा लांबा, पारुल चौधरी, रीतिका झामनानी, काव्या स्वामी, शैरिल चौधरी, देशना जैन, अद्विका शर्मा ।

कोच और टीम प्रबंधनः कोचः यादवेंद्र सिंह और सौरभ चंदेल, टीम मैनेजरः जाकिर हुसैन, लेडीज मैनेजरः गरिमा शर्मा ।

मुख्यमंत्री ने प्रचार प्रसार के लिये 25 विजय रथ रवाना किये

हर लोकसभा सीट के लिये भेजा गया रथ सभी नगरीय निकायों में जायेगा

जयपुर, 30 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की ओर से भाजपा प्रदेश कार्यालय से जनकल्याणकारी योजनाओं एवं पार्टी की नीतियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विजय रथों को रवाना किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार एवं निकाय चुनाव के सह प्रभारी रोहन गुप्ता सहित जनप्रतिनिधियों ने विजय रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रचार रथों के माध्यम से केंद्र

■ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि इन रथों के माध्यम से केन्द्र व राज्यों की जनकल्याणकारी योजनाओं व उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाया जायेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय से जनकल्याणकारी योजनाओं एवं पार्टी की नीतियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विजय रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में एक प्रचार रथ भेजा जाएगा, वहीं नगरीय निकाय क्षेत्रों में भी ये रथ संपर्क एवं प्रचार-प्रसार का कार्य करेंगे। पार्टी की ओर से 25 लोकसभा क्षेत्रों के लिए प्रचार रथों को रविवार को रवाना किया गया। भाजपा कार्यकर्ता इन प्रचार रथों के माध्यम से आमजन के बीच पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पार्टी की विचारधारा और नीतियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी,भूपेंद्र सैनी, सांसद मंजू शर्मा, कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा, पूर्व मंत्री प्रभूलाल सैनी, प्रदेश मंत्री अजीत मांडण सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मौसम विभाग ने 19 राज्यों में भारी वर्षा की चेतावनी दी

नई दिल्ली, 30 अगस्त। देश में मानसून की तेज प्रहार के बीच मौसम विभाग ने एक टेंशन भरा अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग ने 31 अगस्त को यूपी, बिहार सहित 19 राज्यों में मूसलाधार बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने का अलर्ट जारी किया गया है। इस आंधी की वजह से किसानों के फसलों को नुकसान हो सकता है। इसके अलावा पहाड़ी राज्यों में खतरनाक लैंडस्लाइड की भी चेतावनी है। विभाग के अनुसार, पूर्वी भारत के कई राज्यों में आकाशीय बिजली और वज्रपात का रौद्र रूप देखने को मिल सकता है। मछुआरों को नदी और समुद्री किनारे से सुरक्षित जगह पर जाने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग द्वारा कल यानी 31 अगस्त को देश के 19 राज्यों यूपी, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, छत्तीसगढ़ , मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, त्रिपुरा और मेघालय में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक की तेज आंधी चलने की चेतावनी है। कुछ इलाकों में वज्रपात कहर बरपा सकता है। मौसम विभाग की द्वारा दिल्ली में कल यानी 31 अगस्त को भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलेगी।

अमेरिका व इज़राइल इस्लामिक एकता के कट्टर दुश्मन हैं- खामेनेई

इस्लामिक एकता सप्ताह पर खामेनेई ने असली दुश्मन को पहचानने, समझने व सामना करने की सलाह दी

तेहरान, 30 अगस्त। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने रविवार को कहा कि मुस्लिम देशों को इस समय असली दुश्मन की पहचान करनी चाहिए। उन्होंने अमेरिका और इज़रायल पर इस्लामिक एकता के कट्टर दुश्मन होने का आरोप लगाया।

ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार "इस्लामिक एकता सप्ताह" के मौके पर एक संदेश में खामेनेई ने कहा, "इस्लामिक देशों के शासकों, खासकर पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के शासकों से मेरी जोरदार और बार-बार की सलाह है कि वे अपने असली दुश्मन को पहचानें, उसकी योजना को समझें और उसका सामना करें।"

अल जज़ीरा की रिपोर्ट में आईआरआईबी के हवाले से बताया गया है कि खामेनेई ने कहा कि प्रिय और प्रभावशाली इस्लामिक सभ्यता को हासिल करने के लिए मुसलमानों के

■ अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते टूटने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने बमबारी रोक कर आर्थिक नाकेबंदी शुरु कर दी है।

बीच एकता जरूरी है। खामेनेई ने दावा किया कि अमेरिका और इज़रायल इस एकता और दोस्ती के कट्टर दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन और तेल अवीव न केवल ईरान के बल्कि समूचे इस्लामिक जगत के भी दुश्मन हैं।

उल्लेखनीय है कि फरवरी के आखिर में अमेरिका और इज़रायल और ईरान पर संयुक्त हमले के बाद मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया। इसके जवाब में तेहरान ने उन क्षेत्रीय देशों पर जवाबी हमले किए, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं।

अप्रैल में ईरान और अमेरिका युद्धविराम पर सहमत हुए और जून में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद सैन्य संघर्ष को खत्म कर स्थायी शांति समझौते तक पहुंचना था।

हालांकि, पिछले महीने यह समझौता टूट गया। तेहरान और वाशिंगटन के बीच लगभग दो हफ्तों तक हमले होते रहे। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत की खबरों के बीच अचानक बमबारी रोक दी। अब अमेरिका ने आर्थिक नाकाबंदी करनी शुरू कर दी है।

छड़ी मुबारक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भूमिका निभाती है। पहलगाम में इसका विसर्जन वार्षिक यात्रा से जुड़े पवित्र अनुष्ठानों के पूरा होने का संकेत है।

मेघालय में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिलचस्प बात यह है कि यह सब ऐसे राज्य में हो रहा है जहां भाजपा, कॉनराड संगमा और उनकी पार्टी एनपीपी गठबंधन सरकार का हिस्सा है।

मेघालय के राजनीतिक गलियारों में अब बड़े बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं, क्योंकि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के नौ विधायक कथित तौर पर पाला बदलकर भाजपा में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं।

बीजेपी की तरह यूडीपी भी एनपीपी के नेतृत्व वाली सरकार की सहयोगी पार्टी है। जानकारों का मानना है कि अगर ऑपरेशन लोटस कामयाब होता है तो मेघालय में भाजपा के विधायकों की संख्या डबल डिजिट में जा सकती है। अभी मेघालय की 60 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा के 2 विधायक हैं।

■ भाजपा पहले ही यहां गठबंधन सरकार का हिस्सा है।

यूडीपी विधायकों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच हाल ही में हुई बैठक के बाद राजनीतिक सरगर्मी और बढ़ गई है। यूडीपी का कहना था कि बातचीत मुख्य रूप से फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट (एफसीआरए) और मेघालय से जुड़े अन्य मुद्दों पर केंद्रित थी। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए, इस बैठक का राजनीतिक महत्व काफी बढ़ गया है।

अगर यह कदम असल में उठाया जाता है, तो इससे विधानसभा के गणित में बड़ा उलटफेर हो सकता है और सत्ताधारी खेमे में शक्ति का संतुलन बदल सकता है।

भारत से राहत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम तथा कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट जैसी राहत सामग्री शामिल है। उल्लेखनीय है कि नेपाल के रसुवा और आसपास के क्षेत्रों में भोटेकोशी नदी में 26 अगस्त की सुबह अचानक आई विनाशकारी बाढ़ में अब तक करीब 724 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं और सैकड़ों लोग लापता हैं। लापता लोगों में विदेशी नागरिक और सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। बाढ़ ने तीन जिलों में भारी तबाही मचाई है।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति के दूरदर्शी नेतृत्व और भारत के प्रति उनकी मित्रता से द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। इससे पहले उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को खुलेपन और भाईचारे से हुई सार्थक चर्चाओं के लिए धन्यवाद दिया।

विधायकों के सिंगल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रामचरण बोहरा और जयपुर निकाय प्रभारी शंकर सिंह राजपुरोहित के बीच मंच पर ही हॉट टॉक हो गई। बहस बढ़ने पर प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी को बीच-बचाव करना पड़ा और नाराज बोहरा मंच से नीचे उतर गए।

जयपुर संभाग के 150 वॉर्डों के प्रत्याशियों के नामों पर रविवार को अंतिम दौर की रायशुमारी होनी थी। विधायकों और प्रमुख नेताओं से अपने-अपने क्षेत्रों के दावेदारों के नामों का पैनल तैयार कर लाने को कहा गया था, लेकिन कई विधायक केवल एक नाम लेकर प्रदेश कार्यालय पहुंच गए। सूत्रों के मुताबिक संगठन ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि एक वॉर्ड के लिए केवल एक नाम स्वीकार नहीं किया जाएगा और तीन संभावित दावेदारों के नाम दिए जाएं। इसके बाद विधायकों को वापस भेजकर नए सिरे से पैनल तैयार करने को कहा गया। दरअसल, भाजपा संगठन अंतिम फैसला केवल विधायक या स्थानीय नेता की पसंद के आधार पर नहीं करना चाहता। प्रत्येक वॉर्ड में स्थानीय सामाजिक समीकरण, संगठन के फीडबैक, दावेदार की सक्रियता, सर्वे और जीत की संभावनाओं को भी कसौटी बनाया जा रहा है। इसी कारण संगठन ने एक नाम के बजाय कई विकल्प मांगे हैं, ताकि अंतिम चयन से पहले सभी पहलुओं पर मंथन किया जा सके। इसके बाद जयपुर के विधायकों को रात में दोबारा प्रदेश कार्यालय बुलाया गया और देर रात तक प्रत्याशियों के नामों पर मंथन चलता रहा। दिनभर के कार्यक्रमों के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इसके बाद जयपुर संभाग के प्रत्याशियों के नामों पर मंथन तेज हो गया। पार्टी स्तर पर जिन कार्यकर्ताओं के नाम लगभग तय माने जा रहे हैं, उन्हें पार्टी कार्यालय से फोन कर सूचना दिए जाने की प्रक्रिया भी शुरू होने की चर्चा रही।

प्रधानमंत्री संविधान का सम्मान करते हैं तो एफआईआर करायें- प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 30 अगस्त। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को भाजपा पर हमला तेज करते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वास्तव में संविधान का सम्मान करते हैं तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली वाले स्थान पर शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए।

प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस महीने की शुरुआत में किए गए शुद्धिकरण में शामिल लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) कानून के तहत कार्रवाई की जाए।

नेपाल में बाढ़ के बाद महामारी व संक्रामक रोग का खतरा बढ़ा

काठमांडू, 30 अगस्त। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में मारे गए लोगों और पशुओं के शव सड़ने लगे हैं जिससे महामारी और संक्रामक रोग फैलने का खतरा बढ़ गया है। बाढ़ में सैकड़ों लोग लापता हुए हैं, जिनमें से बहुत कम लोग जीवित मिले हैं, जबकि अधिकांश के शव अब तक नहीं मिले हैं।

बाढ़ में हजारों पशु बह गए या मारे गए हैं, लेकिन उनके शवों के प्रबंधन की कोई व्यवस्था नहीं हो पाई है। चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि इससे महामारी का रूप भयावह हो सकता है। इसलिए समय रहते तैयारी और सावधानी जरूरी है। इधर-उधर बिखरे शवों के कारण हैजा, दस्त, स्क्रब टाइफस, रोटावायरस, टाइफाइड, हेपेटाइटिस-ए और ई, लेप्टोस्पायरोसिस, डेंगू, मलेरिया, त्वचा संबंधी संक्रमण और श्वसन संक्रमण फैलने की आशंका को लेकर संक्रामक

■ इधर-उधर बिखरे शवों के कारण हैजा, टाइफाइड, डेंगू, हेपेटाइटिस-ए व ई, स्क्रब टाइफस जैसे रोग फैलने की आशंका

रोग विशेषज्ञ चिंतित हैं। वरिष्ठ संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. शेरबहादुर पुन ने चेतावनी दी कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल स्वास्थ्य संबंधी सतर्कता नहीं अपनाई गई तो सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा, सिर्फ इंसान ही नहीं, हजारों की संख्या में पशु भी मारे गए हैं। अब धीरे-धीरे उनके सड़ने और गलने की स्थिति बनने लगी है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। अनावश्यक लोग भी वहां जाते दिखाई दे रहे हैं।

मोदी ने ताशकंद में विशेष योग सत्र में भाग लिया

नई दिल्ली/ताशकंद, 30 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उज़्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में एक खास योग सत्र में भाग लिया। इसमें उज़्बेकिस्तान के 52 योग साधक शामिल थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, इस साल की शुरुआत में अहमदाबाद में आयोजित पहली वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप में उज़्बेकिस्तान ने गर्व के साथ हिस्सा लिया था। आज कुछ पदक विजेता भी यहां मौजूद थे। वे भारत और चैंपियनशिप की शानदार यादें लेकर लौटे हैं। मैं योग को लोकप्रिय बनाने की दिशा में किए गए काम के लिए उज़्बेकिस्तान योग महासंघ की सराहना करता हूं।

'विदेश में समझदारी और देश में चुप्पी'

वरिष्ठ अधिवक्ता व सांसद सिब्बल ने भागवत पर निशाना साधते हुए कहा कि शब्द मायने नहीं रखते, काम बोलना चाहिये

नई दिल्ली, 30 अगस्त। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की अमेरिका में की गई टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। भागवत ने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है। सिब्बल ने कहा कि सिर्फ शब्द मायने नहीं रखते, बल्कि काम भी दिखाई देना चाहिए।

सिब्बल ने एक्स पर कहा, "न्यूयॉर्क में भागवत: विविधता हमारी स्वाभाविक एकता की शोभा है। इसकी रक्षा की जानी चाहिए। विदेश में समझदारी की बातें, देश में चुप्पी। शब्द मायने नहीं रखते, काम बोलना

■ सिब्बल की टिप्पणी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है।

चाहिए!" सिब्बल की यह टिप्पणी आरएसएस प्रमुख भागवत के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है और इसे मनाया, सम्मानित और स्वीकार किया जाना चाहिए।

भागवत ने शनिवार को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन स्थित इन्फोसिस थिएटर में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित किया। इसमें भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 6,000 से अधिक सदस्य और विभिन्न धर्मों के नेता शामिल हुए। यह कार्यक्रम अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (एएचईएडी) मंच की ओर से आयोजित किया गया था। अखिल भारतीय शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना यासूब अब्बास ने मोहन भागवत के बयान की तारीफ की। उन्होंने कहा, मोहन भगवत का बयान सराहनीय है।

साइप्रस से तुर्किये जा रही यात्री नौका पलटी, 7 की मौत

निकोसिया, 30 अगस्त। उत्तरी साइप्रस के तट के पास रविवार को एक बड़ा समुद्री हादसा हो गया। उत्तरी साइप्रस से तुर्किये जा रही एक यात्री नौका के पलटने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 237 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। लापता 23 लोगों की तलाश में बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया है।

तुर्किये के आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, 'फिलो जेट' नाम की नौका काइरेनिया से दक्षिणी तुर्किये के तासुकु के लिए रवाना हुई थी। इसमें 259 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। तट से कुछ मील दूर पहुंचने पर अज्ञात परिस्थितियों में नौका में पानी भरने लगा और बाद में वह पलट गई।

आईएसआई ने संपर्क ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को रोकने के प्रयासों के दौरान आतंकियों की नयी चाल सामने आई। विदेशी कंपनियों द्वारा विकसित वर्चुअल सिम कार्ड कंप्यूटर के जरिये ऐसे फोन नंबर तैयार करने में सक्षम होते हैं, जिनका इस्तेमाल विशेष ऐप के माध्यम से स्मार्टफोन पर किया जा सकता है। इससे डिजिटल निशान बहुत कम रह जाते हैं।

वर्ष 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले की जांच के दौरान पहली बार इसका खुलासा हुआ था। हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे।

सीतापुरा के दो केन्द्रों ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभ्यर्थियों के कंप्यूटर शुरू हो गए, जबकि कई की परीक्षा पूरी नहीं हो सकी।

जयपुर के दोनों केंद्रों पर बिजली की समस्या के चलते कई अभ्यर्थियों की परीक्षा अधूरी रह गई।

एडिशनल डीसीपी (साउथ) ललित किशोर शर्मा ने कहा कि कई अभ्यर्थियों के कंप्यूटर चालू हुए, जबकि कई की परीक्षा नहीं हो पाई।

एनबीईएमएस ने प्रभावित अभ्यर्थियों को हुई असुविधा पर खेद जताते हुए 5 सितंबर को री-एग्जाम की घोषणा की है। नए एडमिट कार्ड और परीक्षा केंद्र की जानकारी जल्द जारी की जाएगी।

नेपाल की बाढ़ में 108 भारतीयों को सुरक्षित बचाया

नई दिल्ली, 30 अगस्त। नेपाल के भोटेकोशी क्षेत्र में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत ने बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है।

अब तक 108 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है, जबकि पहले संपर्क से बाहर हुए करीब 50 अन्य भारतीयों से दोबारा संपर्क स्थापित कर लिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपदा के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री से बात कर गहरी संवेदना व्यक्त की थी और हरसंभव मानवीय सहायता का भरोसा दिलाया था। इसके बाद विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने भी नेपाल के विदेश मंत्री से बातचीत की।

नेपाल: जल विद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे 900 मजदूरों को बचाने के प्रयास

बचाव दल सुरंग के मुख्य हिस्से तक पहुंचा, सुरंग का रास्ता चौड़ा करने में जुटा

काठमांडू, 30 अगस्त। नेपाल में बुधवार को आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। सबसे बड़ी चुनौती ऊपरी त्रिशूली-3ए जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे कर्मचारियों और इंजीनियरों को बाहर निकालने की है। बचाव दल सुरंग तक पहुंचने के लिए ड्रिलिंग, खुदाई और नियंत्रित विस्फोट कर रहे हैं।

नेपाली सेना के मुताबिक, रविवार को बचाव दल सुरंग के मुख्य हिस्से तक पहुंचने में कामयाब रहा। करीब 90 सदस्यों की संयुक्त टीम इस अभियान में जुटी है।

रविवार दोपहर करीब दो बजे बचाव दल सुरंग के ऊपरी हिस्से यानी क्राउन हेड तक पहुंचा। वहां करीब 2 गुणा 3 फीट का रास्ता बनाया गया। इसके बाद बचावकर्मी रस्सियों के सहारे सुरंग के अंदर उतरे और अंदर मौजूद लोगों को आवाज लगाई।

■ सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण भारी मशीनरी घटना स्थल तक नहीं पहुंच पा रही थी। नेपाली सेना ने मशीनों और बुलडोजरों को अलग-अलग हिस्सों में खोला तथा हेलिकॉप्टर के जरिये परियोजना स्थल तक पहुंचाया।

हालांकि, अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद बचाव दल ने सुरंग का रास्ता और चौड़ा करने का काम तेज कर दिया। भारी मशीनों और नियंत्रित विस्फोटों की मदद से अंदर तक पहुंच बनाने की कोशिश की जा रही है।

बचाव दल ने सुरंग के अंदर हवा और ऑक्सीजन पहुंचाना शुरू कर दिया है। एक ऊर्ध्वाधर रास्ते से पहले ही ऑक्सीजन अंदर भेजी जा चुकी है। इसके अलावा अंदर की स्थिति जानने के लिए कैमरा भी भेजा गया है। एक सुरंग में फंसे लोगों के जिंदा होने की उम्मीद में अंदर हवा पहुंचाई गई और खाने का सामान भी भेजा गया। हालांकि, बचाव दल अभी तक सुरंग के अंदर मौजूद किसी व्यक्ति से संपर्क स्थापित नहीं कर सका है।

नेपाल की अलग-अलग जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले 900 से ज्यादा कर्मचारी इस आपदा के बाद से लापता हैं। इनमें से कई के सुरंगों में फंसे होने की आशंका है। बचाव अभियान के सामने सबसे बड़ी चुनौती भारी मलबा, तेज नदी का बहाव और खराब मौसम है।

बाढ़ की वजह से जलविद्युत परियोजना तक जाने वाली सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे भारी मशीनों को घटनास्थल तक पहुंचाना मुश्किल हो गया। इसके बाद नेपाली सेना ने खुदाई करने वाली मशीनों और बुलडोजरों को अलग-अलग हिस्सों में खोला। इन्हें हेलीकॉप्टर से नुवाकोट के बट्टार तक पहुंचाया गया और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए परियोजना स्थल तक ले जाया गया।

बचाव अभियान के दौरान लगातार मौसम और नदी के पानी की चुनौती बनी हुई है। शनिवार रात हुई बारिश और नदी का जलस्तर बढ़ने से सुरंग के पास चल रही खुदाई वाली जगह में पानी भर गया था। इससे अभियान कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। बाद में बाढ़ का पानी कम होने पर बचाव दल ने दोबारा ड्रिलिंग मशीनों, एक्सकवेटर, हाइड्रोलिक कटर और अन्य उपकरणों से सुरंग का प्रवेश द्वार तलाशने का काम शुरू किया।

कर्नाटक में नागेन्द्र का मंत्री पद से इस्तीफा स्वीकार

बेंगलुरु, 30 अगस्त। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बी. नागेंद्र का मंत्री पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की सिफारिश पर नागेंद्र का इस्तीफा स्वीकार किया।

दरअसल, 89 करोड़ रुपये के कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी डवलपमेंट कॉरपोरेशन

■ महर्षि वाल्मीकि एसटी डवलपमेंट कॉरपोरेशन के घोटाले में कथित भूमिका पर नागेन्द्र विपक्ष की आलोचना झेल रहे थे।

घोटाले में कथित भूमिका को लेकर विपक्ष की आलोचना झेल रहे नागेंद्र ने शुक्रवार को इस्तीफे का एलान किया था।

यह एलान शिवकुमार के नेतृत्व वाली कैबिनेट के विस्तार में दोबारा शामिल किए जाने के सिर्फ 25 दिन बाद किया गया था। घोटाले में अपनी कोई भूमिका न होने का दावा करते हुए नागेंद्र ने कहा कि उन्होंने पार्टी और सरकार को शर्मिंदगी से बचाने के लिए अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है। विपक्षी भाजपा-जेडी(एस) गठबंधन ने लगातार आलोचना और विरोध-प्रदर्शन के जरिए बेल्लारी के विधायक पर दबाव बनाए रखा था।

पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन की सुरक्षा ज़ैड प्लस से घटा कर ज़ैड की

तमिलनाडु सचिवालय में कोर सैल सिक्योरिटी विंग की समीक्षा के बाद निर्णय लिया गया

चेन्नई, 30 अगस्त। तमिलनाडु पुलिस ने सुरक्षा प्राप्त राजनीतिक नेताओं को होने वाले खतरों के समय-समय पर किए जाने वाले आकलन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन को दी जाने वाली सुरक्षा को जैड प्लस से घटाकर जैड श्रेणी का कर दिया है।

यह फैसला राज्य सचिवालय में कोर सेल सिक्योरिटी विंग की समीक्षा के बाद लिया गया। नई व्यवस्था के तहत स्टालिन को भारी पुलिस सुरक्षा मिलती रहेगी।

उनके काफिले के आगे, बीच और पीछे के हिस्सों में सुरक्षा टीमें तैनात रहेंगी। इस सुरक्षा घेरे में पायलट, एस्कॉर्ट, बैकअप और क्लोज-प्रोटेक्शन गाड़ियां शामिल होंगी जो यात्रा और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान उनकी सुरक्षा करेंगी।

अधिकारियों ने इस बदलाव को

■ नई सुरक्षा व्यवस्था में स्टालिन के काफिले के आगे, बीच में और पीछे के हिस्से में सुरक्षा टीमें तैनात रहेंगी। सुरक्षा घेरे में पायलट, एस्कॉर्ट, बैकअप और क्लोज़-प्रोटेक्शन गाड़ियां शामिल हैं।

सुरक्षा हटाने के बजाय तैनाती को तर्कसंगत बनाने का कदम बताया। स्टालिन की सुरक्षा में तैनात कर्मियों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया। नई सुरक्षा व्यवस्था तब तक लागू रहेगी जब तक कि अगली समीक्षा न हो जाए, सिवाय इसके कि कोई नई खुफिया जानकारी मिलने पर इसकी समीक्षा पहले ही करनी पड़े।

तमिलनाडु में वीआईपी और वीवीआईपी को दी जाने वाली सुरक्षा की हर छह महीने में समीक्षा की जाती है। इस प्रक्रिया में खुफिया रिपोर्ट खतरों की प्रकृति और तात्कालिकता, लोगों के बीच मौजूदगी, यात्रा के तौर-तरीकों और सुरक्षा की जरूरतों पर विचार किया जाता है।

सुरक्षा श्रेणी घटाने का फैसला स्टालिन और डीएमके को 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में करारी हार मिलने के कुछ महीनों बाद लिया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि उनकी सुरक्षा में बदलाव पूरी तरह से पेशेवर खतरे के आकलन पर आधारित था और यह सुरक्षा प्राप्त लोगों की राज्य-स्तरीय नियमित समीक्षा का हिस्सा था। इसका किसी राजनीतिक स्थिति या चुनाव के नतीजों से कोई लेना-देना नहीं था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908